● वर्ष : 17 ● अंक : 149 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित शुक्रवार 20 मार्च 2026

कतर में दुनिया के सबसे बड़े लिक्विफाइड नेचुरल गैस निर्यात टर्मिनल पर हमला

एजेंसी। दोहा (कतर)

ईरान ने कतर के रास लफ्फान इंडस्ट्रियल सिटी पर मिसाइल हमला किया है। यहां दुनिया का सबसे बड़ा लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) निर्यात टर्मिनल है। ईरान ने इस टर्मिनल को निशाना बनाया है। यह हमला 18-19 मार्च की रात किया गया। कतर ने कहा है कि देश की मुख्य गैस सुविधा रास लफान इंडस्ट्रियल सिटी पर ईरानी मिसाइल हमलों से काफी नुकसान हुआ है। एबीसी न्यूज और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, कतर के विदेश मंत्रालय ने ईरान के हमले की कड़ी निंदा और भर्त्सना की है। मंत्रालय ने कहा कि हमले के कारण टर्मिनल में आग लग गई। रिपोर्ट के अनुसार, कतर के अधिकारियों ने कहा कि ईरान ने पांच बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इनमें से चार को इंटरसेप्ट कर लिया गया, लेकिन एक मिसाइल टर्मिनल पर गिरी। ईरान ने इसके अलावा ड्रोन का भी इस्तेमाल किया गया। कतर एनर्जी ने पुष्टि की है कि हमले के कारण टर्मिनल पर भीषण आग लग गई और बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान हुआ। हालांकि, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। रास लफ्फान से दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत एलएमजी की आपूर्ति होती है। इस हमले के बाद कतर ने एलएनजी का उत्पादन फिलहाल रोक दिया है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में हड़कंप मच गया। ब्रेंट क्रूड की कीमतें सात प्रतिशत से अधिक बढ़ गई हैं। कतर ने इस हमले को अपनी संप्रभुता का उल्लंघन और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सीधा खतरा बताया है। प्रतिक्रिया स्वरूप, कतर ने ईरानी दूतावास के सैन्य और सुरक्षा अधिकारियों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। इसी दौरान ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के हबशान गैस संयंत्र और सऊदी अरब की रिफाइनरियों को भी निशाना बनाने की चेतावनी दी है। इसके बाद वहां सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया है।

अबू धाबी के पास मिसाइल का मलबा गिरने से गैस प्लांट बंद

अबू धाबी मीडिया ऑफिस ने बताया कि मिसाइलों को रोकने के दौरान गिरे मलबे की वजह से अबू धाबी के पास के गैस प्लांट बंद कर दिए गए हैं। मिसाइलों ने हबशान गैस प्लांट और बाब तेल क्षेत्र को निशाना बनाया था; ऑफिस ने बताया कि गैस प्लांट में काम-काज रोक दिया गया है। संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह इन प्लांटों को निशाना बनाने वाले ईरानी हमले की कड़ी निंदा करता है। ये हमले अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हैं।

कुवैत में 2 तेल रिफाइनरियों पर ईरानी ड्रोन का हमला, लगी आग

इस्तांबुल/कुवैत। पश्चिम एशिया में करीब तीन हफ्तों से जारी युद्ध के बीच गुरुवार सुबह कुवैत की दो तेल रिफाइनरीज मीना अल-अहमदी रिफाइनरी और मीना अब्दुल्ला रिफाइनरी पर ईरान ने ड्रोन हमले किए, जिससे आग लग गई। कुवैत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि स्थिति पर जल्द काबू पा लिया गया और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। तुर्किए की आधिकारिक संवाद समिति अनाडोलू एजेंसी (एए), कुवैत के प्रमुख समाचार पत्र कुवैत टाइम्स तथा अन्य मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, कुवैत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने गुरुवार को बताया कि देश की दो प्रमुख तेल रिफाइनरियों पर ईरान द्वारा ड्रोन हमले किए गए, जिससे कुछ स्थानों पर आग लग गई। हालांकि राहत की बात यह रही कि इनमें किसी के घायल होने की खबर नहीं है। कुवैत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के अनुसार एक ड्रोन ने मीना अल-अहमदी रिफाइनरी की एक ऑपरेशनल यूनिट को निशाना बनाया, जबकि दूसरे हमले में मीना अब्दुल्ला रिफाइनरी को टारगेट किया गया। दोनों ही रिफाइनरियों का संचालन कुवैत नेशनल पेट्रोलियम कंपनी (केएनपीसी) करती है। हमलों के बाद रिफाइनरियों में आग लग गई, जिसे बुझाने के लिए तुरंत इमरजेंसी और रैपिड रिस्पॉन्स टीमों को तैनात किया गया। कुवैत न्यूज एजेंसी (कुना) के मुताबिक छह फायर फाइटिंग टीमों ने मौके पर पहुंचकर आग पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया। केएनपीसी ने कहा कि कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और सुविधाओं को सुरक्षित रखने के लिए सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाए गए हैं। साथ ही संबंधित अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। यह घटनाएं ऐसे समय में हुई हैं जब क्षेत्र में तनाव लगातार बढ़ रहा है।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

ईरानी नेताओं की शहादत अब करो या मरो?

रमजान के पवित्र महीने में जिस तरह से अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान के ऊपर हमला किया इस हमले में सेकड़ो बच्चियों की मौत हो गई, ईरान के सुप्रीमो अयातुल्लाह खामेनेई सहित प्रथम पंक्ति के सैकड़ों नेताओं को मारकर जिस तरह से ईरान में तख्ता पलट कराने का जो प्रयास था वह पूरी तरह से विफल हो गया है। ईरान में मोसाद की उपस्थिति ने ईरान के नेताओं को मौत के घाट जरूर उतारा है, लेकिन इसकी प्रतिक्रिया अब दूसरे रूप में देखने को मिल रही है। ईरान में लोग एकजुट होकर इसका विरोध कर रहे हैं। पहली बार यह समझ आ रहा है, ईरान ने अपनी क्रीमी लेयर की जो सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था तैयार की थी इतनी बड़ी संख्या में महत्वपूर्ण व्यक्तियों की मौत हो जाने के बाद भी ईरान कहीं से भी कमजोर नहीं पड़ा है।

उल्टे उसके ड्रोन और मिसाइलों ने जिस तरह से अमेरिका और इजरायल के सुरक्षा तंत्र को नुकसान पहुंचाया है इसकी कल्पना अमेरिका और इजरायल ने कभी नहीं की थी। ड्रोन और ईरान के मिसाइल इतने बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा सकते हैं या इतनी बड़ी संख्या में ईरान के पास सैन्य हथियार तकनीकी के साथ उपलब्ध हो सकते हैं इसकी जरा भी जानकारी अमेरिका और इजरायल को होती तो वह ईरान के साथ इस तरह का पंगा नहीं लेते। ईरान ने प्रतिक्रिया स्वरूप पश्चिम एशिया के जिन देशों में अमेरिका के सैन्य अड्डे थे उन्हें नष्ट करने में सफलता हासिल की है। जहां-जहां अमेरिकी सैनिक और दूतावास से उनको नष्ट किया है जिसके कारण अमेरिका को अपने सभी दूतावास बंद करने पड़े। अमेरिकी नौसेना भी कोई कमाल नहीं दिखा सकी उल्टे उनके बड़े-बड़े जहाज पीछे हटने को विवश हुए। अब एक और सबसे बड़ी गलती अमेरिका और इजरायल ने की है। उसने ईरान के गैस एवं पेट्रोल के ठिकानों पर हमला किया है, जिसका जवाब अब ईरान ने देना शुरू कर दिया है।

जिसके कारण यह युद्ध अब एक ऐसी दशा में बदल रहा है जिसकी आग में सारी दुनिया के देशों को झुलसना पड़ सकता है। अमेरिका के मित्र देश और नाटो संगठन ने इस युद्ध में उतरने से साफ इनकार कर दिया है। रूस, चीन और उत्तर कोरिया खुलकर ईरान के समर्थन में आकर खड़े हो गए हैं। ईरान अभी तक इस युद्ध में नैतिकता के साथ लड़ाई लड़ रहा था लेकिन अब इस लड़ाई में ईरान भी अपनी नैतिकता छोड़कर अब युद्ध जीतने की लड़ाई लड़ेगा, जिसके कारण यह युद्ध किस रूप में और कहां तक जाएगा इसको लेकर अब तरह-तरह की आशंकाएं सामने आने लगी हैं। दुनिया के सभी देश अपने-अपने क्षेत्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए इस युद्ध से दूर रहते हुए अपनी कूटनीतिक संबंधों को बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को लेकर सारी दुनिया के देशों को अपने विरोध में खड़ा कर लिया है। जिस तरह से अमेरिका अपना साम्राज्यवाद सारी दुनिया में स्थापित करने का प्रयास कर रहा था उसकी सारी दुनिया के देश विरोध कर रहे हैं।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

रामराज्य के आदर्शों से ही नैतिक और धर्माचरण आधारित राष्ट्र निर्माण संभवः राष्ट्रपति मुर्मु

अयोध्या। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि प्रभु श्रीराम ने जिस अयोध्या नगरी में जन्म लिया उसकी पवित्र धूलि का स्पर्श प्राप्त करना ही मैं अपना परम सौभाग्य मानती हूं। स्वयं प्रभु श्रीराम ने अपनी इस जन्मभूमि को स्वर्ग से भी श्रेष्ठ बताया था। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण, रामलला के दिव्य विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा और मंदिर के शिखर पर धर्म-ध्वजारोहण की तिथियां हमारे इतिहास और संस्कृति की स्वर्णिम तिथियां हैं। उन्होंने कहा कि रामराज्य के आदर्शों के पालन से ही नैतिक और धर्माचरण आधारित राष्ट्र निर्माण हो सकता है। राष्ट्रपति मुर्मु गुरुवार को अयोध्या में प्रभु श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में "श्रीराम यंत्र" की स्थापना के बाद देश की जनता को संबोधित कर रहीं थीं। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि इसी अयोध्या यानी अवधपुरी और आस-पास की लोक-भाषा में संत कवि तुलसीदासजी ने 'श्री रामचरितमानस' की रचना की थी। रामचरितमानस में प्रभु श्रीराम सीताजी से कहते हैं कि यद्यपि सबने वैकुंठ का बखान किया है तथा वह वेद पुराणों में वर्णित है, जग-प्रसिद्ध है, लेकिन वैकुंठ भी मुझे अवधपुरी जितना प्रिय नहीं है। राष्ट्रपति ने कहा कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, संवत्सर 2083 के शुभारंभ के दिन और नवरात्र के प्रथम दिवस पर यहां आकर मैं स्वयं को कृतार्थ अनुभव कर रही हूं।

ईरान ने तोड़ा अमेरिका का सुरक्षा कवचः रुबियों की छत के ऊपर दिखा ड्रोन, व्हाइट हाउस में हड़कंप

वाशिंगटन। अमेरिका के अति-सुरक्षित सैन्य क्षेत्रों और वरिष्ठ अधिकारियों के आवासों के ऊपर अज्ञात ड्रोनों के देखे जाने से सुरक्षा व्यवस्था में हड़कंप मच गया है। ये संदिग्ध ड्रोन विशेष रूप से फोर्ट लेस्ले जे. मैकनायर के आसपास देखे गए हैं, जो वह इलाका है जहां विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ जैसे शीर्ष अमेरिकी अधिकारी निवास करते हैं। एक ही रात में कई ड्रोनों की मौजूदगी दर्ज किए जाने के बाद पेंटागन से लेकर व्हाइट हाउस तक चिंता की लहर है। इस सुरक्षा उल्लंघन की गंभीरता को देखते हुए व्हाइट हाउस में एक आपातकालीन उच्च स्तरीय बैठक बुलाई गई, जिसमें संभावित खतरों का व्यापक आकलन किया गया। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए अमेरिका ने न केवल घरेलू स्तर पर सुरक्षा बढ़ाई है, बल्कि दुनिया भर में स्थित अपने दूतावासों के लिए ग्लोबल सिक्योरिटी अलर्ट भी जारी कर दिया है। मैकडिल एयर फोर्स बेस और जॉइंट बेस मैकगायर-डिक्स-लेकहर्स्ट पर सुरक्षा स्थिति को चार्ली स्तर पर कर दिया गया है, जो किसी संभावित हमले के गंभीर खतरे का संकेत माना जाता है। सुरक्षा एजेंसियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती इन ड्रोनों के स्रोत का पता लगाना है। एफबीआई और रक्षा विभाग इस रहस्यमयी घुसपैठ की गहन जांच कर रहे हैं, हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ये ड्रोन कहां से संचालित किए जा रहे थे। खतरे की गंभीरता को देखते हुए विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने पर भी विचार किया गया, हालांकि फिलहाल उन्हें वहीं रहने दिया गया है लेकिन उनके आवासों की घेराबंदी सख्त कर दी गई है।

अमेरिका की ईरान को चेतावनी, कतर पर हमला जारी रहा तो दुनिया के सबसे बड़े गैस क्षेत्र 'साउथ पार्स' को तबाह कर देगा

एजेंसी। वाशिंगटन

ईरान के कतर के रास लफ्फान इंडस्ट्रियल सिटी पर मिसाइल हमले पर अमेरिका ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। मध्य-पूर्व युद्ध शुरू हुए लगभग तीन सप्ताह हो चुके हैं। इस दौरान ईरान अरब खाड़ी देशों में ऊर्जा से जुड़े अहम बुनियादी ढांचों पर अपने हमले तेज कर रहा है। इससे दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा खतरे में पड़ गई है और वैश्विक तेल की कीमतें और भी ज्यादा बढ़ गई हैं। अमेरिका ने कहा कि अगर ईरान कतरे में हमले जारी रखता है तो उसके 'साउथ पार्स' को तबाह कर दिया जाएगा। साउथ पार्स को ईरान की अर्थव्यवस्था की लाइफ लाइन माना जाता है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने प्रशासन को ईरान के गैस क्षेत्रों पर इजराइल के हमलों से अलग रखने की कोशिश की है। उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर ईरान ने कतर पर हमले जारी रखे तो अमेरिका दुनिया के सबसे बड़े गैस क्षेत्र 'साउथ पार्स' को पूरी तरह से "तबाह" कर देगा। ट्रंप ने धमकी दी कि अगर ईरान हमले नहीं रोकता तो ईरानी गैस क्षेत्र को उड़ा दिया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को साउथ पार्स पर हुए इजराइली हमले के बारे में "कुछ भी पता नहीं था।" हालांकि, दो इजराइली अधिकारियों ने बुधवार को सीएनएन को बताया कि यह हमला अमेरिका के साथ तालमेल बिठाकर किया गया। बहरहाल ईरान ने कतर के रास लफ्फान इंडस्ट्रियल सिटी पर मिसाइल हमला कर पूरी दुनिया को सकते में डाल दिया है। यहां दुनिया का सबसे बड़ा लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) निर्यात टर्मिनल है।

भारत में बाल मृत्यु दर में भारी गिरावट

संयुक्त राष्ट्र ने भारत की जमकर की तारीफ

एजेंसी। नई दिल्ली

चैत्र नवरात के पावन मौके पर संयुक्त राष्ट्र की तरफ से रिपोर्ट सामने आई है, इस रिपोर्ट में बताया गया हैं कि भारत में बाल मृत्यु दर में भारी गिरावट हुई है। संयुक्त राष्ट्र ने बाल मृत्यु दर में गिरावट को लेकर भारत की जमकर सराहना कर मोदी सरकार की तारीफ की है। वहीं, रिपोर्ट पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। पीएम मोदी ने लिखा कि यूएन की रिपोर्ट में बच्चों की मौत में तेज गिरावट के लिए भारत की तारीफ हुई है। संयुक्त राष्ट्र बाल मृत्युदर अनुमान अंतर-एजेंसी समूह (यूएनआईजीएमई) की ताजा

बच्चों की मौत में तेज गिरावट पर देश की तारीफ : पीएम मोदी

रिपोर्ट 2025 के मुताबिक, बच्चों की मौत की दर को कम करने में दुनियाभर में हुई तरक्की में भारत अहम योगदान देने वाला देश बना है। रिपोर्ट में बच्चों के बचने के नतीजों को बेहतर बनाने के लिए, खासकर नवजात और पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मौत के मामले में देश की लगातार और बड़े पैमाने पर प्रयास किए गए है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन नतीजों ने मजबूत, केंद्र और राज्यों द्वारा संचालित तथा मानकों पर आधारित सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की प्रभावशीलता को दिखाया है। इसमें बताया गया हैं कि भारत ने राष्ट्रीय दृष्टिकोण को जमीनी स्तर पर मापने योग्य परिणामों में बदलने के लिए ठोस प्रयास किए हैं। नवजात शिशु मृत्यु दर में 70 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है, जो 1990 में 57 से घटकर 2024 में 17 हो गई है। पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर में 79 फीसदी की भारी गिरावट देखी गई, जो 1990 में 127 से घटकर 2024 में 27 हो गई है। बीते दो दशकों में भारत ने दक्षिण एशिया क्षेत्र में बच्चों की मृत्यु दर को कम करने की कोशिशों में अहम भूमिका निभाई है। 1990 से पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मौतों में 76 फीसदी की कमी आई है और 2000 से 68 फीसदी की कमी आई। इस क्षेत्र में पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर में काफी कमी आई है। 2000 में हर 1,000 जीवित जन्मों पर 92 मौतों से घटकर 2024 में करीब 32 हो गई है, जो बच्चों के स्वास्थ्य के नतीजों में लगातार हो रही बढ़ोतरी को दिखाता है। भारत के खास दखल ने निमोनिया, डायरिया, मलेरिया और जन्म से जुड़ी दिक्कतों जैसी रोकी जा सकने वाली बीमारियों से होने वाली मौतों को कम करने में मदद की है।

नौसेना अलर्ट, भारत ने ऊर्जा सुरक्षा के लिए खाड़ी क्षेत्र में युद्धपोतों की तैनाती बढ़ाई

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में गहराते सैन्य संकट और युद्ध के बीच वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा माने जाने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव चरम पर पहुंच गया है। इस संवेदनशील समुद्री मार्ग पर बढ़ते खतरों को देखते हुए भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। भारतीय नौसेना ने खाड़ी क्षेत्र में अपने युद्धपोतों की संख्या बढ़ाने का फैसला किया है, ताकि कच्चे तेल और गैस लेकर आने वाले भारतीय जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान किया जा सके। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस जलमार्ग के एक तरफ फारस की खाड़ी और दूसरी ओर ओमान की खाड़ी स्थित है। भारत अपनी तेल और गैस की जरूरतों के लिए कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों पर निर्भर है, जिनके टैंकर इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं। वर्तमान में अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते टकराव के कारण इस मार्ग पर आवाजाही लगभग ठप हो गई है, जिससे भारत के करीब 22 व्यापारिक जहाज वहां फंसे हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नौसेना ने वहां मौजूद तीन युद्धपोतों के साथ अतिरिक्त जहाजों को तैनात करने का निर्णय लिया है, जिससे कुल संख्या छह से सात तक हो जाएगी।

पीएम मोदी ने चैत्र नवरात्रि, नव संवत्सर गुड़ी पड़वा पर लोगों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज चैत्र नवरात्रि आरंभ होने पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कामना की कि शक्तिस्वरूपा मां दुर्गा की असीम कृपा से सबका कल्याण हो और विकसित भारत के हमारे संकल्प को भी नई ऊर्जा मिले। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, "देशभर के मेरे परिवारजनों को नवरात्रि की हार्दिक मंगलकामनाएं। शक्ति की आराधना का यह दिव्य अवसर आप सभी के लिए सुख, सौभाग्य, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए। शक्तिस्वरूपा मां दुर्गा की असीम कृपा से सबका कल्याण हो, जिससे विकसित भारत के हमारे संकल्प को भी नई ऊर्जा मिले। जय अंबे जगदंबे मां। उन्होंने एक अन्य

पोस्ट में संस्कृत सुभाषित साझा करते हुए नवरात्रि को लेकर कहा, "नवरात्रि के पहले दिन मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप देवी शैलपुत्री की पूजा का विधान है। उनके आशीर्वाद से हर किसी के जीवन में संयम, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो, यही कामना है। उन्होंने लिखा, "वन्दे वाञ्छितलाभाय चन्द्रार्धकृतशेखराम्। वृषारूढां शूलधरां शैलपुत्रीं यशस्विनीम्।

ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के निर्माण की जरूरत जिसमें हम पूरी तरह आत्मनिर्भर हों

एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षामंत्री ने कहा- ड्रोन मॉड्यूल, सॉफ्टवेयर, इंजन और बैटरी सभी भारत में ही बनें

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित नेशनल डिफेंस इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव में कहा कि आज जब पूरी दुनिया रूस और यूक्रेन के साथ-साथ ईरान-इजराइल संघर्ष को देख रही है, तो हम साफ देख सकते हैं कि फ्यूचर वॉरफेयर में ड्रोन्स और काउंटर-ड्रोन टेक्नोलॉजी की बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि आज भारत में एक ऐसे ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के निर्माण की जरूरत है, जिसमें हम पूरी तरह आत्मनिर्भर हों। यह आत्मनिर्भरता सिर्फ प्रोडक्ट के स्तर पर ही नहीं बल्कि कंपोनेंट के स्तर पर भी जरूरी हैं यानी ड्रोन के मॉड्यूल से लेकर सॉफ्टवेयर, इंजन और बैटरी सभी भारत में ही बने। उन्होंने कहा कि यह काम आसान नहीं है क्योंकि ज्यादातर देशों में जहां ड्रोन्स बनते हैं, वहां कई अहम कंपोनेंट चीन से आयात किए जाते हैं। नेशनल डिफेंस इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव का उद्देश्य स्वदेशी रक्षा उपकरण के निर्माण को प्रोत्साहित करना है। यह भारत में रक्षा उपकरण बनाने का मजबूत तंत्र स्थापित करने की बड़ी कोशिश है। खास तौर पर प्राइवेट कंपनियों, छोटे और मध्यम उद्योगों, यानी एमएसएमई को इस सेक्टर से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि वे भी डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में हिस्सा ले सकें। रक्षामंत्री राजनाथ ने एमएसएमई व अन्य लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि इस काम में देश को आप सभी की जरूरत है। सरकार की तरफ से आपको हर तरह का समर्थन मिलेगा। हम सबको मिलकर मिशन मोड में काम करना होगा ताकि 2030 तक भारत, स्वदेशी ड्रोन निर्माण का ग्लोबल हब बन जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी देश के डिफेंस इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम को बनाने में जहां पर बड़ी इंडस्ट्रीज, एमएसएमई, स्टार्टअप्स और इनोवेटर्स का हाथ होता है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, गृहमंत्री ने देशवासियों को चैत्र नवरात्रि, नव संवत्सर की बधाई दी

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और गृहमंत्री अमित शाह सहित कई नेताओं ने गुरुवार को चैत्र नवरात्रि, नव संवत्सर, गुड़ी पड़वा पर देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राष्ट्रपति ने एक्स पर अपने संदेश में कहा, "चैत्र शुक्लादि, उगादी, गुड़ी-पड़वा, चेती-चांद, नवरेह एवं साजिबु-चेरोबा के पावन अवसर पर सभी देशवासियों को मैं हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। देश के विभिन्न क्षेत्रों में नववर्ष के आगमन के स्वागत में मनाए जाने वाले ये उत्सव भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता के उल्लासपूर्ण प्रतीक हैं। मेरी मंगलकामना है कि ये सुखद पर्व सभी के जीवन में समृद्धि और नई आशाओं का संचार करें।" उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में मनाए जाने वाले ये त्योहार पारंपरिक नव वर्ष की शुरुआत का प्रतीक हैं जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविधता में एकता को प्रतिबिंबित करते हैं। ये शुभ अवसर सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और नई आशा लेकर आएं। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि वह मां भगवती से आपके अच्छे स्वास्थ्य, समृद्धि और वैभवशाली जीवन के लिए प्रार्थना करते हैं। ईश्वर इस नववर्ष सभी के जीवन में नई ऊर्जा, नवचेतना एवं समृद्धि का संचार करें। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि मां दुर्गा की शक्ति और साहस एवं वसंत ऋतु की शुरुआत के प्रतीक का यह मंगल पर्व सभी को सुख-शांति और समृद्धि प्रदान करे। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि यह पावन महापर्व आप सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए तथा आदिशक्ति की कृपा सदैव आप सब पर बनी रहे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि ये शुभ अवसर आपके जीवन को खुशियों, समृद्धि और नई शुरुआत से भर दें। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि यह पावन अवसर हमारी समृद्ध सनातन परंपरा, संस्कृति और नवचेतना का प्रतीक है।

एसबीआई के ऋण धोखाधड़ी मामले में अनिल अंबानी से पूछताछ

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक से जुड़े 2,929 करोड़ रुपये के लोन फ्रॉड मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने गुरुवार को उद्योगपति अनिल अंबानी से पूछताछ की। सूत्रों ने बताया कि अंबानी आज सुबह यहां सीबीआई मुख्यालय पहुंचे, जहां एजेंसी के अधिकारियों ने उनसे सवाल-जवाब किए। पूछताछ का सिलसिला शुक्रवार को भी जारी रहेगा। सीबीआई अब इस मामले में जुटाए गए दस्तावेजों और अंबानी के बयानों का मिलान करेगी। इससे पहले आज सुबह अनिल अंबानी के प्रवक्ता ने बयान जारी कर कहा था कि अंबानी 19 और 20 मार्च को सीबीआई के सामने पेश हो रहे हैं। यह पेशी एसबीआई की शिकायत पर दर्ज एफआईआर के सिलसिले में है। प्रवक्ता ने कहा कि अंबानी सभी जांच एजेंसियों को पूरा सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध हैं और वे अपना पक्ष मजबूती से रखेंगे। उल्लेखनीय है कि एसबीआई की शिकायत पर सीबीआई ने पिछले साल अगस्त में अनिल अंबानी और रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

ख़ास ख़बर

Carry On Jatta 4 का पहला टीज़र रिलीज, दिवंगत दिग्गज अभिनेता जसविंदर भल्ला को खास श्रद्धांजलि

लोकतंत्र की शानः फिल्म Carry On Jatta 4 के निर्माताओं ने आज इसका बहुप्रतीक्षित पहला टीज़र जारी कर दिया है, जो दुनियाभर के पंजाबी सिनेमा प्रेमियों के लिए एक खास पल है। इस फिल्म में जसविंदर भल्ला, गिप्पी ग्रेवाल, सरगुन मेहता, बिन्नू ढिल्लों, करमजीत अनमोल, शिंदा ग्रेवाल, जैस्मिन बाजवा और स्वीटाज बरार मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस टीज़र की सबसे खास बात है दिवंगत कॉमेडी के दिग्गज जसविंदर भल्ला को दी गई एक भावुक और अनोखी श्रद्धांजलि। अपनी शानदार कॉमिक टाइमिंग और यादगार अभिनय के लिए जाने जाने वाले भल्ला आज भी पंजाबी मनोरंजन जगत के सबसे प्रिय कलाकारों में से एक हैं। हालांकि फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले ही उनका निधन हो चुका था, लेकिन एडवांस VFX और CG तकनीक की मदद से उनका किरदार दोबारा जीवंत किया गया है। इस प्रक्रिया में करीब छह महीने का समय लगा, जिसमें उनकी एक पुरानी फिल्म की फुटेज को सावधानीपूर्वक स्कैन कर एक प्रामाणिक और सम्मानजनक प्रस्तुति तैयार की गई। यह पल इसलिए भी ऐतिहासिक माना जा रहा है क्योंकि संभवतः पहली बार ऐसा हो रहा है कि कोई कलाकार, जो अब हमारे बीच नहीं है, फिर भी पर्दे पर अभिनय करता हुआ नजर आएगा। Carry On Jatta फ्रेंचाइज़ी की विरासत में जसविंदर भल्ला का योगदान बेहद अहम रहा है, और इसी को ध्यान में रखते हुए टीम ने उन्हें इस खास तरीके से सम्मानित करने का फैसला लिया। इस पहल का उद्देश्य उनके अमूल्य योगदान का जश्न मनाना और दर्शकों को उनकी यादों से फिर जोड़ना है।

थाना वेलकम की टीम द्वारा एक कुख्यात लुटेरे को गिरफ्तार किया गया

लोकतंत्र की शानः थाना वेलकम की टीम द्वारा एक कुख्यात लुटेरे को गिरफ्तार किया गया है। उसके कब्जे से लूटे गए दो मोबाइल फोन तथा अपराध में प्रयुक्त चाकू बरामद किया गया है। दिनांक 17.03.2026 की शाम को दो शिकायतकर्ता—मोहम्मद सलमान (18 वर्ष) एवं एक युवती—पेट्रोलिंग पर तैनात हेड कांस्टेबल संदीप और कांस्टेबल गौरव की टीम के पास पहुंचे। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति ने झिलमिल पार्क के पास चाकू की नोक पर उनसे उनके मोबाइल फोन लूट लिए और मौके से फरार हो गया। इस संबंध में थाना वेलकम में FIR संख्या 102/26 धारा 309(4)/317(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया तथा जांच शुरू की गई। तत्परता से कार्रवाई करते हुए टीम ने सुराग जुटाए और अपराध में शामिल एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया, जिसकी पहचान अभिषेक उर्फ बाबा (24 वर्ष), पुत्र मुकेश, निवासी वेलकम, दिल्ली के रूप में हुई। पूछताछ के दौरान आरोपी अभिषेक उर्फ बाबा ने अपराध करना स्वीकार कर लिया। उसकी निशानदेही पर लूटे गए दोनों मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू बरामद कर लिया गया। विस्तृत जांच में पाया गया कि आरोपी पहले से ही लूट और छीना-झपटी से संबंधित चार आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। मामले की आगे की जांच जारी है। (आशीष मिश्रा) आईपीएस उपायुक्त पुलिस उत्तर-पूर्व जिला, दिल्ली।

असम विस चुनावः भाजपा की पहली सूची में मुख्यमंत्री हिमंत सहित 88 उम्मीदवारों के नाम

लोकतंत्र की शानः नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने असम विधानसभा चुनाव के लिए 88 उम्मीदवारों की पहली सूची गुरुवार को जारी की। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा का भी नाम है। भाजपा के मुताबिक केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में बुधवार को सम्पन्न हुई। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह एवं केंद्रीय चुनाव समिति के अन्य सभी सदस्य उपस्थित रहे। चुनाव समिति ने असम में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए 88 उम्मीदवारों के नामों की स्वीकृति दी है। इसमें मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा समेत कई बड़े नेताओं के नाम हैं। पूर्व सांसद रामेश्वर तेली, पल्लब लोचन दास और राजदीप रॉय को भी उम्मीदवार बनाया गया है। पार्टी ने अनुभव और जीत के समीकरण को ध्यान में रखकर यह सूची तैयार की है। इस सूची में छह महिला उम्मीदवारों के भी नाम हैं। मुख्यमंत्री को जालुकबारी से टिकट दिया गया है। उल्लेखनीय है कि असम विधानसभा में कुल 126 सीटें हैं।

जमीन के बदले नौकरी मामले में दस्तावेज मांग संबंधी लालू-राबड़ी की याचिका खारिज

लोकतंत्र की शानः नई दिल्ली। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने लैंड फॉर जॉब के केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जुड़े मामले में लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने उन 1600 दस्तावेजों को उपलब्ध कराने की मांग की थी जिन पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भरोसा नहीं किया था। स्पेशल जज विशाल गोगने ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में दस्तावेज की मांग करना उल्टी गंगा बहाने जैसा होगा और इससे ट्रायल बाधित होगा। कोर्ट ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव और राबड़ी देवी के अलावा आरके महाजन और महीप कपूर की भी ऐसी ही याचिकाएं खारिज करने का आदेश दिया। आरके महाजन ने एक दस्तावेज, जबकि महीप कपूर ने 23 दस्तावेज की मांग की थी। कोर्ट ने 16 फरवरी को लालू यादव के खिलाफ औपचारिक रुप से आरोप तय कर दिया था। लालू यादव और राबड़ी देवी ने आरोपों से इनकार करते हुए ट्रायल का सामना करने की बात की। कोर्ट ने कहा था कि लालू यादव ने इस मामले में सिंडिकेट बनाकर काम किया। इस मामले की आरोपित राबड़ी देवी ने प्रिंसिपल एंड डिस्ट्रिक्ट जज के समक्ष याचिका दायर कर जज विशाल गोगने की कोर्ट से दूसरी कोर्ट में ट्रांसफर करने की मांग की थी। प्रिंसिपल एंड डिस्ट्रिक्ट जज दिनेश भट्ट ने 19 दिसंबर को राबड़ी देवी की याचिका खारिज कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने 18 जुलाई, 2025 को ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। लैंड फॉर जॉब मामले में 7 अक्टूबर, 2022 को सीबीआई ने लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और मीसा भारती समेत 16 आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। ट्रायल कोर्ट ने 25 फरवरी, 2025 को सीबीआई की ओर से दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लिया था।

दिल्ली के उप राज्यपाल ने कालिंदी कुंज घाट का किया दौरा

लोकतंत्र की शानः नई दिल्ली। दिल्ली के उप राज्यपाल तरणजीत सिंह संधू ने संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गुरुवार को कालिंदी कुंज घाट का दौरा किया। उप राज्यपाल ने एक्स पर लिखा, "इस दौरे का मुख्य उद्देश्य नदी के वर्तमान स्वरूप स्थिति का प्रत्यक्ष अवलोकन करना था। साथ ही, काम आने वाले और लंबे समय तक टिकने वाले उपायों की पहचान के लिए देश-विदेश के बड़े वैज्ञानिक संस्थानों के विशेषज्ञों को शामिल करने पर चर्चा हुई।"

तेलंगाना प्रजा जागृति के रजिस्ट्रेशन पर विचार करे निर्वाचन आयोग : हाई कोर्ट

लोकतंत्र की शानः नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया है कि बीआरएस की पूर्व नेता के. कविता को अपनी पार्टी तेलंगाना प्रजा जागृति के रजिस्ट्रेशन पर विचार करे। जस्टिस अमित बंसल की पीठ ने ये आदेश दिया। के. कविता की याचिका में कहा गया था कि जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 29ए के तहत 23 जनवरी को दिए गए उनके आवेदन पर तेजी से फैसला करने का निर्देश जारी किया जाए। निर्वाचन आयोग ने 23 फरवरी को उनके आवेदन में कुछ कमियां बतायी थीं, जिन्हें दूर कर दिया गया है। सुनवाई के दौरान निर्वाचन आयोग के वकील संजय वशिष्ठ ने कहा कि आयोग जितना जल्दी हो सके विचार करेगा।

दिल्ली आबकारी घोटाला मामले के सभी आरोपितों को जवाब देने के लिए मिला समय

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आबकारी घोटाला मामले में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत 23 आरोपितों को बरी करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश में जांच एजेंसी पर की गई टिप्पणियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दाखिल याचिका पर जवाब देने के लिए समय दे दिया है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की पीठ ने मामले की अगली सुनवाई दो अप्रैल को करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान आरोपितों के वकील ने जवाब दाखिल करने के लिए समय देने की मांग की। तब ईडी की ओर से एएसजी एसवी राजू ने कहा कि इस मामले में जवाब देने की कोई जरुरत नहीं है। तब कोर्ट ने आरोपितों के वकीलों से पूछा कि हम ये नहीं समझ पा रहे हैं कि आपने जवाब क्यों नहीं दाखिल किया। इस पर कुछ आरोपितों के वकीलों ने कहा कि उन्हें याचिका की प्रति नहीं मिली है। तब कोर्ट ने कहा कि अभी याचिका की प्रति उपलब्ध करायी जाए। कोर्ट ने 10 मार्च को ईडी की याचिका पर सुनवाई करते हुए केजरीवाल समेत सभी आरोपितों को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने कहा कि ऐसा लगता है कि जांच एजेंसी के खिलाफ सामान्य टिप्पणी की गई है। इसके पहले 9 मार्च को कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के मामले में ट्रायल कोर्ट की ओर से सीबीआई पर किए गए प्रतिकूल टिप्पणियों पर रोक लगा दिया है। उच्च न्यायालय ने ट्रायल कोर्ट को आदेश दिया है कि वो दिल्ली आबकारी घोटाला मामले से जुड़े मनी लाउंड्रिंग के मामले की आगे सुनवाई नहीं करें। इस आदेश के बाद ईडी ने भी दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर किया था। सुनवाई के दौरान 9 मार्च को सीबीआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि ये दिल्ली के इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला है। उन्होंने ट्रायल कोर्ट के आदेश को कानूनों के मुताबिक गलत बताते हुए इस पर रोक लगाने की मांग की थी। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 27 फरवरी को सभी आरोपितों को बरी करने का आदेश दिया था। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कहा था कि चार्जशीट में काफी विरोधाभास हैं। कोर्ट ने कहा कि हजारों पेजों के चार्जशीट में जो तथ्य पेश किए गए हैं वे गवाहों के बयानों से मेल नहीं खाते। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कहा था कि इस मामले में मनीष सिसोदिया करीब 530 दिन जेल में रहे। अरविंद केजरीवाल दो बार के अंतराल में 156 दिन जेल में रहे। अरविंद केजरीवाल 13 सितंबर, 2024 को तब रिहा हुए जब उच्चतम न्यायालयने सीबीआई के मामले में जमानत दी। ईडी ने 21 मार्च, 2024 को अरविंद केजरीवाल को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। 10 मई, 2024 को उच्चतमन्यायालयने केजरीवाल को एक जून, 2024 तक की अंतरिम जमानत दी थी जिसके बाद केजरीवाल ने 2 जून, 2024 को सरेंडर किया था। केजरीवाल को 26 जून, 2024 को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। ईडी ने 10 मई, 2024 को छठी पूरक चार्जशीट दाखिल किया था जिसमें बीआरएस नेता के कविता, चनप्रीत सिंह, दामोदर शर्मा, प्रिंस कुमार, अरविंद सिंह को आरोपी बनाया गया है। कोर्ट ने 29 मई को छठे पूरक चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। उच्चतमन्यायालयने 27 अगस्त को के. कविता को सीबीआई और ईडी के मामले में जमानत दी थी। उच्चतमन्यायालयने 13 सितंबर, 2024 को केजरीवाल को सीबीआई के मामले में नियमित जमानत दी थी। उसके पहले उच्चतमन्यायालयने 12 जुलाई, 2024 को ईडी के मामले में केजरीवाल को अंतरिम जमानत दी थी।

सुप्रीम कोर्ट की नौ सदस्यीय संविधान बेंच का 'उद्योग' शब्द की परिभाषा पर फैसला सुरक्षित

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय संविधान बेंच ने 'उद्योग' शब्द की परिभाषा से जुड़े 1978 के एक फैसले की कानूनी वैधता पर सुनवाई करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल (एजी) आर. वेंकटरमणी, एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) केएम नटराज, इंदिरा जय सिंह, शेखर नफड़े, सीयू सिंह, संजय हेगड़े आदि वकीलों ने दलीलें रखीं। ये सुनवाई 17 मार्च से शुरु होकर आज खत्म हुई। उच्चतम न्यायालय की सात सदस्यीय बेंच ने 1978 के फैसले में 'उद्योग' की परिभाषा का विस्तार किया था, जिससे लाखों कर्मचारियों को औद्योगिक विवाद अधिनियम के तहत सुरक्षा मिली हुई थी। 1978 में सात जजों की बेंच ने फैसला दिया था, जिसमें बेंगलुरु जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड के मामले में उद्योग शब्द की व्यापक व्याख्या की गई थी। चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के दौरान ये साफ कर दिया कि उसका मुख्य उद्देश्य 1978 के फैसले की कानूनी वैधता की पड़ताल करनी है। कोर्ट ने साफ किया कि वह औद्योगिक विवाद अधिनियम या 2020 के औद्योगिक संबंध संहिता में उद्योग की परिभाषा पर विचार नहीं करेगी, क्योंकि ये कानून या तो लागू नहीं हुए हैं या भविष्य में कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। नौ सदस्यीय संविधान पीठ में चीफ जस्टिस के अलावा जस्टिस बीवी नागरत्ना, जस्टिस उज्जवल भूइयां, जस्टिस दीपांकर दत्ता, जस्टिस जॉयमाल्या बागची, जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा, जस्टिस वीएम पंचोली, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे हैं।

नई दिल्ली में राजस्थान उत्सवः खेल उमंग और संस्कृति की जीवंत झलक

- पारंपरिक खेलों में दिखा उत्साह
- सांस्कृतिक संध्या ने मोहा मन

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी स्थित बीकानेर हाउस प्रांगण में आयोजित राजस्थान उत्सव इन दिनों पूरे उत्साह और रंगों के साथ लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। बीकानेर हाउस का परिसर राजस्थान की सतरंगी संस्कृति, परंपरा और लोकजीवन का सजीव आईना बन गया है, जहां हर कोने में रंग, रौनक और उमंग का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। उत्सव के तहत आयोजित विविध प्रतियोगिताओं और गतिविधियों ने माहौल को और भी जीवंत बना दिया। लेमन स्पून रेस, वन लेग्ड रेस, मेहंदी प्रतियोगिता और पेंटिंग जैसी मनोरंजक गतिविधियों में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे पूरे प्रांगण में खुशी और सहभागिता का वातावरण बना रहा।

पारंपरिक खेलों में दिखा उत्साह-पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। लेमन स्पून रेस में पुरुष वर्ग में श्री सूरज एवं महिला वर्ग में श्रीमती अबिता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वन लेग्ड रेस में पुरुष वर्ग में श्री अभिनव प्रथम तथा श्री सुनील द्वितीय रहे, जबकि महिला वर्ग में सुश्री स्नेहा ने बाजी मारी। इसके अतिरिक्त मेहंदी प्रतियोगिता तथा "विकसित राजस्थान 2047" और "म्हारो राजस्थान" थीम पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी हुआ। मेहंदी प्रतियोगिता में श्रीमती सिमरन कौर प्रथम और सुश्री वंशिका द्वितीय स्थान पर रहीं, वहीं पेंटिंग प्रतियोगिता में सुश्री कनिका कश्यप ने प्रथम स्थान हासिल किया। सभी विजेताओं को प्रांगण में सम्मानित किया गया, जिससे प्रतिभागियों का उत्साह और भी बढ़ा।

सांस्कृतिक संध्या ने मोहा मन-सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ मुख्य अतिथि, शासन सचिव पंचायती राज (प्रारंभिक शिक्षा) विभाग, राजस्थान, श्री कृष्ण कुणाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। बीकानेर हाउस के सांस्कृतिक मंच पर प्रस्तुत कार्यक्रमों में भुंगर खान मंगनियार और मोनू सपेरा की "विरासत-ए-थार" प्रस्तुति ने मधुर लोकधुनों और आकर्षक नृत्य के माध्यम से पूरे वातावरण को राजस्थानी रंग में रंग दिया और पूरा प्रांगण मंत्रमुग्ध हो गया। इस अवसर पर अतिरिक्त आवासीय आयुक्त श्रीमती अंजू ओमप्रकाश सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में आगंतुक उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लगाई जा रही पाबंदियों पर बोली कांग्रेस- असहमति को दबा रही है मोदी सरकार

लोकतंत्र की शान, संवाददाता जीशान अली

नई दिल्लीः कांग्रेस ने सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर जनता के मुद्दे उठाने वाले विभिन्न अकाउंट्स को ब्लॉक करने, उनका कंटेंट हटाने और क्रिएटर्स पर कार्रवाई को अभिव्यक्ति की आजादी पर गंभीर हमला बताया है। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की चेयरपर्सन सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि सोशल मीडिया पर मोदी सरकार की आलोचना और जन मुद्दों को उठाने वाली आवाज़ों को व्यवस्थित तरीके से दबाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आज सुबह एक्स (ट्विटर) पर कई ऐसे अकाउंट्स को भारत में ब्लॉक कर दिया गया, जो सरकार की विफलताओं को उजागर करते थे और आम लोगों के मुद्दे उठाते थे। '4 पीएम चैनल' के दोबारा सस्पेंड होने का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि इसी तरह कई यूट्यूब चैनल्स सस्पेंड किए गए हैं। इंस्टाग्राम अकाउंट्स और रील्स भी निशाने पर लिए जा रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि कारवां मैगजीन को मोदी की तस्वीर के साथ 'हीरो ऑफ़ हेटरेड' के कैप्शन वाली कवर फ़ोटो पोस्ट करने पर उसे डिलीट करने का आदेश आया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के आईटी और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के जरिए यह कार्रवाई की जा रही है। सरकारी अधिकारी तय कर रहे हैं कि क्या कंटेंट चलेगा और क्या नहीं। श्रीनेत ने बताया कि उन्हें स्वयं 11 ऐसे ईमेल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से आ चुके हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि मोदी सरकार आर्थिक, कूटनीतिक, राजनीतिक और सामाजिक समेत हर मोर्चे पर विफल साबित हो चुकी है। मोदी सरकार के नामी लोगों का नाम एपस्टीन फाइल में है और हर मोर्चे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उनकी सरकार की काली करतूतों का पर्दाफाश हो रहा है। ऐसे में विपक्ष के साथ ही देश की आम जनता मोदी सरकार से सवाल पूछ रही है। सरकार ने मुख्यधारा की मीडिया को अपने अधीन ले लिया है। आम लोगों के लिए सवाल पूछने का साधन सोशल मीडिया बन गया है। ऐसे में सरकार चाहती है कि जो सवाल मुख्यधारा की मीडिया नहीं उठा रही है, वह सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स भी न उठाएं।

महापौर ने शकूरपुर में 'आरोग्य मंदिर' का किया शिलान्यास

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने नागरिकों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए गुरुवार को शकूरपुर क्षेत्र में 'आरोग्य मंदिर' का शिलान्यास किया। इस अवसर पर कॉरपोरेट मामलों और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि दिल्ली सरकार और नगर निगम जनहित के लिए निरंतर कार्य कर रही है। 'आरोग्य मंदिर' जैसी पहलें इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं, जिससे लोगों को उनके क्षेत्र में ही सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। उन्होंने कहा कि, दिल्ली नगर निगम का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है। आरोग्य मंदिर के निर्माण से स्थानीय स्तर पर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत होंगी और नागरिकों को छोटे-छोटे उपचार के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माण कार्य को समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए, ताकि नागरिकों को शीघ्र लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि नगर निगम नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं शहरी स्वास्थ्य तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसी कड़ी में आरोग्य मंदिर जैसी पहलें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने सबसे पहले हिंदू नव वर्ष के अवसर पर दिल्ली के लोगों और पूरे देश को बधाई के साथ ही चैत्र नवरात्रि की भी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस शुभ दिन पर दिल्ली सरकार के नेतृत्व में एक परियोजना शुरू हो गई है जिसकी योजना सरकार बने के समय बनाई गई थी।कार्यक्रम के दौरान अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने निगम द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की सराहना की और कहा कि इस प्रकार की योजनाएं आम नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में सहायक होती हैं।इस अवसर पर विधायक अभय वर्मा, शाहदरा साउथ जोन के अध्यक्ष, पार्षद राम किशोर शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ निगम अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने आगामी बजट को लेकर किसानों, ग्रामीणों और गिग वर्कर्स से किया संवाद

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को दिल्ली सरकार के आगामी बजट को लेकर दिल्ली सचिवालय में किसानों, ग्रामीणों और गिग वर्कर्स के साथ अलग-अलग बैठकें करके संवाद किया। इन बैठकों में सभी वर्गों के प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव साझा किए और अपनी समस्याएं, सुझाव एवं अपेक्षाएं मुख्यमंत्री के सामने रखीं। मुख्यमंत्री ने सभी प्रतिभागियों से सीधे बातचीत कर उनकी बातों को ध्यान से सुना और भरोसा दिलाया कि उनके सुझावों को आगामी बजट में प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य ऐसा बजट बनाना है, जो हर वर्ग की जरूरतों और उम्मीदों को पूरा करे। जनभागीदारी ही विकसित दिल्ली की सबसे बड़ी ताकत है। इस अवसर पर दिल्ली के श्रम मंत्री कपिल मिश्रा व दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड के चेयरमैन राजकुमार चौहान भी उपस्थित रहे।मुख्यमंत्री ने संवाद के दौरान कहा कि किसानों की समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से लेकर समाधान के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। बजट 2026 में किसानों व ग्रामीण विकास को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसानों की समृद्धि के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि सर्किल रेट पर पिछले छह महीनों से अध्ययन चल रहा है और जल्द निर्णय लिया जाएगा, जबकि मास्टर प्लान पर भी काम जारी है। उन्होंने बताया कि करीब एक साल में सरकार ने समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास किए हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाएं सुधारने के लिए बड़े स्तर पर काम शुरू किया गया है, जिसके लिए बजट भी बढ़ाया गया है। ट्रैक्टर लोन, किसान क्रेडिट कार्ड और चकबंदी जैसे मुद्दों पर काम जारी है, साथ ही केंद्र की योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू किया जा रहा है। गांवों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़कर शहरी-ग्रामीण अंतर कम करने, हर नागरिक तक सुविधाएं पहुंचाने और लंबित परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने पर जोर है।उन्होंने कहा कि सरकार लगातार सभी वर्गों से संवाद कर रही है और उनके सुझावों के आधार पर संतुलित, समावेशी और विकासोन्मुख बजट तैयार किया जाएगा, जिसकी झलक बजट 2026 में साफ दिखाई देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बदलती अर्थव्यवस्था में गिग वर्कर्स एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और उनके अधिकारों एवं सुरक्षा को सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गिग वर्कर्स की जो भी समस्याएं हैं, सरकार उन पर ध्यान देगी। मुख्यमंत्री के अनुसार गिग वर्कर्स अब एक जरूरत बन गए हैं, इसलिए उन्हें भी पर्याप्त सुविधाएं मिलनी चाहिए।दिल्ली के श्रम और विकास मंत्री कपिल मिश्रा ने बताया कि 'विकसित दिल्ली' के लक्ष्य के तहत दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड और ग्रामोदय अभियान के जरिए 13 जिलों के 366 गांवों में विकास कार्य हो रहे हैं, जिससे उनकी तस्वीर बदल रही है। ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 2000 करोड़ रुपये के विकास कार्य भी किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पहली बार श्रमिकों और गिग वर्कर्स के हितों की रक्षा के लिए गंभीर प्रयास हो रहे हैं। दिल्ली में न्यूनतम मजदूरी सबसे ज्यादा है और श्रम कानूनों को सरल बनाकर चार नए कानून लाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ईवी को बढ़ावा मिलने से होम डिलीवरी की लागत घटी है और मुनाफा बढ़ने से रोजगार के अवसर बढ़े हैं। साथ ही गिग वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा को कंपनियों के साथ मिलकर और मजबूत किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

विधायक ने किया कृषि प्रदर्शनी (नुमाइश) का फीता काटकर उद्घाटन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः गुरुवार को नगर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कृषि प्रदर्शनी बाल विकास मेला (नुमाइश) का विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी ने फीता काटकर शुभारंभ किया, बताते चले कि नगर में हर वर्ष कृषि प्रदर्शनी बाल विकास मेला नुमाइश का आयोजन किया जाता है जो इस वर्ष भी आयोजित किया जा रहा है जिसका आज विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी ने विधिवत रूप से फीता काट कर शुभारंभ कर दिया, इस मौके पर विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी ने मेले में लगे स्टालों पर जाकर खरीदारी भी की, इस संबंध में मेला आयोजक राकेश अग्रवाल ने बताया कि मेले में बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले एवं खेल खिलौने की दुकानें तथा महिलाओं के लिए सौंदर्य प्रसाधन की दुकान एवं खान-पान के स्टॉल लगाए गए हैं वहीं उन्होंने बताया कि मेला लगभग एक माह तक चलेगा साथ ही उन्होंने बताया कि नुमाइश में दर्जनों सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं तथा पर्याप्त पुलिस बल एवं बाउंसर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में अपना सहयोग कर रहे हैं, मेला आयोजक अंसार अहमद में लोगों से अधिक से अधिक मेले में पहुंचने की अपील की, वहीं उन्होंने बताया कि मेले में इस बार जलपरी का शो मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगा मेले में बच्चों की ट्रेन ड्रैगन नव हिंडोल मिनी सर्कस आदि मेले की शान बढ़ा रहे हैं इस मौके पर मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष राजू राणा, मयंक अग्रवाल, शिखर अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, मुदित गुर्जर, निखिल खड़कवंशी, वेद प्रकाश अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, कपिल शर्मा, डॉक्टर अनुज अग्रवाल, विवेक शर्मा, निक्कू अग्रवाल, हिमांशु अग्रवाल, जयपाल सैनी एवं मेला आयोजक राकेश अग्रवाल, अंसार अहमद, इस्तखार अहमद आदि मौजूद रहे।

माहे मुकद्दस रमजान में इबादत करने वालों का हुआ सम्मान, वाजिद मकरानी बने मिसाल

इमाम व हाफिजों को हदिया देकर बढ़ाया हौसला, क्षेत्र में चर्चा

लोकतंत्र की शान : खिज़र अहमद , नजीबाबाद। मंडावली निवासी वाजिद मकरानी, जो जिला पंचायत सदस्य पद के प्रत्याशी भी हैं, द्वारा धार्मिक और सामाजिक एकता का अनूठा उदाहरण पेश किया गया। उन्होंने खत्म शरीफ के पवित्र अवसर पर क्षेत्र की मस्जिदों के इमामों व हाफिजों को सम्मानित किया। जानकारी के अनुसार, मंडावली व नांगल क्षेत्र के ग्राम सैदपुरी, शहजादपुर और नांगल सोती सहित कई गांवों में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान कलाम-ए-पाक मुकम्मल होने पर इमाम व हाफिजों को सम्मानित किया गया। इस दौरान उन्हें हदिया देकर सम्मान प्रकट किया गया और दुआओं से नवाजा गया। रमजान के मुकद्दस महीने में तरावीह के दौरान कुरआन पाक सुनने और सुनाने वाले इमामों व मौअज्जिनों की मेहनत को सराहते हुए वाजिद मकरानी ने उनकी ताजपोशी की। इस पहल से क्षेत्र में खुशी का माहौल है और लोग इस कार्य की जमकर सराहना कर रहे हैं। बताया गया कि अब तक करीब 12 गांवों की 25 मस्जिदों के इमाम व हाफिजों को सम्मानित किया जा चुका है। वाजिद मकरानी ने कहा कि यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा और अन्य गांवों में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर सम्मान दिया जाएगा। इस अवसर पर स्थानीय लोग भी मौजूद रहे और उन्होंने इस पहल को समाज में भाईचारा और सौहार्द बढ़ाने वाला कदम बताया।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई परिषद ने SDM को ज्ञापन सौंपा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः गुरुवार को गैस सिलेंडर की किल्लत को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकर एवं आरटीआई परिषद के पदाधिकारियों ने उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा,उन्होंने बताया कि इससे पहले 16 मार्च 2026 को भी इस संबंध में ज्ञापन दिया गया था, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हो सका है। परिषद के सदस्यों ने आरोप लगाया कि जहां एक ओर शासन व प्रशासन द्वारा गैस की कोई कमी न होने के दावे किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर आम जनता को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जनप्रतिनिधि इस मुद्दे पर कोई स्पष्ट बयान देने से बच रहे हैं।परिषद ने चेतावनी दी है, कि यदि 23 मार्च 2026 तक गैस की समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे इस मामले को माननीय मुख्यमंत्री तक पहुंचाएंगे।इस दौरान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनदयाल यादव एडवोकेट, टेकचंद सिंह एडवोकेट राष्ट्रीय प्रवक्ता, नन्हे सिंह सैनी एडवोकेट प्रदेश संगठन मंत्री, अनुपम त्यागी प्रदेश प्रभारी, मनोज गोयल प्रदेश सचिव, कविता सैनी प्रदेश सचिव महिला प्रकोष्ठ, जिला अध्यक्ष नीरज कुमार शर्मा, जावेद चौधरी जिला मीडिया प्रभारी, राधा अग्रवाल नगर अध्यक्ष हसनपुर, विजय पारछा जिला अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा, मोहित त्यागी जिला सचिव, नीटू नागर जिला उपाध्यक्ष, सरफराज एडवोकेट तहसील अध्यक्ष, जाकिर हुसैन एड तहसील सचिव, आकाश ब्लॉक अध्यक्ष, प्रवीण कुमार अग्रवाल राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी आदि उपस्थित रहे।

नई सोच, नई दिशा, आंबेडकर जयंती 2026 को लेकर बड़ी योजना तैयार

लोकतंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः विचारों से परिवर्तन आता है, और परिवर्तन से समाज का पुनर्जन्म होता है।" — इसी भाव के साथ डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रेरणा से डॉ. भीमराव आंबेडकर जन्मोत्सव समिति 2026 की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें इस वर्ष मनाई जाने वाली आंबेडकर जयंती के लिए विस्तृत रूपरेखा और योजनाओं पर गहन चर्चा हुई। डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती को इस वर्ष एक नए और ऐतिहासिक स्वरूप में मनाने के उद्देश्य से डॉ. भीमराव आंबेडकर जन्मोत्सव समिति 2026 की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों और युवाओं ने भाग लिया, जहाँ आंबेडकर जयंती के आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा और योजनाओं का खाका तैयार किया गया। आपको बता दें कि वर्तमान समिति को लगातार दूसरे वर्ष आंबेडकर जयंती के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। समिति अध्यक्ष चंचल सागर ने इसे विश्वास और जिम्मेदारी का प्रतीक बताते हुए कहा कि इस बार का आयोजन पहले से अधिक प्रभावशाली और ऐतिहासिक बनाया जाएगा, ताकि यह आने वाले वर्षों के लिए एक नया मानक स्थापित कर सके। समिति ने स्पष्ट किया कि वर्ष 2026 की आंबेडकर जयंती को केवल एक परंपरागत कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए, इसे सामाजिक जागरूकता, शिक्षा और समानता के एक व्यापक आंदोलन के रूप में विकसित किया जाएगा। इस बार का आयोजन वैचारिक गहराई, सामाजिक भागीदारी और आधुनिक दृष्टिकोण के साथ किया जाएगा। वहीं अंबेडकर विकास मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह आर्य ने अपने विचार रखते हुए कहा, "आंबेडकर जयंती केवल स्मरण का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन का समय है। हमें उनके विचारों को व्यवहार में उतारना होगा, तभी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।" समिति के कार्यकारिणी अध्यक्ष ललित सिंह ने इस अवसर पर कहा, "हमारा उद्देश्य है कि हर वर्ग तक अम्बेडकर जी के विचार पहुंचे। इस बार का आयोजन समावेशिता और समानता का प्रतीक बनेगा, जो समाज में एक नई दिशा प्रदान करेगा।" बैठक में यह भी तय किया गया कि जयंती के अवसर पर विभिन्न सामाजिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें युवाओं और महिलाओं की विशेष भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही डिजिटल माध्यमों के जरिए भी व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। समिति के सदस्यों का मानना है कि इस वर्ष की आंबेडकर जयंती न केवल भव्य होगी, बल्कि विचारों के स्तर पर भी एक नई चेतना का संचार करेगी। यह आयोजन डॉ. भीमराव आंबेडकर के उस सपने को साकार करने की दिशा में एक सशक्त कदम होगा, जिसमें एक समान, न्यायपूर्ण और जागरूक समाज की कल्पना की गई थी। "जब विचार जीवित रहते हैं, तब समाज कभी मृत नहीं होता।" — इसी विश्वास के साथ इस वर्ष की आंबेडकर जयंती को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी अपने चरम पर है।

राष्ट्रपति ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में की श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना

राष्ट्रपति, राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने किए रामलला के दर्शन, चरणों में झुकाया शीश

लोकतंत्र की शान

अयोध्या/लखनऊ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस पर गुरुवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना की। राष्ट्रपति ने नव संवत्सर पर रामलला के चरणों में शीश झुकाकर व आरती उतारकर श्रद्धा निवेदित की। इस दौरान राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी राष्ट्रपति के साथ रामलला की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति, राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में सभी देवों के समक्ष शीश झुकाया। राष्ट्रपति ने श्रीराम मंदिर परिसर का भ्रमण कर यहां की दीवारों पर उकेरी गईं आकृतियों का भी अवलोकन किया। राष्ट्रपति ने पूज्य संतों की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के द्वितीय तल पर श्रीरामयंत्र की विधिवत प्रतिष्ठापना की। श्रीराम यंत्र दो वर्ष पूर्व जगद्गुरु शंकराचार्य विजयेंद्र सरस्वती महाराज द्वारा शोभायात्रा के माध्यम से अयोध्या भेजा गया था। वैदिक गणित और ज्यामितीय आकृतियों पर आधारित यह यंत्र देवताओं का निवास माना जाता है, जो सकारात्मक ऊर्जा आकर्षित करने की क्षमता रखता है। दक्षिण भारत, काशी, अयोध्या के आचार्यों द्वारा मंदिर में श्रीराम यंत्र के लिए नौ दिवसीय वैदिक अनुष्ठान पहले से ही शुरू हो चुका था। यंत्र प्रतिष्ठापना के समय राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मां अमृतानंदमयी, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि, ट्रस्टी अनिल मिश्रा, सदस्य गोपाल जी आदि मौजूद रहे।

सीतापुरः 5 दिन से लापता युवक का नहर में मिला शव, हत्या की आशंका से भड़के ग्रामीण, सड़क जाम कर किया प्रदर्शन

लोकतंत्र की शान

सीतापुर/सिधौलीः सीतापुर जनपद के रामपुर कला क्षेत्र से पिछले पांच दिनों से लापता 18 वर्षीय युवक का शव बाराबंकी जिले की शारदा नहर में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। शव मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए सड़क पर शव रखकर जोरदार प्रदर्शन किया।

घटना का विवरण- जानकारी के अनुसार, रामपुर कला थाना क्षेत्र के रहिका घैला गांव निवासी झब्बू लाल का 18 वर्षीय पुत्र बबलू बीते 14 मार्च को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया था। परिजनों ने बताया कि वह अपने बहनोई के घर जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन वहां नहीं पहुँचा। काफी तलाश के बाद जब उसका कोई सुराग नहीं मिला और मोबाइल भी स्विच ऑफ आया, तो परिजनों ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई।

शारदा नहर में मिला शव- मंगलवार को बाराबंकी जनपद के बड़ूपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत शारदा नहर में एक अज्ञात युवक का शव उतराता हुआ मिला। सूचना पर पहुँचे परिजनों ने उसकी शिनाख्त बबलू के रूप में की। बबलू का शव मिलते ही परिजनों ने उसकी हत्या किए जाने की आशंका जताई है।

सड़क जाम और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी-* बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही बबलू का शव गांव पहुँचा, ग्रामीण उग्र हो गए। सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। परिजनों का स्पष्ट कहना था कि: "जब तक आरोपियों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी नहीं की जाती, तब तक शव का अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा।"

अधिकारियों का आश्वासन- मामला बिगड़ता देख गुरुवार को सिधौली क्षेत्राधिकारी (CO) कपूर कुमार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे। उन्होंने प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाने का प्रयास किया और आश्वासन दिया कि तहरीर के आधार पर दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी और उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। काफी मशक्कत के बाद अधिकारियों के आश्वासन पर लोग शांत हुए, हालांकि क्षेत्र में अभी भी तनाव का माहौल बना हुआ है।

दिल्ली पालम अग्निकांडः शोक जताने पहुंचे यूपी के मंत्री नरेंद्र कश्यप, बोले-दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से करेंगे बात

» पीड़ितों को हरसंभव सहायता दिलाई जाएगी

लोकतंत्र की शान

दिल्लीः राजधानी दिल्ली के पालम क्षेत्र में हुए भीषण अग्निकांड ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। इस दर्दनाक हादसे में नौ लोगों की मौत के बाद चारों ओर शोक और आक्रोश का माहौल है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप गुरुवार को घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मिलकर गहरी संवेदना व्यक्त की। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों, प्रत्यक्षदर्शियों और प्रशासनिक अधिकारियों से विस्तृत बातचीत कर घटना की पूरी जानकारी ली। उन्होंने हादसे के कारणों, राहत एवं बचाव कार्यों की स्थिति और घायलों के इलाज की व्यवस्था को लेकर भी अधिकारियों से सवाल किए।

पीड़ित परिवारों से मिलकर बंधाया ढांढस-मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार नरेंद्र कश्यप ने अग्निकांड में जान गंवाने वाले परिवारों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें इस दुख की घड़ी में ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि किसी अपने को खोने का दर्द शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता, लेकिन सरकार इस कठिन समय में पीड़ित परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए अस्पतालों में बेहतर इलाज सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

मुख्यमंत्रियों से करेंगे बात, मदद के लिए लिखेंगे पत्र-उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र भारत राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने स्पष्ट रूप से कहा कि इस गंभीर मामले को लेकर वे दिल्ली की मुख्यमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बात करेंगे। साथ ही, वे दोनों राज्यों के स्तर पर पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता, पुनर्वास और अन्य जरूरी मदद दिलाने के लिए औपचारिक पत्र भी लिखेंगे। उन्होंने कहा कि यदि मृतकों या पीड़ितों का संबंध उत्तर प्रदेश से है, तो उनके परिवारों को राज्य सरकार की योजनाओं के तहत हरसंभव सहायता दिलाई जाएगी।

जांच और जिम्मेदारी तय करने की मांग-मंत्री ने इस हादसे को बेहद गंभीर बताते हुए कहा कि इसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए, ताकि आग लगने के वास्तविक कारणों का पता चल सके। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि यदि किसी प्रकार की लापरवाही सामने आती है, तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

कश्यप समाज को दिया आश्वासन-बताया जा रहा है कि इस हादसे में राजेंद्र कश्यप और उनके परिवार के कई सदस्यों की मौत हुई है, जिससे कश्यप समाज में भी गहरा दुख व्याप्त है। मंत्री कश्यप ने समाज के लोगों से भी बातचीत की और उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार इस मामले में संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है और हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

ईद और नवरात्रि को लेकर नगर पालिका सतर्कः ईदगाह, मस्जिदों और मंदिरों में चला विशेष सफाई अभियान

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभलः नगर में आने वाली ईद के मद्देनज़र तैयारियां जोरों पर हैं। इसी क्रम में एआईएमआईएम चेयरमैन के पति चौधरी मुशीर अली खान नगर पालिका स्टाफ के साथ ईदगाह का जायजा लेने पहुंचे। उन्होंने ईदगाह और शहर की विभिन्न मस्जिदों में साफ-सफाई का विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए, ताकि नमाजियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसी के साथ नगर में चल रहे हिंदू समाज के पावन पर्व नवरात्रि को ध्यान में रखते हुए मंदिरों और देवी पंडालों में भी साफ-सफाई का कार्य कराया जा रहा है। नगर पालिका की टीम दोनों समुदायों के धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में जुटी हुई है। निरीक्षण के दौरान चौधरी मुशीर अली खान ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी प्रमुख स्थलों के आसपास कूड़ा उठान, पानी की निकासी और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि सभी लोग अपने-अपने त्योहार स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण में मना सकें। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों के त्योहार आपसी भाईचारे और एकता का प्रतीक होते हैं, इसलिए साफ-सफाई और व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। साथ ही नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे स्वच्छता बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

राष्ट्र सेवी संगठन की गोष्ठी में हिंदू नव वर्ष पर नशा मुक्ति, राष्ट्र सेवा का लिया गया संकल्प

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः गुरुवार को हसनपुर क्षेत्र के ग्राम शकरौली में शिवमन्दिर परिसर में राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकर्ताओं की गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर धूमधाम से सनातन नव वर्ष,वर्ष प्रतिपदा कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर धर्म स्थलों से जुड़ने,राष्ट्र सेवा और नशा मुक्ति का भी संकल्प लिया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों और भारी संख्या में ग्रामीणों ने शिरकत की। समारोह का मुख्य उद्देश्य समाज में जातिवाद दूर करके भाईचारे को बढ़ावा देना और भारतीय संस्कृति के मूल मूल्यों को पुनर्जीवित करते हुए सूने पड़े धर्म स्थलों पर नियमित पूजा साधना उपासना शुरू करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने अपने संबोधन में सर्व प्रथम उपस्थित क्षेत्र वासियों को सनातन नव वर्ष, वर्ष प्रतिपदा,नवसंवत्सर 2083 की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन केवल कलेंडर बदलने का दिन नहीं है बल्कि यह प्रकृति के नए सृजन का उत्सव है इस समय मौसम सुहाना होता है पेड़ो पर नई पत्तियां आती हैं । यह अवसर हमें नागरिक कर्तव्यों, राष्ट्र की एकता और जातिवाद आदि भेदभावों को दूर करके अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर उपस्थित शांतिकुंज हरिद्वार के परिवराजक सतीश कुमार त्यागी ने उपस्थित युवाओं और ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में बिना साधना उपासना अपनाए जीवन में शान्ति संभव नहीं है । उन्होंने समाज से अपील की कि वे नशे जैसी कुरीतियों को त्यागकर स्वस्थ और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में योगदान दें।कार्यक्रम की अध्यक्षता समरपाल सिंह एवं संचालन हरिराज सिंह ने किया। इस अवसर पर मोनू अग्रवाल,मुकेश सिंह, हरचरन सिंह , नेपाल,रामकुंवर, कुंवर पाल, फूल सिंह, सचिन, अंकुर, महेश खड़गवंशी, अजय पाल सिंह आदि मौजूद रहे।

सीतापुरः पूर्व प्रधान की संदिग्ध मौत का खुलासा, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुई आत्महत्या की पुष्टि

लोकतंत्र की शान

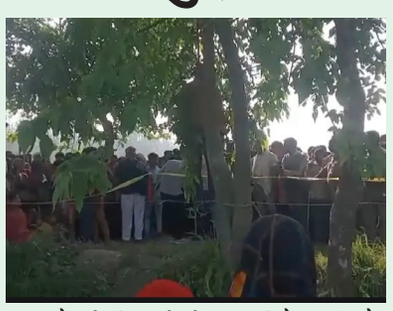

सीतापुर। जनपद के सकरण थाना क्षेत्र में एक हिस्ट्रीशीटर और पूर्व प्रधान की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में नया मोड़ आया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डॉक्टरों ने मौत का कारण आत्महत्या बताया है, जिससे हत्या की आशंकाओं पर फिलहाल विराम लगता नजर आ रहा है।

क्या है पूरा मामला? मृतक की पहचान रामजीवन उर्फ बुचऊ (पुत्र राम प्रसाद) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, सोमवार को रामजीवन अपनी बाइक लेकर घर से यह कहकर निकले थे कि उन्हें कोर्ट में पेशी पर जाना है। हालांकि, वह न तो पेशी पर पहुंचे और न ही देर शाम तक घर वापस लौटे। काफी खोजबीन के बाद भी उनका कुछ पता नहीं चला। मंगलवार की सुबह गांव से लगभग 200 मीटर की दूरी पर एक खेत में पेड़ से लटका हुआ उनका शव बरामद हुआ। शव मिलने की खबर फैलते ही इलाके में सनसनी फैल गई और भारी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए।

परिजनों ने लगाया था हत्या का आरोप-शुरुआत में रामजीवन के परिजनों ने इसे हत्या का मामला बताया था। उनका आरोप था कि किसी ने उनकी हत्या कर शव को पेड़ से लटकाया है। परिजनों ने पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए हंगामा भी किया था। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा- प्रभारी निरीक्षक हनुमंत तिवारी ने बताया कि डॉक्टरों की निगरानी में हुए पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आ गई है। रिपोर्ट में 'एंटी मार्टम हैंगिंग' (Anti-mortem hanging) की पुष्टि हुई है, जिसका अर्थ है कि मौत फांसी लगाने के कारण ही हुई है। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस इसे आत्महत्या मान रही है। "पोस्टमार्टम रिपोर्ट में आत्महत्या की पुष्टि हुई है। फिलहाल पुलिस पूरे घटनाक्रम की गहनता से जांच कर रही है और अन्य पहलुओं को भी ध्यान में रखा जा रहा है।" - हनुमंत तिवारी, प्रभारी निरीक्षक

पुलिस की आगे की कार्रवाई- फिलहाल पुलिस रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है। हालांकि मौत की वजह स्पष्ट हो गई है, लेकिन पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि किन परिस्थितियों में पूर्व प्रधान ने ऐसा कदम उठाया। घटना के बाद से मृतक के परिवार में मातम पसरा हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

10 अवैध शराब भट्टियां ध्वस्त, ड्रोन से मॉनिटरिंग कर 36 हजार लीटर अवैध शराब नष्ट

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के राघोपुर प्रखंड में पुलिस और उत्पाद विभाग की संयुक्त टीम ने गुरुवार को अवैध शराब के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया। आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुए ड्रोन कैमरे की मदद से निगरानी कर गंगा नदी के किनारे चल रहे अवैध कारोबार पर सटीक प्रहार किया गया। पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान में रुस्तमपुर थाना की पुलिस और हाजीपुर एक्साइज टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी की। लंबे समय से सुकुमारपुर क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण की सूचनाएं मिल रही थीं, लेकिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण कार्रवाई में बाधा आ रही थी। इस बार ड्रोन सर्विलांस तकनीक का उपयोग कर वहां छिपे हुए ठिकानों की सटीक पहचान की गई और एक साथ कई स्थानों पर दबिश दी गई। थाना अध्यक्ष अभिषेक कुमार के नेतृत्व में चले इस अभियान में पुलिस टीम ने मौके पर कुल 10 अवैध शराब भट्टियों को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान करीब 36 हजार 400 लीटर अवैध शराब बरामद कर मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। इसके अलावा शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाली भट्टियां, भारी मात्रा में कच्चा माल और अन्य उपकरण भी बरामद किए गए। पुलिस ने भविष्य में दोबारा इस धंधे को शुरू न किए जाने देने के लिए सभी सामग्री को आग के हवाले कर दिया। हालांकि, पुलिया टीम के पहुंचने से पहले ही कई शराब तस्कर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने उनकी पहचान कर ली है और उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तस्कर नेटवर्क को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया जाएगा। पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग ने सख्त लहजे में कहा कि जिले में शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा, "हमारा उद्देश्य राज्य सरकार द्वारा लागू शराबबंदी को सख्ती से लागू कराना है। अवैध कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ड्रोन जैसी तकनीक का इस्तेमाल कर इस अभियान को और प्रभावी बनाया जा रहा है।" स्थानीय ग्रामीणों ने इस कार्रवाई की सराहना की है।

अपमान का बदला लेने के लिए दोस्तों ने की हत्या वैशाली में 15 महीने बाद खुलासा, 2 गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने 15 महीने पुराने अपहरण और हत्या मामले का खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने अपहृत युवक विशाल के दो दोस्तों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने अपमान का बदला लेने के लिए विशाल का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी थी। यह मामला 17 जनवरी 2025 को सदर थाना क्षेत्र के चंद्रालय निवासी वीणा देवी द्वारा दर्ज कराया गया था। उन्होंने अपने बेटे विशाल के अपहरण का आरोप पड़ोसियों और विशाल के कुछ दोस्तों पर लगाया था। शुरुआती जांच में पुलिस ने विशाल के दोस्तों से पूछताछ की थी,लेकिन उन्होंने पुलिस को गुमराह किया। इसी बीच, 31 जनवरी 2025 को सराय थाना क्षेत्र में एक अज्ञात युवक का शव मिला था। उस समय इसे अज्ञात मानकर मामला बंद कर दिया गया था। अब पुलिस जांच में पता चला है कि वह अज्ञात शव विशाल का ही था, जिसे उसके दोस्तों ने हत्या के बाद ठिकाने लगा दिया था। सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार ने बताया कि एसपी विक्रम सिहाग के निर्देश पर विशाल अपहरण मामले को दोबारा खोला गया।नई सिरे से जांच करने पर यह सामने आया कि विशाल के दोस्त लक्की,अंशु पांडे समेत कुल सात दोस्तों ने मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया था। आरोपियों ने विशाल को जन्मदिन की पार्टी के बहाने बुलाया था। इसके बाद उसका अपहरण कर दोस्त वासिफ के घर ले गए। वहां मुख्य आरोपी लक्की ने गमछे से गला दबाकर विशाल की हत्या कर दी। हत्या के बाद अंशु, शुभम,अभिषेक और मोनू सहित अन्य दोस्तों ने मिलकर शव को सराय थाना क्षेत्र में फेंक दिया था। एसडीपीओ ने जानकारी दी कि इस मामले में अभी दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्य आरोपी लक्की समेत बाकी सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। एसडीपीओ के अनुसार,विशाल का लक्की से पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद हुआ था। इस दौरान विशाल ने लक्की को अपमानित किया था। इसी अपमान का बदला लेने के लिए सभी दोस्तों ने मिलकर यह साजिश रची थी।एसडीपीओ ने यह भी बताया कि मृतक विशाल का भी आपराधिक इतिहास था और उस पर कुछ मामले दर्ज थे।

अज्ञात युवक के शव की हुई पहचान, पटना का रहने वाला था मृतक, मेंटली बीमार था

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र के चेचर चौक के पास बुधवार की शाम एक युवक का शव संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिला था। जिसकी आज पहचान हुई है। पटना जिले के गांधी मैदान थाना क्षेत्र के सालिमपुर अहरा निवासी तरुण पासवान (उम्र अनुमानित 65 वर्ष) के रूप में हुई है। वह रामचंद्र पासवान के पुत्र थे और अपने दो भाइयों में सबसे छोटे थे। बताया जाता है कि बुधवार की शाम करीब 6 बजे स्थानीय लोगों ने चेचर चौक के समीप एक व्यक्ति को अचेत अवस्था में देखा। इसकी सूचना तुरंत बिदुपुर थाना पुलिस को दी गई। सूचना पाते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू करते हुए शव को अपने कब्जे में ले लिया। प्रारंभिक जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया गया। मृतक की शिनाख्त करीब 12 घंटे बाद गुरुवार की सुबह हो सकी। परिजनों के अनुसार, तरुण पासवान मानसिक रूप से बीमार थे और दिमागी संतुलन ठीक न होने के कारण वह अक्सर इधर-उधर भटकते रहते थे। मृतक के बड़े भाई वरुण पासवान ने बताया कि उनके भाई की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और जब से उसका दिमागी संतुलन बिगड़ा, तभी से उसकी पत्नी और बेटा उसे छोड़कर अलग रहने लगे थे। वहीं, मृतक की भतीजी ने घटना के संबंध में बताया, "तरुण चाचा रविवार के दिन घर से यह कहकर निकले थे कि वे अपने ननिहाल राघोपुर जा रहे हैं। इसके बाद वापस नहीं लौटे। बुधवार की रात बिदुपुर थाने की पुलिस ने फोन करके बताया कि उनकी मौत हो गई है। उसके बाद हम लोग गुरुवार की सुबह हाजीपुर सदर अस्पताल पहुंचे और शव की पहचान की।" पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और मौत के सही कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

सहरसा में एलपीजी आपूर्ति पर प्रशासन सख्त, कालाबाजारी पर होगी कड़ी कार्रवाई

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: मुख्य सचिव, बिहार सरकार के निर्देशों के आलोक में सहरसा जिला प्रशासन द्वारा जिले में रसोई गैस (LPG) की निर्बाध आपूर्ति एवं पारदर्शी वितरण सुनिश्चित करने के लिए व्यापक कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी द्वारा 18 मार्च 2026 को सभी गैस वितरकों एवं ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (IOCL, HPCL, BPCL) के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जिले में गैस की कोई कमी नहीं है और वर्तमान व्यवस्था के अनुसार उपभोक्ताओं को औसतन चार दिनों के भीतर रिफिल सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में गैस एजेंसियों के गोदाम से सीधे सिलेंडर का वितरण नहीं किया जाएगा। सभी वितरकों को अनिवार्य रूप से होम डिलीवरी के माध्यम से उपभोक्ताओं तक सिलेंडर पहुंचाना होगा। जिलाधिकारी ने गैस एजेंसियों की सतत निगरानी एवं आवश्यकतानुसार छापेमारी की भी बात कही। इस कार्य में अनुमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता एवं जिला आपूर्ति पदाधिकारी को सक्रिय रूप से शामिल किया गया है। साथ ही सभी वरीय पदाधिकारियों को अपने-अपने प्रखंडों में उपस्थित रहकर गैस वितरण व्यवस्था की नियमित निगरानी करने का निर्देश दिया गया है।

वर्तमान स्थिति (कंपनीवार आंकड़े):

- इंडेन (Indane): जिले में कुल 12,287 रिफिल बुकिंग लंबित हैं, जिनके विरुद्ध प्रतिदिन लगभग 2,265 सिलेंडरों की डिलीवरी की जा रही है। लंबित बुकिंग को पूरा करने का औसत समय 5.42 दिन है। साथ ही आज 2,490 नए सिलेंडर प्राप्त हुए हैं।
- एचपी गैस (HP Gas): बीते दिन कुल 1,325 सिलेंडरों की बिक्री हुई है तथा वर्तमान में वितरकों के पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।
- भारत गैस (Bharatgas): कुल 3,058 बुकिंग लंबित हैं, जिनकी आपूर्ति प्राथमिकता के आधार पर की जा रही है। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों को आश्वस्त किया है कि जिले में गैस की कोई किल्लत नहीं है। कालाबाजारी रोकने और सुचारु आपूर्ति बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित गैस एजेंसी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सोनू गैंग ने अनंत सिंह को फिर दिया चैलेंज समर्थक को जान से मारने की धमकी दी

लोकतंत्र की शान , पटना

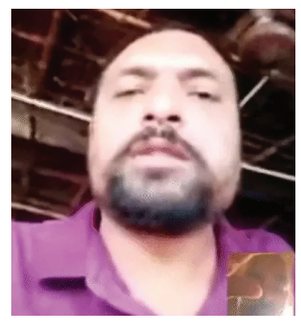

❐ कहा- मूंछ पर ताव देने वाला कुछ बिगाड़ लेगा क्या

मोकामा से जदयू विधायक और बाहुबली अनंत सिंह को सोनू गैंग ने फिर चैलेंज किया है। सोनू का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो एक शख्स को जान से मारने की धमकी दे रहा है।

इस दौरान वो कहता है- 'अनंत तुमको बचा लेगा क्या?': सोनू यह भी कहता है- 'जो मूंछ पर ताव देता है, वो मेरे घर पर आया था। क्या कर लिया वो? उसको तो भगा दिए थे।' वीडियो में वो नौरंगा गोली कांड में मुखबिरी करनी की भी बात कह रहा है।

वीडियो में क्या है: 4 मिनट के वीडियो में बाढ़ के महेंद्रपुर गांव निवासी शिवरतन कुमार, सोनू पर 38 हजार रुपए बकाया होने का आरोप लगा रहा है। इस आरोप के जवाब में सोनू शिवरतन को भद्दी गालियां देता है और पूछता है कि वह कहां है, ताकि वह वहीं आकर उससे मिल सके। सोनू वीडियो में शिवरतन से कहता है कि उसने जितना सोना दिया था, उतनी चांदी उसे दे दी गई है और अब केवल हजार से पंद्रह सौ रुपए ही बकाया होंगे। इस पर शिवरतन कहता है कि भागलपुर जाने के दौरान उसने दस बोतल शराब भी दी थी, ऐसे में इतना कम पैसा कैसे बकाया हो सकता है। वीडियो में शिवरतन को अपनी मूंछों पर ताव देते हुए देखा जा सकता है, जिस पर सोनू उसे गालियां देते हुए मूंछों से हाथ हटाने को कहता है। सोनू शिवरतन को जान से मारने की धमकी देता है और कहता है- 'जो तुम्हारा मुंछ वाला है, उसे भी हम भगा दिए, तुमको काटने पर हड्डियां भी नहीं मिलेंगी।'

सखी वार्ता कार्यक्रम के माध्यम से बालिकाओं को किया गया जागरूक

लोकतंत्र की शान

मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता, सहरसा: महिला एवं बाल विकास निगम, सहरसा के अंतर्गत जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन द्वारा आज माध्यमिक विद्यालय खजुरी में "सखी वार्ता" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं एवं महिलाओं को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं तथा सुरक्षा संबंधी उपायों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान जिला मिशन समन्वयक ने बालिकाओं के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। इस क्रम में बाल विवाह के दुष्प्रभावों एवं उसकी रोकथाम पर विशेष चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि बाल विवाह एक दंडनीय अपराध है, जो बालिकाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। साथ ही 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। लेखा सहायक द्वारा वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं, घरेलू हिंसा से संरक्षण, शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया तथा उपलब्ध सहायता सेवाओं की जानकारी दी गई। साथ ही महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 जैसे महत्वपूर्ण टोल-फ्री नंबरों के उपयोग के बारे में भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास, स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। संकट की स्थिति में कानूनी सहायता, परामर्श सेवा, अस्थायी आश्रय, चिकित्सा सुविधा एवं पुलिस सहयोग प्राप्त करने के उपायों पर भी प्रकाश डाला गया।

ईद-उल-फितर पर विधि-व्यवस्था को लेकर प्रशासन सतर्क, अधिकारियों को दिए गए आवश्यक निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: ईद-उल-फितर के अवसर पर विधि-व्यवस्था के सुचारु संधारण को लेकर आज स्थानीय प्रेक्षा गृह में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण ब्रीफिंग बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों को उनके दायित्वों के प्रभावी एवं समुचित निर्वहन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान बताया गया कि पर्व के मद्देनज़र जिले में व्यापक स्तर पर दंडाधिकारियों एवं पुलिस बल की तैनाती की गई है। सदर अनुमंडल क्षेत्र के चिन्हित स्थलों पर चार चलंत दस्ता दल, 111 स्टैटिक दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी तैनात किए गए हैं। वहीं सिमरी बख्तियारपुर अनुमंडल क्षेत्र में 52 स्टैटिक दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी के साथ पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। सभी प्रतिनियुक्त अधिकारियों एवं पुलिस बल को निर्देशित किया गया है कि वे 20 मार्च 2026 की पूर्वाह्न से अपने-अपने तैनाती स्थल पर पहुंचकर पूरी जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन सुनिश्चित करें। बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि जिले में सोशल मीडिया पर सतत निगरानी रखी जा रही है। किसी भी प्रकार की अफवाह या आपसी सद्भाव बिगाड़ने की कोशिश करने वाले तत्वों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, पर्व के दौरान जिला नियंत्रण कक्ष (दूरभाष संख्या: 06478-223601) को 24 घंटे सक्रिय रखा जाएगा, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके। इस अवसर पर अपर समाहर्ता श्री निशांत, वरीय उप समाहर्ता श्री राजू कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (मुख्यालय) सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी/पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत सहरसा में दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता संपन्न, खिलाड़ियों ने लिया नशा मुक्ति का संकल्प

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: समाज कल्याण विभाग, बिहार सरकार (सामाजिक सुरक्षा निदेशालय) के तत्वावधान में जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, सहरसा द्वारा 'नशा मुक्त भारत अभियान' (NMBA) के अंतर्गत खेल भवन, सहरसा में दो दिवसीय जन-जागरूकता कार्यक्रम एवं खेल प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। 18 एवं 19 मार्च 2026 को आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य खेल के माध्यम से बच्चों एवं युवाओं के बीच नशा मुक्ति का संदेश प्रसारित करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन निदेशक, DRDA एवं सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा, सहरसा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

प्रतियोगिताओं का विवरण:

प्रथम दिवस (18 मार्च 2026): शतरंज प्रतियोगिता कार्यक्रम के पहले दिन शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता एवं रणनीतिक कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता को तीन आयु वर्गों—अंडर-09, अंडर-13 एवं ओपन वर्ग—में आयोजित किया गया।

द्वितीय दिवस (19 मार्च 2026): कबड्डी एवं वुशु प्रतियोगिता दूसरे दिन शारीरिक खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया।

- कबड्डी: अंडर-17 (बालक एवं बालिका) तथा ओपन वर्ग (बालक एवं बालिका) में टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले हुए।
- वुशु: इस मार्शल आर्ट प्रतियोगिता में अंडर-14 एवं अंडर-19 आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के दौरान सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा ने उपस्थित खिलाड़ियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए बताया कि स्वस्थ शरीर और एकाग्र मन ही सफलता की कुंजी है, जिसमें नशे के लिए कोई स्थान नहीं है। जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सभी प्रतिभागियों को 'नशा मुक्त भारत अभियान' की टी-शर्ट प्रदान की गई। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण हेतु संकल्प लिया।

100 महिलाओं से 8 लाख की ठगी

लोकतंत्र की शान , हाजीपुर

♦ सामान के नाम पर पैसे जमा कराए, कहा-50 हजार लोन मिलेगा, अगले दिन ऑफिस बंद, मोबाइल ऑफ

वैशाली जिले के राघोपुर में एक निजी कंपनी पर सैकड़ों महिलाओं से लाखों रुपये की ठगी का आरोप लगा है। कंपनी ने महिलाओं को समूह बनाकर 50 हजार रुपये का लोन देने का झांसा दिया और फिर उनसे अलग-अलग सामान खरीदने के नाम पर पैसे जमा करा लिए। बाद में कंपनी के कर्मी ऑफिस बंद कर फरार हो गए। पीड़ित महिलाओं के अनुसार, कंपनी के कर्मी गांव-गांव जाकर महिलाओं को 11-11 के समूह में जोड़ते थे और 50 हजार रुपये का लोन दिलाने का वादा करते थे। इसके लिए पहले टीवी, मिक्सी, आयरन, सिलाई मशीन, पंखा या अन्य सामान खरीदने की शर्त रखी गई। महिलाओं से कहा गया कि सामान खरीदने के बाद ही उनका नाम कंपनी के बैंक में दर्ज होगा और लोन पास होगा।

जुड़ावनगर के वीरपुर वार्ड 5 की रहने वाली काजल देवी ने बताया कि "13 मार्च को राहुल कुमार और रंजीत कुमार मेरे घर आए और 11 महिलाओं का ग्रुप बनाने को कहा। 16 मार्च को हमलोग फतेहपुर चौक स्थित ऑफिस पहुंचे और सभी महिलाओं ने अपने-अपने हिसाब से पैसे जमा कर दिए। हमें कहा गया कि शाम 6 बजे तक सामान घर पहुंच जाएगा, लेकिन कुछ भी नहीं आया।" "जब शाम तक सामान नहीं आया तो हमने कॉल किया, लेकिन दोनों के मोबाइल बंद मिले। 17 मार्च की सुबह जब ऑफिस पहुंचे तो वहां ताला लगा था। वहां पहले से ही राघोपुर और रुस्तमपुर इलाके की कई महिलाएं जमा थीं, जो इसी तरह ठगी का शिकार हुई थीं।"

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, में होगा प्रथम दीक्षांत समारोह

लोकतंत्र की शान

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली में आयोजित होने जा रहे प्रथम दीक्षांत समारोह के संबंध में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. (डॉ.) ब्रिजेश सिंह ने जानकारी दी कि दिनांक 23 मार्च 2026 को विश्वविद्यालय परिसर में इस भव्य समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए स्वर्ण पदक एवं उपाधियाँ प्रदान की जाएंगी। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष श्री संतोष चौबे करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में श्री राम कृपाल यादव, माननीय कृषि मंत्री, बिहार सरकार, समारोह की गरिमा बढ़ाएंगे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री नरेंद्र नारायण यादव, उपाध्यक्ष, बिहार विधानसभा; डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, कुलाधिपति, स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय, भोपाल एवं सचिव, आइसेक्ट समूह; तथा श्री अरविंद चतुर्वेदी, कुलाधिपति, डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय,वैशाली, बिहार अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। साथ ही डॉ. उपेंद्र पाल सिंह, निदेशक, केंद्रीय प्लास्टिक अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) तथा श्री कुमुद कुमार, बिहार चेयर, पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा भी उद्बोधन दिया जाएगा। समारोह के दौरान विश्वविद्यालय की उपाधि स्मारिका, एनुअल रिपोर्ट एवं न्यूज़ लेटर का विमोचन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रो. (डॉ.) ब्रिजेश सिंह, डॉ. सुशील जमारियार एवं प्रो. हरि नारायण सिंह 'हरि' द्वारा लिखित पुस्तक "वैशाली: इतिहास, संस्कृति और धरोहर" तथा प्रो. (डॉ.) बसंत सिंह, डॉ. सुशील कुमार जमारियार एवं डॉ. राजीव रंजन कुमार द्वारा लिखित पुस्तक "ए टेक्स्ट बुक ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैथमेटिक्स (पार्ट -सी)" का भी लोकार्पण किया जाएगा। इस अवसर पर चर्चित फिल्म अभिनेता एवं प्रेरक वक्ता श्री आशीष विद्यार्थी का विशेष आगमन भी कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहेगा। डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, कुलाधिपति, स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय, भोपाल एवं सचिव, आइसेक्ट समूह; के द्वारा दीक्षांत भाषण तथा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. समित तिवारी द्वारा स्वागत उद्बोधन के साथ-साथ प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें विश्वविद्यालय की उपलब्धियों, प्रगति एवं भावी योजनाओं का विस्तृत विवरण होगा। यह दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो उन्हें न केवल उनकी शैक्षणिक यात्रा की सफलता का प्रमाण देगा, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा भी निर्धारित करेगा।

जीविका हाट का उद्घाटन: ग्रामीण स्वरोजगार को मिलेगा नया संबल

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: पतरघट प्रखंड अंतर्गत किशुनपुर पंचायत में आज एक महत्वपूर्ण पहल के तहत जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार द्वारा मनरेगा के सौजन्य से निर्मित जीविका हाट का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। उद्घाटन के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि जीविका हाट ग्रामीण महिलाओं, विशेषकर जीविका दीदियों के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का एक सशक्त माध्यम साबित होगा। सप्ताह में दो दिन संचालित होने वाले इस हाट में जीविका समूह से जुड़ी महिलाएं ताजी सब्जियों एवं दैनिक उपभोग की आवश्यक सामग्रियों का विक्रय करेंगी। इससे न केवल ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर सुलभ दरों पर सामान उपलब्ध होगा, बल्कि महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार की पहलें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ-साथ यह रोजगार सृजन का भी एक प्रभावी माध्यम है, जिससे गांवों में आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान उप विकास आयुक्त श्री गौरव कुमार ने कहा कि जीविका हाट के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों को बाजार उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। इससे महिलाओं की आय में वृद्धि होगी और वे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में अहम योगदान दे सकेंगी। इस अवसर पर निदेशक एनईपी श्री पुलक कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित थे। सभी अधिकारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह मॉडल अन्य पंचायतों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगा। कार्यक्रम के समापन पर ग्रामीणों ने इस पहल के लिए जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया और आशा जताई कि इस तरह की योजनाएं भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगी।

संक्षिप्त समाचार

हिंदू नव वर्ष पर नव विक्रम संवत्सर को सूर्य अर्ध अर्पण कर मनाया विहिप

लोकतंत्र की शान सीधी। विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल द्वारा नव वर्ष 19 मार्च 2026 का स्वागत पूजा पार्क में गणेश सिंह जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता तथा विशेष अतिथि पुजारी प्रद्युम, मुख्य मार्गदर्शन लक्ष्मण सिंह प्रांत कार्यसमिति सदस्य, विभाग मंत्री पुजेरी लाल मिश्र,विभाग सयोंजक शैलेन्द्र सिंह की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम का संचालन अनिल कुमार मिश्र जिला मंत्री द्वारा किया गया। इस दौरान जिलाध्यक्ष गणेश सिंह ने नव संवत्सर के संबंध में कहा कि नवरात्र हिंदू धर्म का एक खास और महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। वैसे नवरात्र साल में चार बार पड़ते हैं। साल के प्रथम चैत्र में पहली नवरात्र होती है। चौथा महीना आषाढ़ का होता है जिसमें दूसरी नवरात्र पड़ती है। इसके बाद अश्विन माह में प्रमुख शारदीय नवरात्र होती है। साल के अंत में माघ में गुप्त नवरात्र होते हैं। इन सभी नवरात्रों का जिक्र देवी भागवत तथा अन्य धार्मिक ग्रंथों में भी किया गया है। हिंदी कैलेंडर के हिसाब से चैत्र माह से हिंदू नववर्ष की शुरुआत होती है और इसी दिन से नवरात्र भी शुरू होते हैं। लेकिन यह भी एक उत्सुकता का विषय है कि आखिर चैत्र नवरात्र से क्यों हिंदू नववर्ष की शुरुआत होती है। आज हम आपको बताएंगे कि इसके पीछे क्या वजह है। पौराणिक मान्यताओं पर विश्वास करें तो सृष्टि के आरंभ के समय चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन पर ही देवी ने ब्रह्माजी को सृष्टि की रचना करने का कार्यभार सौंपा था। इसलिए यह दिन सृष्टि के निर्माण का दिन माना जाता है। मान्यता है कि यह दिन समस्त जगत के आरंभ का दिन है। देवी भागवत पुराण के अनुसार इस तिथि पर ही देवी मां ने देवी- देवताओं के कार्यों का बंटवारा किया था और तत्पश्चात सभी ने अपना काम संभालते हुए सृष्टि के संचालन के लिए शक्ति और आशीर्वाद मांगा था। इसी के चलते चैत्र नवरात्र से हिंदू वर्ष का आरंभ माना जाता है। उक्त जानकारी धीरेश मिश्र प्रचार प्रसार प्रमुख द्वारा दी गई।

नवरात्र के प्रथम दिन हुई मां शैलपुत्री की पूजा चामुंडा मंदिर पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल, जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः गुरुवार को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को हुई मां शैलपुत्री की पूजा अर्चना, भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने चामुंडा मंदिर पर पहुंचकर मां की पूजा अर्चना की बता ते चलें कि चैत्र नवरात्र के पहले दिन चामुंडा मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। सुबह से ही मंदिर में दर्शन के लिए भक्तों की कतार लगी रही। मंदिर परिसर में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए। मंदिर के पुजारी सोमनाथ शर्मा ने बताया कि पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की जाती है। मां शैलपुत्री को सती, पार्वती, दुर्गा और उमा के नाम से भी जाना जाता है। वे पर्वतराज की पुत्री होने के कारण शैलपुत्री कहलाईं। पौराणिक कथा के अनुसार, पूर्व जन्म में वे राजा दक्ष की पुत्री सती थीं। राजा दक्ष ने एक यज्ञ का आयोजन किया। उन्होंने अपने दामाद भगवान शिव को आमंत्रित नहीं किया। सती बिना शिव की अनुमति के यज्ञ में गईं। वहां अपना और शिव का अपमान देख वे यज्ञाग्नि में कूद गईं। शिव ने वीरभद्र को यज्ञशाला में भेजा। वीरभद्र ने यज्ञशाला का विध्वंस कर दिया। सती के जलते शरीर के अंग जहां-जहां गिरे, वहां शक्तिपीठ स्थापित हुए। अगले जन्म में सती ने पर्वतराज की पुत्री पार्वती के रूप में जन्म लिया। हसनपुर के अलावा उझारी, ढबारसी, सैद नंगली, आदमपुर और रहरा में भी मां शैलपुत्री की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। सभी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। सुरक्षा की दृष्टि से चामुंडा मंदिरों के आसपास पुलिस वालों को तैनात किया गया।

फरीदाबाद : रंगदारी मांगने वाले दो बदमाश पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

लोक तंत्र की शान : फरीदाबाद। शराब ठेका व प्रापर्टी डीलर कार्यालय पर गोली चलाकर रंगदारी मांगने के मामले में वांछित दो आरोपियों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपितों की पहचान गांव मच्छगर निवासी अनिल व गांव चंदावली निवासी मनीष के रुप में हुई है। सहायक पुलिस आयुक्त अपराध-2 वरुण कुमार दहिया ने गुरुवार को बताया कि 14 मार्च की रात्रि को आरोपितों ने सेक्टर 68 चंदावली आईएमटी रेड लाइट पर स्थित ठेके पर फायरिंग कर दस प्रतिशत की हिस्सेदारी मांगी थी, उसके कुछ देर उपरांत इन्होंने गांव मच्छर स्थित एक कार्यालय पर फायरिंग कर 50 लाख की रंगदारी मांगी थी। घटनाक्रम के संबंध में ठेका संचालक व कार्यालय के ओनर की शिकायत पर थाना सदर बल्लभगढ़ में अलग-अलग मामले दर्ज किये गये थे। उन्होंने आगे बताया कि घटनाक्रम की गंभीरता के मद्देनजर अपराध शाखा ऊंचा गांव, सेक्टर 65 व सेक्टर 85 की तीन टीम में गठित की गई।

बिजली अधिकारी के मनमानी पर अंकुश लगाने ग्रमीणो ने दिया अल्टीमेटम

» बघवारी गांव में हुई बैठक , आंदोलन की रणनीति

» 55 गांवों में घर-घर पहुंचकर आंदोलन की घोषणा

लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के ग्राम पंचायत बघवारी में बिजली विभाग की कथित मनमानी के विरोध में जनआंदोलन ने अब व्यापक रूप लेना शुरू कर दिया है। आयोजित बैठक में सैकड़ों ग्रामीणों ने बढ़ते बिजली बिल, गलत मीटर रीडिंग और विभागीय लापरवाही के खिलाफ एकजुट होकर जोरदार विरोध दर्ज कराया। बैठक में वक्ताओं ने स्पष्ट कहा कि मेहनतकश ग्रामीणों पर थोपे जा रहे मनमाने बिजली बिल पूरी तरह अन्यायपूर्ण हैं और अब इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रोको-टोको-ठोको क्रांतिकारी मोर्चा के संयोजक उमेश तिवारी सहित अन्य वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और अधिक उग्र रूप दिया जाएगा। बैठक का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय यह रहा कि इस डी सी क्षेत्र के 55 गांवों में संगठित टोलियां बनाई जाएंगी, जो सीधे बिजली उपभोक्ताओं से संपर्क करेंगी। ये टोलियां घर-घर जाकर उपभोक्ताओं से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को दर्ज करेंगी, गलत बिलिंग और अन्य शिकायतों का आंकड़ा एकत्र करेंगी तथा आंदोलन की चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही, प्रत्येक गांव में स्थानीय स्तर पर समिति बनाकर उपभोक्ताओं को जोड़ने का अभियान चलाया जाएगा, ताकि आंदोलन मजबूत और प्रभावी बन सके। चरणबद्ध रणनीति के तहत पहले जनजागरण उसके बाद धरना-प्रदर्शन और आवश्यकता पड़ने पर बड़े स्तर पर जनआंदोलन किया जाएगा। ग्रामीणों ने एक स्वर में स्पष्ट कर दिया है कि जब तक बिजली व्यवस्था में सुधार, बिलों में पारदर्शिता और उपभोक्ताओं को राहत नहीं मिलेगी, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। प्रत्येक गांव की टोली का भ्रमण सम्पर्क पूरा होते ही अगली बैठक में संपूर्ण कार्ययोजना घोषित की जाएगी।

महिला की संदिग्ध मौत,गाव में मातम

लोकतंत्र कि शान

सीधी। जिले के बहरी थाना क्षेत्र से एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को शोक और स्तब्धता में डाल दिया है। बहरी थाना क्षेत्र के ग्राम मर्सरहा में 24 वर्षीय एक महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में घर के अंदर फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतका की पहचान सीमा रावत (24 वर्ष) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार सुबह का समय था जब परिवार के अन्य सदस्य खेत में फसल कटाई के लिए चले गए थे। घर पर सीमा अकेली थी। बताया जा रहा है कि उसने रोजमर्रा के काम पूरे किए, भोजन भी तैयार किया, जिससे यह प्रतीत होता है कि सब कुछ सामान्य था। जब परिजन खेत से वापस लौटे तो घर का माहौल सामान्य प्रतीत हुआ। लेकिन जैसे ही वे कमरे के भीतर पहुंचे, वहां का दृश्य देख उनके पैरों तले जमीन खिसक गई- सीमा फांसी के फंदे पर झूल रही थी। इस हृदयविदारक घटना से पूरे परिवार में मातम छा

गया और चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही बहरी थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के लिए बहरी मर्चुरी केंद्र भिजवा दिया गया। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है और हर एंगल से पड़ताल की जा रही है।

बसस्टैंड आडिटोरियम में विक्रमोत्सव-2026 का हो रहा भव्य आयोजन

» विधायक मुड़वारा श्री जायसवाल और कलेक्टर श्री तिवारी सहित जनप्रतिनिधियों की है मौजूदगी

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कितनी मध्य प्रदेश

कटनीः सृष्टि के आरंभ दिवस और भारतीय नव वर्ष विक्रम संवत 2083 की शुरुआत पर गुरुवार को यहाँ बस स्टैंड स्थित आडिटोरियम में विक्रमोत्सव 2026 का भव्य और अविस्मरणीय आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ वीणा वादिनी मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस दौरान विधायक मुड़वारा संदीप जायसवाल, कलेक्टर आशीष तिवारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद हैं। इसके पूर्व बटुक आचार्यों ने स्वास्तिवाचन कर विक्रमोत्सव का आगाज किया।

वित्तीय वर्ष समाप्ति के मात्र शेष दिवसों में अवकाश दिनों में भी प्रदान की गई बकाया कर जमा करने की सुविधा

शुक्रवार को सुभाष चौक एवं झिंझरी पुलिस चौकी के पास आयोजित होंगे विशेष शिविर

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनीः वित्तीय वर्ष समाप्ति के शेष बचे दिवसों में नागरिकों को सुगमता से निगम के बकाया कर को जमा करने की सुविधा प्रदान करने हेतु निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार के निर्देश पर वार्डवार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। आयोजित शिविरों के दौरान नागरिकों को उनके बकाया करों से संबंधित समस्याओं एवं शंकाओं का भी निराकरण करते हुए सुगमता से कर जमा करने की सुविधा प्रदान की जा रही है। राजस्व अधिकारी जागेश्वर प्रसाद पाठक ने बताया कि नागरिकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए गुरुवार को अवकाश के दिन भी सुभाष चैक सहित वार्ड क्रमांक 37 से 40 तक के नागरिकों हेतु भोले मंदिर के पास विशेष शिविरों का आयोजन किया जाकर नागरिकों को निगम के बकाया संपत्ति कर एवं जलकर जमा करने की सुविधा प्रदान की गई। आपने जानकारी देते हुए बताया कि नागरिकों की सुविधा के मद्देनजर शुक्रवार 20 मार्च को भी अवकाश होने के बाद विशेष शिविरों का आयोजन सुभाष चैक एवं झिंझरी पुलिस चौकी के समीप किया जाएगा इसके अतिरिक्त निगम कार्यालय में भी नागरिक अपने बकाया करों की राशि बिना किसी परेशानी के जा कर सकते है। निगम प्रशासन ने करदाताओं से शुक्रवार को आयोजित होने वाले शिविरों एवं अवकाश के दिन निगम के कैश काउंटर खुले रखने की सुविधा का लाभ उठाकर निगम के बकाया कर समय से जमा करते हुए भविष्य में होने वाली परेशानी से बचने की अपील की गई है।

जनता पुलिस के बीच की दूरी खत्म करने जन सम्वाद कार्यक्रम आयोजित

लोकतंत्र की शान (कुंवारी ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

» पुलिस अधीक्षक खुद कर रहे है जनता से सम्वाद

सीधी। पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन गौरव राजपूत की मंशा के अनुरूप पुलिस और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से सीधी पुलिस द्वारा जनसंवाद कार्यक्रमों की श्रृंखला जारी है। इसी क्रम में आज थाना बहरी के ग्राम चंदवाही में पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के मुख्य आतिथ्य में भव्य जन चौपाल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर थाना प्रभारी बहरी निरीक्षक राजेश पाण्डेय एवं पुलिस बल की मौजूदगी में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और गणमान्य जन उपस्थित रहे। जन चौपाल के दौरान पुलिस अधीक्षक ने ग्रामीणों से आमने सामने चर्चा कर उनकी शिकायतों और समस्याओं को सुना। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को त्वरित और पारदर्शी निराकरण हेतु कड़े निर्देश दिए। कार्यक्रम में साइबर अपराधों से बचाव, यातायात प्रबंधन और सामुदायिक पुलिसिंग के महत्व पर रोचक और व्यावहारिक जानकारी साझा की गई।उक्त कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन में थाना प्रभारी बहरी निरीक्षक राजेश पाण्डेय, स्थानीय सरपंच, गणमान्य नागरिक एवं समस्त थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस अधीक्षक ने पेश की आदर्श समाज की परिकल्पना

जनसंवाद को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक ने एक सुरक्षित और आदर्श समाज की परिकल्पना प्रस्तुत की। उन्होंने अपने वक्तव्य में प्रमुख बिंदुओं पर जोर देते हुए कहा कि पुलिस और जनता के बीच का अटूट विश्वास ही एक सुरक्षित समाज की असली शक्ति है। हमारा प्राथमिक उद्देश्य केवल अपराधों का नियंत्रण नहीं, बल्कि एक ऐसा निर्भीक वातावरण तैयार करना है जहां हर नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस करे। इसके लिए समाज में आपसी सामंजस्य और भाईचारा बनाए रखना अनिवार्य है। साथ ही आज के डिजिटल युग में साइबर फ्रॉड के प्रति सतर्कता ही आपकी सबसे बड़ी सुरक्षा है। अनजान लिंक और ओटीपी साझा करने से बचें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि साथ ही, मैं युवाओं से अपील करता हूँ कि वे नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहें, क्योंकि नशा न केवल स्वास्थ्य बल्कि पूरे परिवार और भविष्य को नष्ट कर देता है।

ऑटो-स्कूटी में भिड़ंत युवक की मौत, तीन गंभीर

लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के कुसमी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम टमसार में बुधवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें स्कूटी सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल सीधी रेफर किया गया है। मृतक की पहचान अमन उर्फ श्रवण कुमार सिंह 22 वर्ष, पिता शेर बहादुर सिंह, निवासी ऐठी बारी चौकी बम्हनी थाना सेमरिया जिला सीधी के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि वह स्कूटी पर एक अन्य व्यक्ति के साथ सवार था। इसी दौरान ग्राम टमसार के पास सामने से आ रहे ऑटो से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी चालक अमन सिंह की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि उसके साथ बैठा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

न्यायालय के आदेश का पालन नहीं करते पंचायत के कर्मचारी

लोकतंत्र की शान

» न्यायालय के आदेश के बाद भी नहीं खुला आम रास्ता

» आदेश क्रियान्वयन को लेकर चक्कर लगा रहा पीड़ित

सीधी। जिले के तहसील क्षेत्र मझौली अंतर्गत ग्राम चमराडोल के एक मोहल्ला में सैकड़ो वर्ष पुराना आम रास्ता को झटका तार से अवरुद्ध कर दिया गया था जिससे प्रभावित होकर उक्त मोहल्ला निवासी रामाश्रय नापित पिता राम लखन नापित एवं अन्य के द्वारा न्यायालय तहसीलदार मझौली के समक्ष आवेदन दिया था जिसे स्वीकार करते हुए पटवारी से स्थल प्रतिवेदन मंगाया गया एवं प्रकरण पंजीबद्ध कर सुनवाई की गई। पटवारी पंचनामा प्रतिवेदन के आधार पर तहसीलदार मझौली के द्वारा 6 मार्च 2026 को आदेश पारित किया गया, जिसमें कहा गया है कि मुताबिक पटवारी प्रतिवेदन आवेदित आराजी में प्रचलित रास्ता पर तार से बनी वाड़ी वाले भू–भाग को छोड़कर शेष भाग में अनावेदकगण वाड़ी का निर्माण करें एवं प्रचलित रास्ता में यथा स्थिति बनाए रखें। हल्का पटवारी मौके से जाकर पूर्व से प्रचलित रास्ता चालू करवाएं। आदेश के बाद हल्का पटवारी को आदेश की प्रति आवेदक द्वारा दी गई। लेकिन 12 दिन बाद भी उसका क्रियान्वयन नहीं हुआ तब आवेदक रामाश्रय नापित के द्वारा 16 मार्च 2026 को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मझौली के समक्ष आवेदन पेश कर तहसीलदार के आदेश का तत्काल क्रियान्वयन की मांग किया है, वही अनावेदक राम सिंह पिता विश्वनाथ सिंह निवासी चमराडोल के द्वारा न्यायालय तहसीलदार के समक्ष आवेदन पेश कर पारित किए गए आदेश के क्रियान्वयन में अपील अवधि तक स्थगन किए जाने मांग की है। इनका कहना हैं। रास्ता खुलवाने के लिए पुलिस बल चाहिए जिसकी मांग तहसीलदार से की गई है।जल्द ही रास्ता खुलवाया जाएगा। अखिलेश पनिका, हल्का पटवारी चमराडोल। प्रकरण मेरे संज्ञान में है रास्ता खोलने के लिए आदेश किया गया है जिसका क्रियान्वयन हल्का पटवारी को करना है। पटवारी के मांग पर पुलिस बल उपलब्ध कराया जाएगा। दिलीप सिंह, तहसीलदार मझौली।

सीईओ के आदेश को नजर अंदाज कर रहे पंचायत के जिम्मेदार सचिव

कु ऋचा पाण्डेय लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के जनपद पंचायत कुसमी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत रामपुर के लाखों के गोलमाल को छिपाने के लिए अधिकारियों ने जनपद सीईओ के आदेश को नकारा साबित कर दिया है। ग्राम पंचायत रामपुर में निर्माण कार्य एवं अन्य मदों से ट्रेडर्स के नाम एवं कई पर्सनल खाते में राशि डालकर शासन की राशि का दुरुपयोग किया गया था। जिसकी शिकायत होने पर जनपद पंचायत कुसमी सीईओ ज्ञानेन्द्र मिश्रा ने 10 मार्च को तीन सदस्यीय टीम गठित कर ग्राम पंचायत रामपुर के निर्माण कार्य एवं अन्य मदों के बिल बाउचर एवं पंचनामा सहित तैयार कर सात दिवस के अंदर बगैर स्मरण पत्र के प्रतीक्षा के जांच उपलब्ध कराना सुनिश्चित करने का आदेश जारी किया था। जांच दल अधिकारी अनिल सिंह, ओपी पाण्डेय, राकेश सिंह को नियुक्त कर ग्राम पंचायत की जांच कर प्रतिवेदन अनिवार्य रूप से नियत समय-सीमा में उपलब्ध नहीं कराने की दशा में जांचकर्ता अधिकारी स्वयं व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे, इसका भी जनपद सीईओ के आदेश क्रमांक 5432 में स्पष्ट रूप से उल्लेखित किया गया था। लेकिन जांचकर्ता अधिकारी अनिल सिंह, ओपी पाण्डेय, राकेश सिंह द्वारा ग्राम पंचायत की जांच करना तो दूर वहां आज तक पहुंचे ही नहीं। इससे यह स्पष्ट जाहिर होता है कि ग्राम पंचायत रामपुर में किए गए लाखों के गोलमाल में इन अधिकारियों ने भी अपना हांथ सेंक लिया है। इसलिए जनपद सीईओ के आदेश की अवहेलना करते हुए जांच प्रतिवेदन आज दिनांक तक प्रस्तुत नहीं कर सके। जानकारों की मानें तो यह तीनों जांचकर्ता अधिकारी ट्रेडर्स एवं ग्राम पंचायत से सांठ-गांठ बनाकर शासन की राशि के दुरुपयोग में सहभागी बन रहे हैं। जनपद सीईओ के आदेश की ऐसी अवहेलना होती रही तो कुसमी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायतों में मनमानी तौर पर शासन की राशि का दुरुपयोग नहीं थमेगा। ऐसे में जांचकर्ता अधिकारियों पर सवाल भी उठ रहे हैं।

जांच टीम पर उठ रहे सवाल

जनपद पंचायत कुसमी सीईओ के आदेश की अवहेलना कर जांचकर्ता अधिकारी या तो दबाव में माने जा सकते हैं या फिर पंचायतों से सुविधा शुल्क लेकर मालामाल हो रहे हैं। कारण जो भी हो आखिर वरिष्ट अधिकारी के निर्देश के तहत जांच करने की हिम्मत क्यों नहीं जुट रही है। जबकि सप्ताह भर के अंदर जांच रिपोर्ट सौंपने का आदेश सीईओ द्वारा किया गया था। इसके बाद भी जिम्मेदार अधिकारी जिन्हें जांच की जिम्मेदारी दी गई थी वह चुप्पी साधे हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

टूरिस्ट वीजा लेकर आए खिलाड़ियों को नेपाल ने घरेलू टूर्नामेंट में खेलने से रोका

काठमांडू। नेपाल सरकार ने पर्यटक वीजा पर आए विदेशी खिलाड़ियों को घरेलू टूर्नामेंट में खेलने से रोक दिया है। नेपाल फुटबाल संघ को भेजे गए पत्र में इमिग्रेशन विभाग ने कहा है कि विदेशी नागरिक जिस उद्देश्य से वीजा प्राप्त करता है, वह उसी उद्देश्य तक सीमित रहेगा। इमिग्रेशन विभाग के निदेशक टीकाराम ढकाल ने गुरुवार को भेजे गए पत्र में उल्लेख किया है कि पर्यटक वीजा पर आए विदेशी खिलाड़ियों को घरेलू प्रतियोगिताओं में खिलाए जाने की शिकायत मिली है। पत्र में कहा गया है कि एन्फा की ओर से संचालित राष्ट्रीय महिला और पुरुष लीग फुटबॉल प्रतियोगिताओं में कुछ क्लबों ने विभिन्न देशों के पर्यटक वीजा पर आए विदेशी खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि नियमों के अनुसार पर्यटक वीजा पर आए व्यक्ति को किसी भी प्रकार का अन्य कार्य करने की अनुमति नहीं होती। अध्यागमन नियमावली के नियम 20 के तहत व्यवस्था है कि विदेशी नागरिक जिस उद्देश्य से वीजा प्राप्त करता है, वह उसी उद्देश्य तक सीमित रहेगा। विभाग ने इस संबंध में युवा तथा खेलकूद मंत्रालय और राष्ट्रीय खेलकूद परिषद को भी पत्र भेजा है। विभाग ने फुटबॉल संघ से अनुरोध किया है कि कानून के विपरीत किसी भी विदेशी खिलाड़ी को घरेलू प्रतियोगिताओं में शामिल न किया जाए। यदि विदेशी खिलाड़ियों को खेल में शामिल करना आवश्यक हो, तो उन्हें नियमानुसार कार्य अनुमति (वर्क परमिट) और श्रम स्वीकृति लेकर ही शामिल होने दिया जाए। इसके साथ ही विभाग ने यह भी जानकारी दी है कि इस मामले में निगरानी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यदि बिना अनुमति के विदेशी खिलाड़ी किसी भी खेल में शामिल पाए गए, तो उनके खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिसकर्मियों की हत्या में दोषी तीन लोगों की फांसी दी गई

तेहरान। ईरान में आज सुबह पुलिसकर्मियों की हत्या में तीन दोषी तीन लोगों को फांसी पर चढ़ा दिया गया। इनको अशांति के दौरान अमेरिका और इजराइल के पक्ष में अभियान चलाने का दोषी पाया गया। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब देश में बड़े पैमाने पर शुरू हुआ संघर्ष अपने 20वें दिन में पहुंच गया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार न्यायपालिका की वेबसाइट 'मीजान ऑनलाइन' में जानकारी साझा की गई है कि जनवरी में हुई अशांति के दौरान हत्या करने, इजराइल और अमेरिका के पक्ष में अभियान चलाने के आरोपों में दोषी पाए गए तीन लोगों को आज सुबह फांसी दे दी गई।

इसमें यह भी कहा गया कि जिन लोगों को मौत की सजा दी गई, वे दो कानून प्रवर्तन अधिकारियों की हत्या में शामिल थे। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि दिसंबर के आखिर में शुरू हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान 3,117 लोग मारे गए। उल्लेखनीय है कि इस हफ्ते की शुरुआत में ईरान ने एक स्वीडिश नागरिक को मौत की सजा दी। स्वीडन के विदेशमंत्री ने यह जानकारी तब दी, जब ईरानी अधिकारियों ने घोषणा की कि उन्होंने एक कथित इजराइली जासूस को मौत की सजा दी है। ईरानी अधिकारियों ने बुधवार को पूरे देश में सैकड़ों और लोगों को गिरफ्तार करने की जानकारी दी है। साथ ही कहा कि अमेरिका और इजराइल हिमायत करने वालों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। ईरान ने 2025 में इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के लिए जासूसी करने के दोषी पाए गए कई लोगों को मौत की सजा दी थी।

कंबोडिया में फंसे 20 नेपाली नागरिकों को सुरक्षित काठमांडू पहुंचाया गया

काठमांडू। कंबोडिया में विभिन्न कारणों से फंसे 20 नेपाली नागरिकों का सफलतापूर्वक निकाल लिया गया है। ये सभी लोग अलग-अलग प्रलोभनों में आकर कंबोडिया पहुंचे थे, जिन्हें नेपाल दूतावास बैंकक ने बचाया। दूतावास के अनुसार, इन लोगों को ऑनलाइन स्कैमिंग केंद्रों, ठगी करने वाले कैसीनो और अन्य अवैध गतिविधियों में लगाया गया था, जबकि कुछ लोग बिना वीजा के वहां रह रहे थे। इन लोगों को दूतावास की पहल और कंबोडिया सरकार के सहयोग से बचाया गया। इन नागरिकों को गैरआवासीय नेपाली संघ कंबोडिया के समन्वय से बुधवार को काठमांडू भेजा गया। यह सभी आज त्रिभुवन अन्तरराट्रीय विमानस्थल पर सुरक्षित पहुंचे। दूतावास ने बयान जारी कर यह भी जानकारी दी है कि कंबोडिया में अभी और भी नेपाली नागरिक फंसे हुए हैं। उन्हें भी जल्द वापस लाने के प्रयास जारी हैं।कठिन परिस्थितियों में रह रहे नेपाली नागरिकों से अपील की गई है कि वे बैंकॉक स्थित नेपाली दूतावास या गैर आवासीय नेपाली संघ कंबोडिया के प्रतिनिधियों से संपर्क करें। कंबोडिया के पर्यटन आंकड़ों के अनुसार, हाल के वर्षों में वहां जाने वाले नेपाली नागरिकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। वर्ष 2021 में 101 नेपाली नागरिक, 2022 में 1,977, 2023 में 2,940, 2024 में 6,404, 2025 में 9,676 नेपाली नागरिक कंबोडिया पहुंचे। यह आंकड़े दिखाते हैं कि रोजगार या अन्य अवसरों के नाम पर बड़ी संख्या में नेपाली युवा विदेश जा रहे हैं, लेकिन कई बार वे धोखाधड़ी और अवैध नेटवर्क के शिकार हो जाते हैं। दूतावास ने चेतावनी दी है कि किसी भी प्रकार के लालच या झांसे में आकर कंबोडिया, लाओस, म्यांमार, थाईलैंड जैसे देशों की यात्रा न करें। विदेश जाने से पहले नेपाल सरकार द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार श्रम स्वीकृति (लेबर परमिट) लेना अनिवार्य है।

छत्तीसगढ़ कैडर के आईएएस रवि मित्तल पीएमओ में उपसचिव नियुक्त

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ कैडर के 2016 बैच के आईएएस अधिकारी डॉ. रवि मित्तल को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में उप सचिव नियुक्त किया गया है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी है। यह प्रतिनियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से चार वर्षों की अवधि के लिए अथवा अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी। डॉ. रवि मित्तल वर्तमान में छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग के आयुक्त और मुख्यमंत्री सचिवालय में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत हैं। बीते डेढ़ वर्ष से वे राज्य शासन के संचार और सूचना तंत्र को संभाल रहे थे। इससे पहले वे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के गृह जनपद जशपुर जिले में जिलाधिकारी भी रह चुके हैं। अपने प्रशासनिक करियर में उन्होंने महासमुंद, रायगढ़ और रायपुर जिलों में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) के रूप में सेवाएं दी हैं। वर्ष 2018 में वे बगीचा एसडीएम के पद पर भी पदस्थ रहे। उल्लेखनीय है कि डॉ. रवि मित्तल ने 2016 में आईएएस अधिकारी बनने से पहले दिल्ली के प्रतिष्ठित मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी) से एमबीबीएस की पढ़ाई की है। वह मेडिसिन सर्जरी में एमबीबीएस हैं।

आगरा में विमान छोड़कर राष्ट्रपति मुर्मु हेलीकॉप्टर से जाएंगी मथुरा

आगरा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उत्तर प्रदेश में तीन दिवसीय भ्रमण के तहत आज अयोध्या से आगरा होते मथुरा के वृंदावन के प्रस्थान करेंगी। गुरुवार को आगरा में अपना विशेष विमान छोड़कर वायु सेना के हेलीकॉप्टर से वृंदावन जाएंगी। राष्ट्रपति के ट्रांसिट विजिट को देखते हुए जिला प्रशासन ने समुचित व्यवस्था की है। जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अयोध्या में रामलला मंदिर के दर्शन के बाद महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट से एयरफोर्स के विशेष वायुयान से प्रस्थान कर गुरुवार को सायंकाल करीब 4.30 बजे आगरा के एयर फोर्स परिसर स्थित टेक्निकल एयरपोर्ट पर पहुंचेंगी। यहां से राष्ट्रपति एयरफोर्स के हेलीकाप्टर से प्रस्थान कर शाम करीब 5 बजे मथुरा कैंट स्थित आर्मी हेलीपैड पर पहुंचेंगी। इस दौरान आगरा में राष्ट्रपति की अगवानी के लिए उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल एयरपोर्ट पर पहले से मौजूद रहेंगी। इस मौके पर एयर फोर्स आगरा के वरिष्ठ अधिकारियों सहित कमिश्नर आगरा, एडीजी जोन, मेयर आगरा सहित कुछ चुनिंदा महानुभावों भी उनका स्वागत करेंगे। डीसीपी सिटी सैयद अली अब्बास ने बताया कि राष्ट्रपति मुर्मु के आगरा में ट्रांसिट विजिट को लेकर सुरक्षा के संबंध में सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

"संघ की अच्छाई को विरोधी और कम्युनिस्ट भी स्वीकार करते हैं"

एजेंसी, नई दिल्ली

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने गुरुवार को नागपुर में कहा कि अब विरोधी और कम्युनिस्ट भी संघ की अच्छाई को स्वीकार करने लगे हैं। सरसंघचालक डॉ. भागवत आज महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और डॉ. विलास डांगरे की मौजूदगी में स्थानीय सुरेश भट्ट सभागार में आयोजित एक साक्षात्कार कार्यक्रम में बोल रहे थे।

सरसंघचालक ने कहा कि परस्पर प्रेम और आत्मीयता के कारण ही संघ और उसका कार्य बढ़ा है। जब तक दो व्यक्ति एक-दूसरे से मिलते रहेंगे, तब तक संघ समाप्त नहीं होगा। अब विरोधी और कम्युनिस्ट भी संघ की अच्छाई को स्वीकार करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि अनुकूलता एक बड़ी चुनौती होती है और पतन की शुरुआत भी अनुकूलता से ही होती है। अभी तक संघ का स्वयंसेवक प्रसिद्धि के अनुरूप नहीं बना है और ऐसा न हो, इसके प्रयास भी किए जा रहे हैं। अनुकूल परिस्थितियों में कार्य कैसे किया जाए, यह विषय बौद्धिक वर्ग में चर्चा का विषय होता है। स्वयंसेवकों को अनुकूलता का दुष्प्रभाव न हो, इस पर विचार और प्रयास निरंतर जारी हैं।

संघ प्रमुख ने बताया कि पिछले 100 वर्षों में संघ का कार्य व्यापक हुआ है, इसलिए संरचना का विकेंद्रीकरण आवश्यक हो गया। कार्य के दौरान कई बार शासन-प्रशासन से संपर्क होता है, इसलिए अलग व्यवस्था की आवश्यकता महसूस हुई। इसी विचार से प्रांत के स्थान पर अब 'विभाग' की संरचना बनाई गई है। लोगों से मित्रता स्थापित करना और अपने उदाहरण से परिवर्तन लाना ही संघ की कार्यपद्धति है। समय के अनुसार स्वरूप बदलता है, परंतु कार्यपद्धति वही रहती है।

सरसंघचालक ने कहा कि संघ के प्रारंभिक काल में परिस्थितियां और चुनौतियां भिन्न थीं। विभाजन के समय हिंदुओं के विरुद्ध दंगे होते थे, इसलिए उस समय संघ का कार्य उनके संरक्षण पर केंद्रित था। अब समय और चुनौतियां बदल गई हैं, इसलिए कार्य भी परिवर्तित हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कई विरोधी और कम्युनिस्ट स्वयं को संघ का विरोधी बताते हैं, लेकिन साथ ही संघ को अच्छा भी कहते हैं।

उन्होंने कहा कि कई बार उनके वक्तव्यों का गलत अर्थ निकाला जाता है, लेकिन इससे उन्हें कोई विशेष फर्क नहीं पड़ता। बल्कि उन्हें दया और हंसी आती है। अब संघ के विरोध में कहने के लिए लोगों के पास अधिक कुछ नहीं है, इसलिए वे कुछ भी कह देते हैं। ऐसी घटनाओं से सीख भी मिलती है कि लोग किसी कथन का क्या अर्थ निकाल सकते हैं।

संघ के कार्य के प्रति 'जेन-ज़ी' अनुकूल कहे जाने वाली पीढ़ी में देश को महान बनाने और परंपराओं को आगे बढ़ाने की भावना दिखाई देती है। उन्हें ईमानदारी और सेवा आकर्षित करती है, जिससे उनका जुड़ाव संघ के विचारों से हो रहा है। वे संघ के कार्य के प्रति अनुकूल हैं। यद्यपि परिस्थितियों के कारण वे प्रत्यक्ष शाखाओं में आने में कुछ कठिनाइयों का सामना करते हैं, फिर भी वे संघ से जुड़ना चाहते हैं। इसके लिए संघ द्वारा उपयुक्त व्यवस्थाएं की जा रही हैं। हाईराइज इमारतों और सोसायटियों में युवाओं से संपर्क बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

रूस ने ईरान के बुशेहर न्यूक्लियर प्लांट के पास हुए हमले की निंदा की

एजेंसी, मॉस्को/इस्तांबुल

रूस ने ईरान के बुशेहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास हुए मिसाइल हमले की निंदा की है। रूस की परमाणु एजेंसी रोसाटॉम ने चेतावनी दी कि परमाणु संयंत्रों के आसपास ऐसे हमले गंभीर सुरक्षा और पर्यावरणीय खतरे पैदा कर सकते हैं। तुर्किये की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू और अन्य मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रूस की सरकारी परमाणु ऊर्जा कंपनी रोसाटॉम ने ईरान के बुशेहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास हुए मिसाइल हमले की कड़ी निंदा की है। कंपनी ने सभी पक्षों से संयम बरतने और परमाणु संयंत्र के आसपास तनाव कम करने की अपील की है।

रोसाटॉम के प्रमुख अलेक्सी लिखाचेव ने एक बयान में कहा कि कंपनी इस हमले को "पूरी तरह अस्वीकार्य" मानती है और संबंधित पक्षों से अपील करती है कि वे किसी भी ऐसी कार्रवाई से बचें, जिससे परमाणु सुरक्षा को खतरा हो सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमले के बावजूद संयंत्र के आसपास रेडिएशन स्तर सामान्य है और किसी कर्मचारी के घायल होने की सूचना नहीं है। इससे पहले ईरान की परमाणु एजेंसी ने बताया था कि प्लांट परिसर के पास एक मिसाइल या प्रोजेक्टाइल गिरा, लेकिन इससे कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि यह हमला रिएक्टर से महज कुछ मीटर की दूरी पर हुआ, जो बेहद खतरनाक और गैर-जिम्मेदाराना कदम है। मारियाजखारोवा ने अमेरिका और इज़राइल से परमाणु ठिकानों पर हमले बंद करने की अपील करते हुए चेतावनी दी कि ऐसे कदम पूरे क्षेत्र में रेडियोलॉजिकल और पर्यावरणीय आपदा का कारण बन सकते हैं। रूस ने सभी पक्षों से संयम बरतने और संघर्ष-विराम की दिशा में कदम उठाने का आग्रह किया है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी से इस घटना की स्पष्ट शब्दों में निंदा करने की उम्मीद जताई है। ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन के अनुसार इस हमले में कोई जनहानि या बड़ा नुकसान नहीं हुआ है और स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है।

गुजरात के अहमदाबाद में नकली नोटों का भंडाफोड़, 6 गिरफ्तार

एजेंसी, अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने बीती देर रात अमराईवाड़ी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये की नकली भारतीय मुद्रा जब्त की है। इस मामले में सूरत की एक महिला समेत कुल 6 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपितों के पास से कुल 2.90 करोड़ की नकली नोट बरामद हुए हैं। इनमें से 2.10 करोड़ अहमदाबाद से और 80 लाख सूरत से जब्त किए गए हैं। इतनी बड़ी मात्रा में नोटों की गिनती करने में पुलिस को लगभग 6 घंटे का समय लगा। क्राइम ब्रांच के डीसीपी अजीत राजियन ने आज बताया कि आरोपित चीन से हाई क्वालिटी का पेपर मंगाकर नकली नोट तैयार करते थे। इन नोटों का इस्तेमाल वे खास तौर पर जमीन के सौदों में खपाने के लिए करते थे और इसके लिए आंगड़िया नेटवर्क का भी उपयोग किया जाता था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपित पहले भी अहमदाबाद में 3-4 वित्तीय लेनदेन कर चुके हैं।

पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक संदिग्ध लग्जरी कार को अमराईवाड़ी में रोका , जिस पर "सत्यम योग फाउंडेशन" लिखा हुआ था। जांच के दौरान कार से भारी मात्रा में नकली नोट बरामद हुए। आरोपित खुद को सरकारी वाहन दिखाने के लिए भारत सरकार और आयुष मंत्रालय के नाम का दुरुपयोग कर रहे थे। पूछताछ के दौरान इस पूरे रैकेट के तार सूरत तक जुड़े पाए गए। इसके बाद सूरत क्राइम ब्रांच को सूचना दी गई, जहां उधना इलाके में छापेमारी कर हाईटेक प्रिंटिंग मशीन और अन्य उपकरण बरामद किए गए। साथ ही 80 लाख की नकली नोट भी जब्त किए गए।

अमेरिकी इंटेलिजेंस चीफ बोलीं- पाकिस्तानी मिसाइलों से अमेरिका को खतरा, रूस-चीन इसी कैटेगरी में

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका की खुफिया एजेंसी की प्रमुख तुलसी गबार्ड ने कहा है कि पाकिस्तान ऐसी लंबी दूरी की मिसाइलें बना रहा है जो भविष्य में अमेरिका तक हमला कर सकती हैं। उन्होंने वॉशिंगटन DC में एक मीटिंग के दौरान बताया कि आने वाले समय में दुनिया में खतरनाक मिसाइलों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ सकती है। इंटेलिजेंस कम्यूनिटी (IC) का आंकलन है कि अभी करीब 3,000 मिसाइलें ऐसी हैं जो अमेरिका तक हमला कर सकती हैं, लेकिन 2035 तक ये बढ़कर 16,000 से ज्यादा हो सकती हैं। गबार्ड के मुताबिक, रूस, चीन, नॉर्थ कोरिया, ईरान और पाकिस्तान जैसे देश नई-नई मिसाइल तकनीक और हथियार बना रहे हैं। उन्होंने ये भी कहा कि पाकिस्तान ऐसी इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM) बना सकता है, जो बहुत दूर तक मार कर सकती है। वहीं ईरान भी 2035 से पहले ऐसी मिसाइल बना सकता है।

गबार्ड बोलीं- रूस और चीन अमेरिकी मिसाइल डिफेंस सिस्टम भेद सकते हैं: गबार्ड ने चीन और रूस को सबसे बड़ा और लगातार खतरा बताया। उनके मुताबिक, ये देश ऐसी उन्नत तकनीक विकसित कर रहे हैं जो अमेरिकी मिसाइल डिफेंस सिस्टम को भेद सकती हैं। उन्होंने उत्तर कोरिया के साइबर खतरे का भी जिक्र किया और कहा कि 2025 में उसने क्रिप्टोकरेंसी चोरी के जरिए करीब 2 बिलियन डॉलर जुटाए, जिससे उसके हथियार कार्यक्रम को फंड मिला। सुनवाई के दौरान ईरान के साथ संभावित युद्ध और पहले दी गई खुफिया जानकारी पर गबार्ड ने सवालों का सीधा जवाब देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वे आंतरिक चर्चाओं का खुलासा नहीं कर सकतीं। साथ ही यह भी चिंता जताई गई कि अगर ईरान पर हमला होता है तो वह होर्मुज स्ट्रेट को बंद कर सकता है, जो वैश्विक तेल और गैस सप्लाई का अहम मार्ग है।

♦ 10 साल बाद 16000 मिसाइलें अमेरिका तक हमला कर सकेंगी

गबार्ड के जवाब से डेमोक्रेट नाराज: तुलसी गबार्ड ने रिपब्लिकन राष्ट्रपति को दी गई खुफिया जानकारी के बारे में पूछे गए सवालों को बार-बार टाल दिया। इससे डेमोक्रेट नाराज हो गए। सीनेट खुफिया समिति के शीर्ष डेमोक्रेट, वर्जीनिया के सीनेटर मार्क वार्नर ने गबार्ड से पूछा कि क्या उन्होंने ट्रंप को सलाह दी थी कि अगर ईरान को अमेरिकी हमलों का निशाना बनाया गया तो वह खाड़ी देशों पर हमला करेगा और होर्मूज स्ट्रेट को बंद कर देगा। इस सवाल का भी गबार्ड ने सीधा जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा- मैंने आंतरिक बातचीत का खुलासा नहीं किया है और न ही करूंगी। उन्होंने कहा, मैं यह कहना चाहूंगी कि खुफिया समुदाय में हम सभी राष्ट्रपति को उनके फैसलों में मदद करने के लिए उपलब्ध सभी बेहतरीन वस्तुनिष्ठ खुफिया जानकारी प्रदान करते रहते हैं।

निर्वाचन आयोग ने राष्ट्रपति को सौंपे चुनाव परिणाम, नेपाल में सरकार गठन की औपचारिक प्रक्रिया शुरू

एजेंसी, काठमांडू

निर्वाचन आयोग ने नेपाल में 5 मार्च को हुए प्रतिनिधि सभा चुनाव के अंतिम परिणाम आधिकारिक रूप से गुरुवार को राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल को सौंप दिए। इसके साथ ही देश में नई सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया है। अब देश में औपचारिक रूप से सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। अंतिम परिणामों के अनुसार 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभरी है और उसने 182 सीटें जीतकर लगभग दो-तिहाई बहुमत हासिल किया है। इनमें से 125 सदस्य प्रत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली से और 57 सदस्य समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली से चुने गए हैं। नेपाली कांग्रेस को 38, सीपीएन-यूएमएल को 25, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को 17 सीटें मिली हैं। इसी तरह श्रम संस्कृति पार्टी ने 7 और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने 5 सीटें जीती हैं, जबकि एक स्वतंत्र उम्मीदवार भी निर्वाचित हुआ है।

नेपाल के संविधान की धारा 76 के अनुसार प्रतिनिधि सभा में बहुमत रखने वाले दल के संसदीय दल के नेता को प्रधानमंत्री नियुक्त किया जाता है।आरएसपी ने अपने वरिष्ठ नेता बालेन्द्र शाह को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाकर चुनाव लड़ा था। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार प्रधानमंत्री बनने के लिए व्यक्ति का प्रतिनिधि सभा का सदस्य और संसदीय दल का नेता होना आवश्यक है। पार्टी बालेन्द्र को संसदीय दल का नेता चुनने की तैयारी कर रही है।

चूंकि आरएसपी के पास अकेले ही लगभग दो-तिहाई बहुमत है, इसलिए संविधान की धारा 76(1) के तहत उसी पार्टी के संसदीय दल के नेता को प्रधानमंत्री नियुक्त किया जाएगा। संवैधानिक विशेषज्ञ खिमलाल देवकोटा के अनुसार सांसदों के शपथ लेने के बाद संसदीय दल का नेता चुना जाएगा और राष्ट्रपति बहुमत दल के नेता को प्रधानमंत्री नियुक्त करेंगे, जिसके बाद मंत्रिपरिषद का गठन होगा। यह संविधान लागू होने के बाद पहली बार होगा जब कोई एक दल स्पष्ट बहुमत के साथ अनुच्छेद 76(1) के तहत सरकार बनाएगा। यदि किसी दल को बहुमत नहीं मिलता, तो अनुच्छेद 76(2) के तहत गठबंधन सरकार बनानी पड़ती, लेकिन इस बार ऐसी स्थिति नहीं बनी। संघीय संसद सचिवालय ने नवनिर्वाचित सांसदों के शपथ ग्रहण समारोह के लिए 26 मार्च की तारीख तय की है। इसके लिए तैयारियां जारी हैं। छह राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ अनौपचारिक बैठक कर सांसदों के शपथ ग्रहण और संसदीय दल गठन से जुड़े मुद्दों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। संविधान के अनुच्छेद 93(1) के अनुसार, राष्ट्रपति को अंतिम परिणाम घोषित होने के 30 दिनों के भीतर संघीय संसद का अधिवेशन बुलाना होता है।

विधानसभा चुनाव : एनटीके ने जारी किया घोषणापत्र, 49 विषयों पर कई महत्वपूर्ण वादे

एजेंसी, चेन्नई

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में राज्य की सभी 234 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने वाली पार्टी नाम तमिलर कांची (एनटीके) ने आज अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी कर दिया। पार्टी ने प्रशासनिक सुविधा के लिए तमिलनाडु के पांच शहरों को राजधानी के रूप में विकसित करने सहित 49 महत्वपूर्ण वादे किए हैं। एनटीके पार्टी के मुख्य समन्वयक सीमान ने चेन्नई में पार्टी का चुनावी घोषणा पत्र जारी किया। करीब 462 पृष्ठों के इस विस्तृत घोषणा पत्र में 49 विषयों पर कई महत्वपूर्ण वादे किए गए हैं। इनमें सबसे प्रमुख रूप से पार्टी ने प्रशासनिक सुविधा के लिए तमिलनाडु के पांच शहरों को राजधानी के रूप में विकसित करने का वादा किया है। एनटीके के मुख्य समन्वयक सीमान ने बताया कि घोषणा पत्र में पार्टी ने प्रशासनिक राजधानी के लिए तिरुचिरापल्ली, तकनीकी राजधानी के लिए चेन्नई, औद्योगिक राजधानी के रूप में कोयंबटूर, सांस्कृतिक राजधानी के रूप में मदुरै और आध्यात्मिक/दार्शनिक राजधानी के रूप में कन्याकुमारी को विकसित करने की बात कही है। सीमान ने बताया कि ये सभी शहर अपने-अपने क्षेत्र में विशेष भूमिका निभाएंगे। मुख्य समन्वयक सीमान ने बताया कि पार्टी ने सरकारी नौकरी, भ्रष्टाचार का पूर्ण उन्मूलन, और भ्रष्टाचार करने वाले सभी लोगों की संपत्ति जब्त, जल संसाधनों की सुरक्षा, मुफ्त स्वच्छ पेयजल, विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं, महिला अधिकार और दिव्यांगों के कल्याण को प्राथमिकता देने का वादा किया है।

बुजुर्गों, दिव्यांगों, सेवा मतदाताओं व चुनाव ड्यूटी में तैनात मतदाताओं को मिलेगी डाक मतपत्र की सुविधा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने आगामी विधानसभा चुनावों में बुजुर्गों, दिव्यांगजनों, सेवा मतदाताओं और चुनाव ड्यूटी पर तैनात मतदाताओं के लिए डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान की सुविधा प्रदान करने का ऐलान किया है। यह कदम चुनाव प्रक्रिया को अधिक समावेशी और सुलभ बनाने की दिशा में उठाया गया है, ताकि कोई भी मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

निर्वाचन आयोग ने 15 मार्च को पांच राज्यों असम, केरल, पुदुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के आम चुनावों तथा 6 राज्यों गोवा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, नागालैंड और त्रिपुरा में उप-चुनावों का कार्यक्रम घोषित किया। अधिसूचनाएं 16 मार्च को असम, केरल और पुदुचेरी के लिए जारी कर दी गई हैं। मतदान की प्रक्रिया अप्रैल-मई में पूरी होगी, जबकि मतगणना 4 मई को होगी।

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने गुरुवार को विज्ञप्ति जारी कर सुविधा के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता और मतदाता सूचियों में चिह्नित दिव्यांगजन डाक मलपत्र के माध्यम से अपना वोट डाल सकते हैं।

निर्वाचन आयोग ने कहा कि आवेदन फॉर्म 12घ के माध्यम से किया जाएगा। अधिसूचना जारी होने के पांच दिनों के भीतर ब्लॉक लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के जरिए रिटर्निंग अधिकारी को जमा करना होगा। उन्होंने कहा कि मतदान दल घर जाकर वोट एकत्र करेगा, जहां गोपनीयता सुनिश्चित की जाएगी।

देश में गैस की सप्लाई सामान्यः केंद्र

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने कहा है कि पश्चिम एशिया में युद्ध के चलते एलपीजी की स्थिति चिंताजनक होने के बावजूद देश में एलपीजी, पीएनजी और सीएनजी की सप्लाई सामान्य है। सरकार ने दावा किया है कि कच्चे तेल की आपूर्ति पर्याप्त है। रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं और पेट्रोल पंपों पर कोई कमी नहीं है। फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में सभी भारतीय जहाज सुरक्षित हैं और व्यापार प्रभावित नहीं हुआ है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने कुवैत के क्राउन प्रिंस से बातचीत कर क्षेत्रीय शांति और भारतीय समुदाय की सुरक्षा पर चर्चा की है।

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने गुरुवार को रोजाना अंतर्मंत्रालयी पत्रकार वार्ता में कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध के चलते एलपीजी की स्थिति चिंताजनक है लेकिन देशभर में सभी ऑपरेशन सामान्य हैं। एलपीजी और पीएनजी उपभोक्ताओं को उच्चतम प्राथमिकता दी गई है। कच्चे तेल की आपूर्ति पर्याप्त है और रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं और कहीं भी कमी की स्थिति नहीं है। घरेलू पीएनजी और सीएनजी की सप्लाई 100 फीसदी सुनिश्चित है।

उन्होंने कहा कि जो राज्य सरकारें पीएनजी नेटवर्क विस्तार में सहयोग करेंगी, उन्हें 10 फीसदी अतिरिक्त एलपीजी दी जाएगी। हाल के दिनों में सवा लाख घरेलू और वाणिज्यिक कनेक्शन दिए गए हैं और पिछले तीन दिनों में 5,600 से अधिक उपभोक्ता एलपीजी से पीएनजी पर शिफ्ट हुए हैं। ऑनलाइन बुकिंग 94 फीसदी तक बढ़ गई है और 83 फीसदी सिलेंडरों की डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड से की जा रही है। कल 57 लाख रिफिल बुकिंग दर्ज की गईं। उन्होंने कहा कि 31 राज्यों में मॉनीटरिंग के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं और 25 राज्यों में जिलास्तरीय कंट्रोल रूम भी बनाए गए हैं। सभी जिलाधिकारियों और फूड एंड सप्लाई अधिकारियों को कालाबाजारी रोकने का प्राथमिक दायित्व दिया गया है। पूरे देश में कल करीब 600 रेड की गईं। उत्तर प्रदेश में 1,100 रेड के जरिए लगभग 1,000 सिलेंडर सीज किए गए, जिनमें 17 एफआईआर दर्ज हुईं और एक व्यक्ति गिरफ्तार हुआ। मध्यप्रदेश में 1,700 रेड में करीब 2,500 सिलेंडर जब्त किए गए।

केंद्रीय पत्तन, नौवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि गल्फ क्षेत्र में पिछले 24 घंटे में कोई घटना नहीं घटी है। फारस की खाड़ी और होरमुज जलडमरूमध्य में सभी भारतीय जहाज सुरक्षित हैं। 611 जहाज सुरक्षित हैं और किसी घटना की सूचना नहीं है। महानिदेशालय शिपिंग जहाज मालिकों, एजेंसियों और भारतीय मिशनों के साथ समन्वय कर रहा है। पिछले 24 घंटे में कंट्रोल रूम ने लगभग 150 कॉल और 225 ईमेल के जवाब दिए हैं, जबकि 16 भारतीय जहाजों की वापसी समन्वित प्रयासों से हुई।

यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलिजस फ्रीडम (यूएससीआईआरएफ़) वार्षिक रिपोर्ट 2026-आरएसएस,रॉ पर प्रतिबंध की सिफारिश -भारतीय राजनीति में भूचाल-पक्ष विपक्ष आमने-सामने -समग्र विश्लेषण

लोकतंत्र की शान

» रिपोर्ट में भारत को उन 18 देशों की सूची में शामिल करने की सिफारिश की है, जिन्हें विशेष चिंता वाले देश (कंट्री ऑफ़ पर्टिकुलर कंसर्न) के रूप में नामित किया जाना चाहिए

» यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलिजस फ्रीडम रिपोर्ट 2026 में आरएसएस,रॉ पर प्रतिबंध तथा18 देशों सहित भारत को भी विशेष चिंता वाले देशों की श्रेणी में डालने की सिफारिश से विश्व हैरान -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर अंतरराष्ट्रीय राजनीति और कूटनीति के जटिल परिदृश्य में समय-समय पर ऐसे मुद्दे सामने आते हैं,जो न केवल दो देशों के संबंधों को प्रभावित करते हैं बल्कि वैश्विक विमर्श का भी हिस्सा बन जाते हैं। यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलिजस फ्रीडम (यूएससीआईआरएफ़) 2026 की वार्षिक रिपोर्ट ने भारत-अमेरिका संबंधों में एक नई बहस को जन्म दिया है। इस रिपोर्ट में भारत के प्रमुख सामाजिक -सांस्कृतिक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और देश की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की गई है। यह सिफारिश अपने आप में असाधारण है, क्योंकि यह किसी संप्रभु देश की आंतरिक संस्थाओं पर बाहरी संस्था द्वारा की गई टिप्पणी है।इस पूरे घटनाक्रम ने धार्मिक स्वतंत्रता,राष्ट्रीय संप्रभुता, अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप और राजनीतिक नैरेटिव के बीच जटिल संतुलन परगंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। बता दें यूएससीआईआरएफ़ एक स्वतंत्र अमेरिकी सरकारी निकाय है,जो धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़े मुद्दों की निगरानी करता है औरअमेरिकी प्रशासन को नीतिगत सुझाव देता है।हालांकि यह संस्था व्हाइट हाउस को सिफारिशें देती है,लेकिन उसकी रिपोर्ट बाध्यकारी नहीं होती।लेकिन मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इसके बावजूद,इसकी रिपोर्टों का अंतरराष्ट्रीय स्तरपर प्रभाव पड़ता है,क्योंकि ये वैश्विक मानवाधिकार विमर्श को प्रभावित करती हैं। 2026 की रिपोर्ट में आयोग ने भारत को उन 18 देशों की सूची में शामिल करने की सिफारिश की है, जिन्हें विशेष चिंता वाले देश (कंट्री ऑफ़ पर्टिकुलर कंसर्न) के रूप में नामित किया जाना चाहिए,इस सूची में अफगानिस्तान, चीन, पाकिस्तान, ईरान और उत्तर कोरिया जैसे देश भी शामिल हैं, जिससे भारत को उसी श्रेणी में रखने पर स्वाभाविक रूप से विवाद उत्पन्न हुआ है। रिपोर्ट में आयोग द्वारा लगाए गए हैं कि भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों का हनन हो रहा है और कुछ संगठनों तथा संस्थाओं की भूमिका इस संदर्भ में संदिग्ध है।इसी आधार पर आरएसएस और रॉ पर लक्षित प्रतिबंध जैसे संपत्ति फ्रीज करना और अमेरिका में प्रवेश पर रोक लगाना इसकी सिफारिश की गई है। इसके साथ ही, भारत को हथियार निर्यात पर रोक लगाने और द्विपक्षीय संबंधों को धार्मिक सुधारों से जोड़ने का सुझाव भी दिया गया है। साथियों बात अगर हम इस रिपोर्ट पर भारत सरकार की प्रतिक्रिया:संप्रभुता और साख का प्रश्न इसको समझने की करें तो, भारत सरकार ने इस रिपोर्ट को सख्ती से खारिज करते हुए इसे पक्षपाती और प्रेरित बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह रिपोर्ट संदिग्ध स्रोतों और वैचारिक पूर्वाग्रहों पर आधारित है, जिसका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं है। भारत का यह रुख केवल एक कूटनीतिक प्रतिक्रिया नहीं,बल्कि राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा का भी प्रतीक है।भारत का तर्क है कि एक विदेशी संस्था को देश की आंतरिक संस्थाओं और संगठनों पर इस प्रकार की टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है। विशेष रूप से रॉ जैसी संवेदनशील खुफिया एजेंसी पर प्रतिबंध की मांग को भारत ने पूरी तरह अस्वीकार्य बताया है। भारत का यह भी कहना है कि यूएससीआईआरएफ़ पिछले कई वर्षों से भारत के बारे में एकतरफा और नकारात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करता रहा है, जिससे उसकी विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगते हैं। साथियों बात अगर हम रिपोर्ट में दर्शाई गई आरएसएस और रॉः विवाद के केंद्र में संस्थाएं इनको समझने की करें तो,आरएसएस भारत का एक प्रमुखसांस्कृतिक और सामाजिक संगठन है, जिसकी स्थापना 1925 में हुई थी और जो देश के सामाजिक- राजनीतिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वहीं रॉ भारत की प्रमुख विदेशी खुफिया एजेंसी है,जो राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक हितों की रक्षा के लिए कार्य करती है। इन दोनों संस्थाओं को लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर इस प्रकार के आरोप लगना अपने आप में असामान्य है।रॉ पर पहले भी कुछ अंतरराष्ट्रीय आरोप लगाए गए हैं, विशेष रूप से सिख अलगाव वाद से जुड़े मामलों में। 2025 की रिपोर्ट में भी आयोग ने इसी प्रकार के आरोपों के आधार पर रॉ पर प्रतिबंध की मांग की थी। हालांकि भारत ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है और उन्हें बिल्कुल सटीक रूप से निराधार बताया है। साथियों बात अगर हम अमेरिकी राजनीति और ट्रंप प्रशासन का संदर्भ इसको समझने की करें तो रिपोर्ट में विशेष रूप से ट्रम्प प्रशासन से इन सिफारिशों को लागू करने की अपील की गई है।यह उल्लेखनीय है कि अमेरिकी विदेश नीति में मानवाधिकार और धार्मिक स्वतंत्रता जैसे मुद्दे अक्सर रणनीतिक हितों के साथ जुड़े होते हैं। ट्रंप प्रशासन के दौरान अमेरिका फर्स्ट नीति के साथ-साथ कुछ मामलों में कड़े रुख भी देखने को मिले हैं। हालांकि यह स्पष्ट है कि यूएससीआईआरएफ़ की सिफारिशों को लागू करना पूरी तरह प्रशासन के विवेक पर निर्भर करता है।भारत और अमेरिका के बीच संबंध पिछले दो दशकों में काफी मजबूत हुए हैं, विशेष रूप से रक्षा, व्यापार और रणनीतिक सहयोग के क्षेत्रों में। ऐसे में इस प्रकार की रिपोर्टें द्विपक्षीय संबंधों में तनाव उत्पन्न कर सकती हैं। हालांकि दोनों देशों के बीच मजबूत आर्थिक और सामरिक हितों को देखते हुए यह संभावना कम है कि इस रिपोर्ट के आधार पर कोई कठोर कदम उठाया जाएगा।फिर भी,यह घटना इस बात को रेखांकित करती है कि वैश्विक राजनीति में मानवाधिकार और धार्मिक स्वतंत्रता जैसे मुद्दे किस प्रकार कूटनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किए जा सकते हैं। भारत को भी इस प्रकार के आरोपों का प्रभावी ढंग से जवाब देने और अपनी स्थिति स्पष्ट करने की आवश्यकता है। इस मुद्दे ने भारत की आंतरिक राजनीति में भी हलचल मचा दी है। भारत की प्रमुख विपक्षी पार्टी ने यूएससी आईआरएफ़ की सिफारिशों का समर्थन किया है, जबकि भारत की सत्ताधारी पार्टी ने इसे भारत विरोधी साजिश करार दिया है। उनका का आरोप है कि प्रमुख पक्षी पार्टी इस रिपोर्ट का समर्थन करके देश की छवि को नुकसान पहुंचा रही है।इस राजनीतिक विवाद में पक्ष विपक्ष के प्रमुख वक्ता जैसे नेताओं के बयान भी सामने आए हैं, जिन्होंने इस मुद्दे को और अधिक राजनीतिक बना दिया है। यह स्थिति दर्शाती है कि अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टें किस प्रकार घरेलू राजनीति का हिस्सा बन जाती हैं।निष्पक्षता पर सवालःआयोग की विश्वसनीयता का मुद्दा यूएससीआईआरएफ़ की रिपोर्ट की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाए गए हैं। कुछ नेताओं ने आरोप लगाया है कि आयोग में ऐसे लोग शामिल हैं, जिनके विचार भारत के प्रति पूर्वाग्रहपूर्ण हैं। विशेष रूप से आयोग के एक सदस्य की पृष्ठभूमि को लेकर भी विवाद खड़ा किया गया है।यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि क्या ऐसी संस्थाएं वास्तव में निष्पक्ष और वस्तुनिष्ठ तरीके से काम करती हैं, या फिर वे किसी विशेष राजनीतिक या वैचारिक एजेंडे से प्रभावित होती हैं। यह बहस केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि अन्य देशों ने भी समय-समय पर ऐसी रिपोर्टों की आलोचना की है। साथियों बात अगर हम धार्मिक स्वतंत्रता बनाम राष्ट्रीय संप्रभुता को समझने की करें तो इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पहलू धार्मिक स्वतंत्रता और राष्ट्रीय संप्रभुता के बीच संतुलन का है। एक ओर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का दायित्व है कि वह मानवाधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करे,वहीं दूसरी ओर प्रत्येक देश को अपनी आंतरिक नीतियों और संस्थाओं पर पूर्ण अधिकार है। वैसे भी भारत जैसे बहु- सांस्कृतिक और बहु-धार्मिक देश में धार्मिक स्वतंत्रता का मुद्दा अत्यंत संवेदनशील है। भारत का संविधान सभी नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है, और देश में विभिन्न धर्मों के लोग सदियों से साथ रहते आए हैं। ऐसे में बाहरी आरोपों को भारत अपनी संप्रभुता में हस्तक्षेप के रूप में देखता है।वैश्विक राजनीति में नैरेटिव की लड़ाईआज के समय में अंतरराष्ट्रीय राजनीति केवल सैन्य और आर्थिक शक्ति तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि "नैरेटिव" यानी विचारधारा और छवि की भी एक बड़ी भूमिका है। यूएससीआईआरएफ़ की रिपोर्ट को भी इसी संदर्भ में देखा जा सकता है, जहां एक देश की छवि को प्रभावित करने की कोशिश की जाती है।भारत को इस चुनौती का सामना करने के लिए अपनी कूटनीतिक रणनीति को और मजबूत करना होगा। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी स्थिति स्पष्ट करना, तथ्यों के आधार पर जवाब देना और सकारात्मक छवि को बनाए रखना आज की आवश्यकता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि संतुलन और संवाद की आवश्यकता जरूरी है यूएससीआईआरएफ़ की 2026 की रिपोर्ट ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि वैश्विक स्तरपर धार्मिक स्वतंत्रता औरमानवाधिकार जैसे मुद्दे कितने संवेदनशील और विवादास्पद हैं।आरएस एस और रॉ पर प्रतिबंध की सिफारिश ने भारत-अमेरिका संबंधों में एक नई बहस को जन्म दिया है,जिसमेंकूटनीति राजनीति और वैचारिक संघर्ष सभी शामिल हैं।भारत ने इस रिपोर्ट को सख्ती से खारिज कर अपनी संप्रभुता और संस्थाओं की रक्षा का संदेश दिया है।वहीं, यह भी आवश्यक है कि ऐसे मुद्दों पर संवाद और पारदर्शिता बनी रहे, ताकि गलतफहमियों को दूर किया जा सके।इसलिए यह घटना हमें यह सिखाती है कि वैश्विक राजनीति में संतुलन, समझदारी और कूटनीतिक परिपक्वता कितनी महत्वपूर्ण है।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

कंक्रीट के जंगलों में बेघर होती गौरैया: संरक्षण की गुहार

लेखक- दिलीप कुमार पाठक

सुबह की पहली किरण के साथ जब खिड़की की मुंडेर पर चूं-चूं की आवाज गूंजती थी, तो लगता था कि दिन की शुरुआत सकारात्मकता और नई ऊर्जा के साथ हुई है। वह नन्हीं सी जान, फुदकती हुई गौरैया, बरसों से हमारे भारतीय घरों का अटूट हिस्सा रही है। कभी रसोई के पुराने रोशनदान में तिनके फँसाती, तो कभी आंगन में बेखौफ घूमती यह चिड़िया हमारे परिवार की एक सदस्य जैसी थी। वह अनाज के दानों पर अपना हक जताती और बच्चों के साथ लुका-छिपी खेलती थी। लेकिन आज, वक्त के साथ वह चिर-परिचित चहचहाहट कहीं आधुनिकता के शोर में खो गई है। गौरैया अब हमारे आंगन की जीवंत सदस्य नहीं, बल्कि केवल यादों और कहानियों का हिस्सा बनती जा रही है। हर साल 20 मार्च को पूरी दुनिया विश्व गौरैया दिवस मनाकर औपचारिकता तो पूरी करती है, लेकिन क्या हम वाकई इस नन्हीं चिड़िया के वजूद को बचाने के लिए गंभीर हैं? आज के दौर में हमने विकास की अंधी दौड़ में कंक्रीट के ऊँचे जंगल तो खड़े कर लिए, मगर उन मासूम परिंदों के लिए बने-बनाये कुदरती आशियाने बेरहमी से छीन लिए हैं। पुराने वक्त के घरों में मिट्टी की दीवारें, खपरैल की छतें और लकड़ी के झरोखे होते थे, जहाँ यह छोटी सी गौरैया बड़ी आसानी से अपना सुरक्षित घोंसला बना लिया करती थी। आज के आधुनिक फ्लैट्स, बंद शीशों वाली इमारतों और मॉल की चकाचौंध में इनके लिए कोई जगह नहीं बची है। न तो वहां बैठने के लिए कोई कोना बचा है और न ही तिनका फँसाने की कोई गुंजाइश। हमने अपनी भौतिक सुख-सुविधा के लिए प्रकृति के उन नन्हे इंजीनियरों को बेघर कर दिया, जो सदियों से हमारे पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में मदद करते थे। गौरैया का गायब होना केवल एक पक्षी का जाना नहीं, बल्कि हमारी सहज जीवन संस्कृति का अंत है। सिर्फ रहने की जगह ही नहीं, गौरैया के सामने अब पेट भरने का भी बड़ा संकट खड़ा हो गया है। पहले के समय में घर की महिलाएं आंगन में बैठकर अनाज साफ किया करती थीं, जिससे गिरने वाले छोटे दानों से गौरैया का परिवार अपना पेट आसानी से भर लेता था। अब डिब्बाबंद अनाज और सुपरमार्केट की पॉलिथीन संस्कृति ने उसे दाने-दाने के लिए मोहताज कर दिया है। खेती में मुनाफे के लिए इस्तेमाल होने वाले जहरीले कीटनाशकों ने भी इस पर बड़ा कहर ढाया है। इन रसायनों ने उन छोटे कीटों को खत्म कर दिया है, जो गौरैया के चूजों का मुख्य आहार होते थे। जब नन्हे बच्चों को प्रोटीन युक्त भोजन नहीं मिलता, तो उनकी नस्ल आगे नहीं बढ़ पाती। इसके साथ ही, मोबाइल टावरों से निकलने वाली अदृश्य तरंगों और बढ़ते ध्वनि प्रदूषण ने भी इनकी संख्या को भारी चोट पहुँचाई है। गौरैया का कम होना हमारे पर्यावरण के बीमार होने का सबसे बड़ा प्राथमिक संकेत है। यह पक्षी पर्यावरण का सूचक है; अगर यह नहीं बची, तो समझ लीजिए कि हमारा वातावरण अब सांस लेने लायक भी नहीं रहा है। यह गौरैया ही थी जो फसलों के हानिकारक कीटों को खाकर किसानों की प्राकृतिक मित्र बनी रहती थी। हमने अपने बच्चों को रोबोटिक खिलौने तो दे दिए, पर उन्हें जीव-जंतुओं से प्रेम करना नहीं सिखाया। गौरैया से हमारा रिश्ता केवल जैविक नहीं, बल्कि भावनात्मक और रूहानी रहा है। कई लोकगीतों और दादी-नानी की कहानियों में गौरैया को घर की बेटी का दर्जा दिया गया है। हमने बचपन में देखा है कि हमारी दादी, माँ गौरैया के लिए स्पेशल तौर पर पकवान बनाकर रख देती थीं, पूरे दिन गौरैया खुद एवं अपने बच्चों, मित्र टोली को लेकर आँगन में फुदकती रहतीं, गौरैया हमारी माँ - दादी की दोस्त होती थी, उस सादगी भरे रिश्ते को हमने आधुनिकता की अंधी दौड़ में कहीं पीछे छोड़ दिया है, जो बेहद चिंताजनक है। अच्छी बात यह है कि सुधार की उम्मीद अभी भी पूरी तरह से खत्म नहीं हुई है। गौरैया को वापस अपने घरों में बुलाना कोई बहुत मुश्किल या खर्चीला काम नहीं है, बस थोड़ी सी संवेदनशीलता की जरूरत है। हम अपनी बालकनी या छतों पर लकड़ी के छोटे कृत्रिम घोंसले लटका सकते हैं, जो उन्हें कंक्रीट के बीच सुरक्षित आशियाना देंगे। मिट्टी के सकोरों में साफ पानी और थोड़ा सा अनाज रखना उनकी जान बचा सकता है। कोशिश करें कि घरों के आसपास देसी और झाड़ीनुमा पेड़ लगाएं, जहाँ वे छिप सकें। यह प्रयास केवल सरकारों के भरोसे नहीं, बल्कि एक जन-आंदोलन बनना चाहिए।

साईं झूलेलाल साहिब की 1076वीं जयंती 20 मार्च 2026,चेट्रीचंड्र महोत्सव और ईद-उल-फितर का अद्भुत संयोग-विश्वव्यापी आस्था, संस्कृति और सद्भाव का संगम- समग्र विश्लेषण

लेखक-किशन सनमुखदास भावनानी

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत सहित पूरे विश्व में वर्ष 2026 का मार्च महीना धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता का एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। एक ओर सिंधी समाज के आराध्य देव झूलेलाल की 1076वीं जयंती का भव्य आयोजन हो रहा है,वहीं दूसरी ओर पवित्र इस्लामिक त्योहार ईद-उल- फितर भी लगभग उसी समय मनाए जाने की संभावना है। यह संयोग न केवल भारत की विविधता में एकता की परंपरा को दर्शाता है,बल्कि वैश्विक स्तरपर सांस्कृतिक सह-अस्तित्व, सहिष्णुता और भाईचारे का संदेश भी देता है।सिंधी समाज के लिए चेटीचंड केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि उनकी सांस्कृतिक पहचान,ऐतिहासिक विरासत और सामाजिक एकता का प्रतीक है। यह दिन झूलेलाल साहिब के अवतरण दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिन्हें जल के देवता और सत्य एवं न्याय के संरक्षक के रूप में पूजा जाता है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहता हूं कि विश्वभर में फैले सिंधी समुदाय चाहे वे भारत में हों या अमेरिका, दुबई, यूके, अफ्रीका या एशिया के अन्य देशों में इस दिन को अत्यंत श्रद्धा,उल्लास और भव्यता के साथ मनाते हैं।वर्ष 2026 में यह उत्सव और भी विशेष बन गया है क्योंकि इसे सात दिवसीय चेटीचंड पखवाड़ा महोत्सव के रूप में 15 से 20 मार्च तक व्यापक स्तर पर आयोजित किया जा रहा है। विभिन्न झूलेलाल जयंती समारोह समितियों, पंचायतों, सामाजिक संगठनों,सिंधी विद्यालयों तथा व्यापारिक और धार्मिक संस्थाओं के सहयोग से यह आयोजन एक वैश्विक सांस्कृतिक उत्सव का रूप ले चुका है। इस दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रम न केवल धार्मिक भावनाओं को अभिव्यक्त करते हैं,बल्कि समाजसेवा,स्वास्थ्य जागरूकता सांस्कृतिक संरक्षण और युवा सहभागिता को भी प्रोत्साहित करते हैं।इस सप्ताह के दौरान प्रभात फेरियों से दिन की शुरुआत होती है, जिसमें श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए झूलेलाल साहिब की महिमा का गुणगान करते हैं। रक्तदान शिविरों का आयोजन समाज के प्रति जिम्मेदारी और मानवता की सेवा का संदेश देता है। चित्रकला प्रतियोगिताएं बच्चों और युवाओं की रचनात्मकता को मंच प्रदान करती हैं, वहीं योग शिविर स्वास्थ्य और संतुलित जीवनशैली को बढ़ावा देते हैं। व्यापार मेलों और आनंद मेलों के माध्यम से स्थानीय व्यापार को प्रोत्साहन मिलता है और सामाजिक मेलजोल बढ़ता है।महिलाओं की स्कूटर रैली और रंगोली कार्निवल जैसे आयोजन महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और सशक्तिकरण का प्रतीक हैं। छप्पन भोग जैसे धार्मिक प्रसाद और फूड फेस्टिवल इस उत्सव को स्वाद और परंपरा का अनूठा संगम बना देते हैं। 19 मार्च को भव्य आतिशबाजी और सांस्कृतिक कार्यक्रम इस उत्सव को चरम पर पहुंचाते हैं, जहां संगीत, नृत्य और भक्ति का अद्भुत समागम देखने को मिलता है। साथियों बात अगर हम 20 मार्च 2026 के महत्व को समझने की करें तो यह दिन इस उत्सव का मुख्य दिन होगा,जब विश्वभर में विशाल शोभायात्राएं निकाली जाएंगी।इन जुलूसों में झूलेलाल साहिब की सजीव झांकियां, पारंपरिक वेशभूषा में सजे श्रद्धालु भक्ति संगीत और नृत्य की झलकियां देखने को मिलेंगी।मैराथन स्कूटर रैली, आम भंडारे और सामूहिक भोज जैसे कार्यक्रम इस दिन को और अधिक विशेष बनाते हैं। यह केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सामुदायिक सहयोग का उत्सव है।इसी समय, इस्लाम धर्म के अनुयायियों के लिए पवित्र रमजान माह के समापन पर मनाया जाने वाला ईद-उल- फितर भी 20 या 21 मार्च को पड़ने की संभावना है,जो चांद के दीदार पर निर्भर करता है। यह त्योहार अल्लाह के प्रति आभार, आत्मसंयम, दान और करुणा का प्रतीक है। रमजान के पूरे महीने रोजा रखने के बाद ईद का दिन खुशी, संतोष और आध्यात्मिक संतुलन का संदेश लेकर आता है। ईद के दिन विशेष नमाज अदा की जाती है, फितरा(दान) दिया जाता है और लोग एक-दूसरे को गले लगाकर ईद मुबारक कहते हैं। सेवइयां और अन्य मिठाइयों का वितरण इस पर्व की पहचान है, जो इस बात को दर्शाता है कि खुशी तब और अधिक बढ़ जाती है जब उसे दूसरों के साथ साझा किया जाए। यह त्योहार सामाजिक समरसता, परस्पर सम्मान और भाईचारे को सटीक रूप से मजबूत करता है। साथियों बात अगर हम जब चेटीचंड और ईद-उल- फितर जैसे दो महत्वपूर्ण पर्व एक ही समय पर आते हैं, तो यह भारत की गंगा-जमुनी तहजीब का जीवंत उदाहरण बन जाता है। यहां विभिन्न धर्मों के लोग एक-दूसरे के त्योहारों में भाग लेते हैं,शुभकामनाएं देते हैं और आपसी प्रेम को बढ़ाते हैं। यह परंपरा केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि विश्वभर में बसे भारतीय और सिंधी समुदाय भी इसे अपनाते हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर सांस्कृतिक सौहार्द को बढ़ावा मिलता है।इस अवसर की महत्ता को देखते हुए भारत के कई राज्यों मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक या क्षेत्रीय अवकाश घोषित किया गया है। कुछ स्थानों पर चैत्र शुक्लादि, गुड़ी पड़वा, उगादी और चेटीचंड को एक ही श्रेणी में रखते हुए 19 मार्च 2026 को भी अवकाश घोषित किया गया है। यह दर्शाता है कि भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था भी विविध धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का सम्मान करती है और उन्हें प्रोत्साहित करती है।यह अवकाश केवल एक छुट्टी नहीं, बल्कि लोगों को अपने धार्मिक और सांस्कृतिक कर्तव्यों को निभाने, परिवार और समाज के साथ समय बिताने और परंपराओं को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। यह सामाजिक एकता और सांस्कृतिक संरक्षण की दिशा में एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है। साथियों बात अगर हम इस झूलेलाल जयंती महोत्सव चेट्रीचंड्र की करें तो, चेट्री चंड्र सिंधियों द्वारा मनाये जाने वाला महत्पूर्ण त्यौहार है। हर साल इसे चैत्र शुक्ल पक्ष के दुसरे दिन मनाया जाता है।इस बार ये 20 मार्च 2026, को मनाया जाएगा।ज्यादातर ये त्यौहार गुडी पड़वा व उगडी के दुसरे दिन पड़ता है, इसे पड़ोसी देश सहित विश्व के हर देश में में रहने वाले सिन्धी भी मनाते है। इस दिन चाँद कई दिनों बाद पूरा नजर आता है, सभी लोग जल देव की आराधना करते है। चेट्रीचंड्र त्यौहार सिन्धी समाज द्वारा अपने इष्टदेव झुलेलाल जी की याद में मनाया जाता है। इस दिन सिन्धी समाज जल देव व झुलेलाल जी की पूजा अर्चना करता है,सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते है, जूलूस निकाले जाते है। इस दिन प्रसाद के तौर पर उबले काले चने व मीठा भात श्रद्धा पूर्वक सबको दिया जाता है। साथियों बात अगर हम झूलेलाल जयंती महोत्सव चेट्रीचंड्र मनाने के कारणों की करें तो दुनियां में जब जब अत्याचार बढ़ा है, तब तब भगवान ने अपने भक्तों के लिए धरती में जन्म लिया है। युगों से ये बात चली आ रही है, भारत देश में कई भगवान, साधू संत ने जन्म लिया और दुनियां को सही गलत में फर्क समझाया है। सभी समाज धर्म के भगवान पाप को ख़त्म करने के लिए इस धरती पर आये- राम, कृष्ण, अल्लाह येशु ऐसे ही कुछ नाम है। ऐसे ही एक और भगवान इस धरती पर आये, जिन्हें झुलेलाल नाम से जाना जाता है।

गौरैया का कलरव एवं ऊर्जा का खत्म होना बड़ी चुनौती

लेखक- ललित गर्ग

एक समय था जब सुबह की शुरुआत घर-आंगन में चहकती गौरैया की मधुर ध्वनि से होती थी। यह नन्हीं चिड़िया केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि हमारे जीवन, संस्कृति और संवेदनाओं का अभिन्न हिस्सा थी। बच्चों के बचपन की साथी, घरों की रौनक और प्रकृति की जीवंतता का प्रतीक-वही गौरैया आज हमारे आसपास से लगभग लुप्त होती जा रही है। यह केवल एक पक्षी के कम होने की कहानी नहीं, बल्कि मानव और प्रकृति के बीच बिगड़ते संतुलन का संकेत है। विश्व गौरैया दिवस हर वर्ष 20 मार्च को मनाया जाता है, ताकि इस छोटी-सी चिड़िया के संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक किया जा सके। वर्ष 2026 की थीम व्यापक रूप से "मानव और प्रकृति का सह-अस्तित्व" की भावना को आगे बढ़ाने वाली मानी जा रही है, जो यह संदेश देती है कि यदि हम प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर नहीं चलेंगे, तो न केवल गौरैया, बल्कि पूरा पारिस्थितिकी तंत्र संकट में पड़ जाएगा। गौरैया का जीवन मनुष्य के बेहद करीब रहा है। उसने हमारे घरों की छतों, खिड़कियों, रोशनदानों और पेड़ों पर अपने घोंसले बनाए। वह हमारी दिनचर्या का हिस्सा बनी रही। लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ ने उसे धीरे-धीरे उसके आश्रयों से बेदखल कर दिया। आज कंक्रीट के जंगलों में न तो उसके लिए घोंसले बनाने की जगह बची है और न ही उसके भोजन के स्रोत। गौरैया की घटती संख्या के पीछे कई कारण हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है बदलती जीवनशैली। पहले घरों में खुले स्थान होते थे, मिट्टी के आंगन होते थे, छतों पर अनाज सुखाया जाता था और पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था स्वाभाविक रूप से होती थी। आज सब कुछ बंद कमरों और चमचमाती इमारतों में सिमट गया है। इससे गौरैया का प्राकृतिक निवास समाप्त हो गया है। इसके साथ ही कीटनाशकों और रासायनिक पदार्थों का अत्यधिक उपयोग भी एक बड़ा कारण है। गौरैया के बच्चे प्रारंभिक दिनों में कीट-पतंगों पर निर्भर रहते हैं, लेकिन आधुनिक खेती और बागवानी में रसायनों के बढ़ते उपयोग ने इन कीटों को ही समाप्त कर दिया है। परिणामस्वरूप गौरैया के बच्चों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाता और उनका जीवन खतरे में पड़ जाता है। मोबाइल टावरों से निकलने वाली सूक्ष्म तरंगों को भी गौरैया के लिए हानिकारक माना जाता है। ये तरंगें उनके नेविगेशन और प्रजनन क्षमता को प्रभावित करती हैं। यद्यपि इस पर वैज्ञानिक शोध अभी जारी हैं, लेकिन यह निश्चित है कि बढ़ता तकनीकी प्रदूषण पर्यावरण के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। जलवायु परिवर्तन भी

गौरैया के अस्तित्व पर गहरा प्रभाव डाल रहा है। असमय वर्षा, अत्यधिक तापमान और मौसम के अनियमित बदलाव उनके जीवन चक्र को बाधित कर रहे हैं। इससे उनके प्रजनन और जीवन की स्थिरता प्रभावित होती है। गौरैया का संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनहीनता का भी परिणाम है। हम धीरे-धीरे प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं। हमारी प्राथमिकताएं बदल गई हैं और हमने अपने आसपास के जीवों के प्रति संवेदनशीलता खो दी है। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है, क्योंकि जब मनुष्य प्रकृति से कटता है, तो उसका अपना अस्तित्व भी संकट में पड़ जाता है। गौरैया का संरक्षण केवल एक पक्षी को बचाने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह हमारे पर्यावरण, हमारी संस्कृति और हमारी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है। इसके लिए हमें छोटे-छोटे लेकिन प्रभावी कदम उठाने होंगे। सबसे पहले हमें अपने घरों और आसपास ऐसे स्थान बनाने होंगे, जहां गौरैया आसानी से घोंसला बना सके। आज बाजार में कृत्रिम घोंसले उपलब्ध हैं, जिन्हें घरों की बालकनी, दीवारों या पेड़ों पर लगाया जा सकता है। इसके साथ ही हमें नियमित रूप से दाना और पानी की व्यवस्था करनी चाहिए। यह एक छोटी-सी पहल है, लेकिन इसका प्रभाव बहुत बड़ा हो सकता है। हमें अपने बगीचों और आसपास के क्षेत्रों में देशी पौधों को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि कीट-पतंगों की संख्या बढ़े और गौरैया को प्राकृतिक भोजन मिल सके। जैविक खेती और रसायनों के कम उपयोग को अपनाकर भी हम इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। बच्चों में भी प्रकृति के प्रति प्रेम और संवेदनशीलता विकसित करना आवश्यक है। उन्हें यह समझाना होगा कि पक्षी केवल देखने की वस्तु नहीं, बल्कि हमारे जीवन के साथी हैं। यदि बचपन से ही यह भावना विकसित होगी, तो भविष्य में एक जागरूक और जिम्मेदार समाज का निर्माण संभव होगा। सरकार और सामाजिक संस्थाओं को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। पक्षियों के संरक्षण के लिए ठोस नीतियां बनानी होंगी, शोध को बढ़ावा देना होगा और जन-जागरूकता अभियानों को व्यापक बनाना होगा। विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक मंचों पर इस विषय को प्रमुखता से उठाना होगा। गौरैया हमें यह सिखाती है कि जीवन में सरलता, सामंजस्य और संतुलन कितना महत्वपूर्ण है। वह बिना किसी शोर-शराबे के अपने अस्तित्व को बनाए रखने की कोशिश करती है। लेकिन जब उसका अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाए, तो यह हमारे लिए चेतावनी है कि हमने कहीं न कहीं प्रकृति के साथ अन्याय किया है। आज आवश्यकता है कि हम अपनी सोच को बदलें। हम यह समझें कि यह धरती केवल हमारी नहीं है। यह सभी जीवों की साझी धरोहर है। यदि हम इसे केवल अपने स्वार्थ के लिए उपयोग करेंगे, तो एक दिन ऐसा आएगा जब हमारे पास कुछ भी शेष नहीं रहेगा। विश्व गौरैया दिवस हमें यह अवसर देता है कि हम अपने भीतर झांकें और यह सोचें कि हम प्रकृति के प्रति कितने जिम्मेदार हैं। यह दिन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक संकल्प का दिन होना चाहिए-एक ऐसा संकल्प, जिसमें हर व्यक्ति यह निश्चय करे कि वह अपने स्तर पर प्रकृति और जीवों की रक्षा के लिए प्रयास करेगा। यदि हर घर एक छोटा-सा आश्रय बन जाए, हर आंगन में दाना-पानी की व्यवस्था हो जाए और हर मन में संवेदनशीलता जाग जाए, तो गौरैया फिर से लौट सकती है।

लिवरपूल 2022 के बाद चैंपियंस लीग के क्वार्टर फाइनल में

- गैलेटसाराय को हराया, मोहम्मद सलाह 50 गोल करने वाले पहले अफ्रीकी खिलाड़ी बने

गैलेटसाराय (एजेंसी)। लिवरपूल ने 2022 के बाद पहली बार चैंपियंस लीग क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। बुधवार को एनफील्ड के मैदान पर खेले गए प्री क्वार्टर फाइनल में तुर्की क्लब गैलेटसाराय को 4-0 से हराया। इससे कुल मिलाकर 4-1 से लिवरपूल आगे बढ़ गया। पहले लेग में गैलेटसाराय ने 1-0 से जीता था।

- **मोहम्मद सलाह चैंपियंस लीग में 50 गोल करने वाले पहले अफ्रीकी बने-** मैच के हीरो एक बार फिर मोहम्मद सलाह रहे। उन्होंने शुरुआत में एक पेनल्टी मिस कर दी थी, लेकिन बाद में शानदार वापसी करते हुए एक गोल किया और एक असिस्ट भी दिया। इस प्रदर्शन के साथ वह चैंपियंस लीग में 50 गोल करने वाले पहले अफ्रीकी खिलाड़ी बन गए। इसके अलावा, वह एंफील्ड में लिवरपूल के लिए 201 गोल में योगदान देने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं। एंफील्ड लिवरपूल का घरेलू मैदान है।

ईरान की महिला फुटबॉल टीम स्वदेश लौटी

- 2 प्लेयर्स ने ऑस्ट्रेलिया में शरण लेने का फैसला किया, एशिया कप में राष्ट्रगान नहीं गाया था

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में शरण मांगने के विवाद के बाद ईरान की महिला फुटबॉल टीम स्वदेश लौट आई है। ईरानी मीडिया के अनुसार, टीम तुर्की के रास्ते ईरान पहुंची, जहां सीमा पर अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक टीम पहले तुर्की उतरी और वहां से बस के जरिए ईरान की सीमा में दाखिल हुई। इस दौरान कुछ अधिकारियों ने खिलाड़ियों का स्वागत किया। इस मामले ने तब सुर्खियां बटोरी थीं जब टीम की कुछ खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलिया में शरण मांगी थी। हालांकि, बाद में कई खिलाड़ियों ने अपना फैसला बदल लिया और टीम के साथ वापस लौट आईं। वहीं, दो खिलाड़ी (फातेमेह पसंदिदेह और अतेफेह रमेजानिसादेह) ने ऑस्ट्रेलिया में ही रहने का फैसला किया है।

3 दिन पहले दिन प्लेयर्स घर लौटी थीं

3 दिन पहले 15 मार्च को 7 में से 3 खिलाड़ियों ने अपना निर्णय बदला और अपने देश लौट आईं। ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्री टोनी बर्क ने एक बयान में इसकी जानकारी दी थी। तीन सदस्य सिडनी से कुआलालंपुर (मलेशिया) के लिए रवाना हुए। इनमें दो खिलाड़ी और एक सपोर्ट स्टाफ शामिल रहे। ईरान की टीम ऑस्ट्रेलिया से निकलने के बाद से कुआलालंपुर में ही रुकी हुई है।

गौतम गंभीर की पहचान का हो रहा गलत इस्तेमाल

हाई कोर्ट पहुंचे भारतीय कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार के आईसीसी व्हाइट-बॉल वर्ल्ड कप चैंपियन, अर्जुन अवॉर्ड विजेता, पद्म श्री से सम्मानित पूर्व सांसद और भारतीय पुरुष राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने दिल्ली हाई कोर्ट (सीएस सीओएमएम आफ 2026) में एक सिविल केस दायर किया है। इसमें उन्होंने डिजिटल रूप से किसी और की पहचान अपनाने, एआई से बने डीपफेक और बिना इजाजत के कमर्शियल इस्तेमाल के एक सुनियोजित अभियान के खिलाफ अपने व्यक्तित्व और पब्लिसिटी अधिकारों की पूरी सुरक्षा की मांग की है।

एक प्रेस रिलीज के मुताबिक 2025 के आखिर से गंभीर की लीगल टीम ने इंस्ट्राग्राम एक्स और फेसबुक पर मनगढ़ंत डिजिटल कंटेंट में अचानक और चिंताजनक बढ़ोतरी देखी। कई अकाउंट्स ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फेस-स्वैपिंग और वॉइस-क्लोनिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके ऐसे असली जैसे वीडियो बनाए जिनमें गलत तरीके से दिखाया गया कि गंभीर ऐसे बयान दे रहे हैं जो उन्होंने कभी नहीं दिए। इनमें एक फर्जी इस्तीफे का ऐलान भी शामिल है जिसे 29 लाख से ज्यादा बार देखा गया और एक मनगढ़ंत क्लिप जिसमें उन्हें सीनियर क्रिकेटरों के वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने के बारे में टिप्पणी करते हुए दिखाया गया था, जिसे 17 लाख से ज़्यादा बार देखा गया।

सोशल मीडिया के अलावा बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म भी बिना किसी इजाजत के उनके नाम और तस्वीर वाले पोस्टर और सामान बेचने में मदद कर रहे थे। यह केस 16 प्रतिवादियों के खिलाफ दायर किया गया है। 2.5 करोड़ रुपए के हर्जाने की मांग की गई है, साथ ही हिसाब-किताब पेश करने, स्थायी रोक लगाने और सभी उल्लंघनकारी सामग्री को हटाने की भी प्रार्थना की गई है। गौतम गंभीर ने कहा, मेरी पहचान, मेरा नाम, मेरा चेहरा, मेरी आवाज को कुछ गुमनाम खातों द्वारा गलत जानकारी फैलाने और मेरे नाम पर पैसे कमाने के लिए एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया गया है। यह सिर्फ निजी ठेस का मामला नहीं है; यह कानून, गरिमा और उस सुरक्षा का मामला है, जिसका हर सार्वजनिक हस्ती आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस दौर में हकदार है।

इस मुकदमे में सभी प्रतिवादियों पर स्थायी रोक लगाने की मांग की गई है, ताकि वे गंभीर के नाम, छवि, आवाज या व्यक्तित्व का एआई डीपफेक तकनीक, मॉर्फिंग और फेस-स्वैपिंग सहित किसी भी माध्यम से उनकी स्पष्ट लिखित सहमति के बिना उपयोग, पुनरुत्पादन या दुरुपयोग न कर सकें। इसके साथ ही सीपीसी के आदेश एक्सएक्सएक्सआईएक्स नियम 1 और 2 के तहत एकपक्षीय अंतरिम रोक के लिए एक तत्काल आवेदन भी दायर किया गया है जिसमें सभी उल्लंघनकारी सामग्री को तुरंत हटाने और अंतिम सुनवाई होने तक उसके आगे प्रसार पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया है।

अहमदाबाद में खुलने जा रही तेंदुलकर की वर्ल्ड-क्लास स्पोर्ट्स एकेडमी

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में जमीनी स्तर के खेलों के विकास में एक बड़ा बदलाव आने वाला है। सचिन तेंडुलकर द्वारा समर्थित एसआरटी 0 अल्टेवोल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी शुरू होने जा रही है जो एक हाई-परफॉरमेंस ट्रेनिंग सेंटर है। 10 अप्रैल से शुरू होने वाली इस एकेडमी का लक्ष्य 5 साल और उससे अधिक उम्र के उभरते खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय क्रिकेट ट्रेनिंग उपलब्ध कराना है। हालांकि इसके लॉन्च की योजना पिछले साल ही बना ली गई थी, लेकिन अब यह एकेडमी तकनीक, फिटनेस और भविष्य की तैयारी पर केंद्रित ट्रेनिंग मॉड्यूल के साथ अपना कामकाज शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

यह विशाल 40,000 स्क्वायर यार्ड का स्पोर्ट्स कैंपस खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए एक संपूर्ण इकोसिस्टम के रूप में तैयार किया गया है। यहां व्यवस्थित कोचिंग प्रोग्राम के साथ-साथ विश्व स्तरीय बुनियादी सुविधाएं मौजूद हैं, जिनमें प्रोफेशनल क्रिकेट नेट्स, मैच के लिए तैयार अपना निजी मैदान, हाई-परफॉरमेंस जिम और एक रनिंग ट्रैक शामिल है-ये ऐसी सुविधाएं हैं जो आमतौर पर केवल एलीट ट्रेनिंग सेंटर्स में ही देखने को मिलती हैं। अहमदाबाद में इसकी शुरुआत एसआरटी 10 के उस मजबूत आधार पर टिकी है, जिसकी पहचान नवी मुंबई के डी.वाई. पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी में बनी इसकी मुख्य एसआरटी10 ग्लोबल एकेडमी से है।

यह सेंटर पहले से ही खेल ट्रेनिंग के लिए एक बेहतरीन जगह बन चुका है। यहाँ इंटरनेशनल लेवल की सुविधाओं और एक खास ट्रेनिंग कोर्स का मेल है, जिसका मकसद न केवल अच्छे खिलाड़ी तैयार करना है, बल्कि बच्चों का हर तरह से विकास करना भी है। यह विस्तार एसआरटी10 की उस बड़ी योजना का हिस्सा है, जिसके तहत प्रोफेशनल स्पोर्ट्स ट्रेनिंग को बड़े महानगरों से बाहर ले जाया जा रहा है। इसका मकसद भारत को खेलों की दुनिया में एक मजबूत देश बनाना है। यह नया सेंटर न केवल अहमदाबाद के युवाओं को, बल्कि आस-पास के इलाकों के उन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी आकर्षित करेगा जो अच्छी और व्यवस्थित ट्रेनिंग की तलाश में हैं।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य बेहतरीन ट्रेनिंग सिस्टम के ज़रिए युवा प्रतिभाओं को निखारना और उन्हें आगे बढ़ने के मौके देना है। एकेडमी का ट्रेनिंग प्रोग्राम सिर्फ खेल की तकनीक पर ही नहीं, बल्कि अनुशासन, मैच की समझ, फिटनेस और मानसिक मज़बूती पर भी ध्यान देता है। टीम इंडिया के पूर्व खिलाड़ी और फर्स्ट-क्लास क्रिकेटर्स इन युवा खिलाड़ियों को रास्ता दिखाएंगे। यहाँ के कोचों को खास तौर पर एसआरटी10 के तरीके से ट्रेनिंग दी गई है, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर की कोचिंग दे सकें। इस पूरे प्रोग्राम की कमान डॉ. अतुल गायकवाड़ (ग्लोबल हेड कोच, एसआरटी10) के हाथों में है, जिन्हें क्रिकेट की हाई-परफॉरमेंस ट्रेनिंग का गहरा अनुभव है। इस लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए डॉ. गायकवाड़ ने कहा, 'सचिन सर के सफर से प्रेरित होकर, हम यहां सिर्फ एक कोचिंग सेंटर नहीं, बल्कि एक गंभीर ट्रेनिंग का माहौल तैयार कर रहे हैं। हमारा पूरा ध्यान इस बात पर है कि बच्चे शुरुआत से ही बुनियादी चीज़ों को सही से सीखें, उन्हें मैच की असली स्थितियों का अनुभव मिले और वे खेल को सिर्फ खेलें नहीं।

मेसी ने 900 गोल का आंकड़ा छुआ

- रोनाल्डो के क्लब में शामिल, 1142 मैच में हासिल की उपलब्धि, इंटर मियामी कॉन्काकैफ कप से बाहर

अर्जेंटीना (एजेंसी)। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर और इंटर मियामी के कप्तान लियोनेल मेसी आधिकारिक मैचों में 900 गोल करने वाले दुनिया के दूसरे पुरुष फुटबॉलर बन गए हैं। उन्होंने यह मुकाम नैशविले एससी के खिलाफ कॉन्काकैफ चैंपियंस कप के दूसरे लेग में हासिल किया। हालांकि, मेसी के इस गोल के बावजूद इंटर मियामी का सफर टूर्नामेंट में आगे नहीं बढ़ सका। मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा, जिसमें नैशविले के लिए क्रिस्टियन एस्पिनोजा ने गोल किया। पहला लेग नैशविले के घरेलू मैदान पर खेला गया था, जो 0-0 से ड्रॉ रहा। इसके बाद दूसरा लेग इंटर मियामी के होम ग्राउंड पर खेला गया, जहां दोनों टीमों ने एक-एक गोल किया और मैच 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ। दोनों लेग के बाद कुल स्कोर बराबर रहने पर 'अवे गोल' नियम लागू किया गया। इस नियम के तहत जो टीम विपक्षी मैदान पर अधिक गोल करती है, उसे बढ़त मिलती है। इसी आधार पर नैशविले एससी अगले दौर में पहुंच गया, जबकि इंटर मियामी टूर्नामेंट से बाहर हो गई।इंटर मियामी के फॉरवर्ड लियोनेल मेसी ने अपने बाएं पैर से करियर का 900वां गोल दागा।

रोनाल्डो के नाम 965 गोल

मेसी अब क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ 900 गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। रोनाल्डो ने यह उपलब्धि सितंबर 2024 में हासिल की थी और उनके नाम फिलहाल 965 गोल हैं। मेसी ने 1142 मैच में 900 गोल पूरे किए, जबकि रोनाल्डो ने 1236 मैच खेले थे। ब्राजील के दिग्गज पेले 765 गोल के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि मौजूदा खिलाड़ियों में रॉबर्ट लेवांडोव्स्की 690 गोल के साथ पीछे हैं।

कोच बोले- जिम्मेदारी मेरी

मैच के बाद इंटर मियामी के कोच जेवियर मस्केरानो ने हार की जिम्मेदारी खुद ली। उन्होंने कहा, यह निराशाजनक रात है। हमने बढ़त बनाई थी और पहले हाफ में कई मौके भी बनाए, लेकिन हम उन्हें गोल में नहीं बदल सके।

उन्होंने कहा कि टीम ने पूरी कोशिश की, लेकिन अंत में नतीजा उनके पक्ष में नहीं गया।वहीं, नशविल के कोच बीजे कैलाघन ने मेसी की तारीफ करते हुए कहा, '900 गोल, उन्हें बधाई। वह सबसे बेहतरीन हैं।'

- **बार्सिलोना के लिए किए सबसे ज्यादा गोल, 2012 रहा करियर का बेस्ट साल-** मेसी ने 16 अक्टूबर 2004 को बार्सिलोना के लिए अपना प्रोफेशनल डेब्यू किया था और क्लब के लिए 672 गोल किए। इसके बाद उन्होंने पेरिस सेंट जर्मेन के लिए 32 और इंटर मियामी के लिए 81 गोल किए हैं।
- **अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने अर्जेंटीना के लिए 115 गोल किए हैं-** मेसी के करियर का सबसे शानदार साल 2012 रहा था। उस एक कैलेंडर ईयर में उन्होंने क्लब और देश के लिए कुल 91 गोल दागे थे, जो आज भी एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। हाल के प्रदर्शन की बात करें तो मेसी ने 2025 एमएलएस सीजन में 29 गोल कर गोल्डन बूट जीता और लगातार दूसरी बार एमवीपी अवॉर्ड भी हासिल किया।

व्यापार

एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती का इस्तीफा

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े निजी बैंकों में से एक एचडीएफसी बैंक से बड़ी खबर सामने आई है। बैंक के पार्ट-टाइम चेयरमैन और स्वतंत्र निदेशक अतनु चक्रवर्ती ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने इस्तीफे में बैंक के कुछ कामकाज और प्रथाओं को लेकर गंभीर चिंता जताई है। इस खबर के बाद आज एचडीएफसी बैंक के शेयरों पर प्रेशर दिख सकता है। बुधवार को एचडीएफसी बैंक के शेयर 0.40 प्रतिशत टूटकर 842 रुपये पर बंद हुए थे। तनु चक्रवर्ती ने 15 मार्च को दिए अपने इस्तीफे में लिखा कि पिछले दो वर्षों में बैंक में कुछ ऐसी घटनाएं और प्रक्रियाएं देखी गईं, जो उनके व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं थीं। उन्होंने साफ कहा कि यही उनके इस्तीफे की मुख्य वजह है और इसके अलावा कोई अन्य कारण नहीं है। क ने 18 मार्च को आधिकारिक रूप से इस इस्तीफे की पुष्टि की। बैंक के अनुसार इस्तीफे के पीछे वही कारण हैं, जो चक्रवर्ती ने बताए। उनके कार्यकाल के योगदान के लिए धन्यवाद भी दिया गया। अतनु चक्रवर्ती मई 2021 में बोर्ड से जुड़े थे और उनके कार्यकाल में बैंक ने एक बड़ा बदलाव देखा। इसी दौरान मर्जर हुआ, जिससे बैंक देश का दूसरा सबसे बड़ा लेंडर बन गया। हालांकि, चक्रवर्ती ने यह भी संकेत दिया कि इस मर्जर का पूरा फायदा अभी सामने आना बाकी है। हालांकि उन्होंने किसी खास मुद्दे का जिक्र नहीं किया, लेकिन 'एथिक्स' और 'प्रैक्टिसेस' को लेकर उनकी टिप्पणी ने बैंक की आंतरिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। खास बात यह है कि उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब बड़े वित्तीय संस्थानों की गवर्नेंस पर पहले से नजर रखी जा रही है। चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद भारतीय रिजर्व बैंक ने केकी मिस्त्री को अंतरिम पार्ट-टाइम चेयरमैन नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। यह नियुक्ति 19 मार्च 2026 से 3 महीने के लिए प्रभावी होगी। अपने इस्तीफे में चक्रवर्ती ने बैंक के कर्मचारियों, खासकर मिड और जूनियर लेवल स्टाफ की ऊर्जा और काम के प्रति उत्साह की सराहना की। उन्होंने कहा कि यही टीम भविष्य में बैंक को नई दिशा दे सकती है। बता दें यह इस्तीफा एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है, जिसने कॉर्पोरेट गवर्नेंस और आंतरिक प्रक्रियाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

होटल ताज की नौकरी छोड़ी, सिर्फ 30,000 से शुरू किया

नई दिल्ली, एजेंसी। सारा पटका मायानगरी मुंबई की रहने वाली हैं। कुछ ही सालों में उन्होंने अपना सफल कन्फेक्शनरी ब्रांड खड़ा कर दिया है। इसका नाम 'लव एंड फ्लावर' है। इसकी नींव सारा ने 2015 में रखी थी। यह 'जीरो-वेस्टेज' और 'प्री-ऑर्डर' (पहले से ऑर्डर देने) मॉडल पर काम करता है। 'द ताज होटल' में शेफ की नौकरी छोड़ने के बाद सिर्फ 30,000 रुपये से सारा ने अपने वेंचर की शुरुआत की थी। इसे उन्होंने घर से शुरू किया था। यह केक, कपकेक, केक पॉप्स, मिठाई और ब्राउनी जैसे डेजर्ट आइटम बनाता और बेचता है। आज इस वेंचर से उनकी लाखों की कमाई हो रही है। आइए, यहां सारा पटका की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। रा पटका मुंबई के एक ऐसे परिवार से आती हैं जहां महिलाओं को काम करने की पूरी आजादी रही। उनकी मां एक बुटीक स्टोर चलाती थीं। सारा ने साल 2014 में होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई पूरी की। उनकी मां और कजिन्स ने उनकी खाने में दलिचस्पी को पहचानकर उन्हें इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कॉलेज के दौरान एक बार केक में ज्यादा बेकिंग सोडा डल जाने से उनका आत्मविश्वास थोड़ा डगमगाया था। लेकिन, ताज होटल में काम करते हुए -17 डिग्री सेल्सियस के फ्रीजर में चॉकलेट एक्लेयर्स सजाते समय उन्हें एहसास हुआ कि बेकिंग ही उनकी असली मंजिल है। पारिवार के एक दोस्त के सुझाव पर उन्होंने सितंबर 2014 में घर से ही अपना काम शुरू करने का मन बनाया। नौकरी करते हुए सारा देख चुकी थीं कि इस इंडस्ट्री में खाना कितनी बेदर्दी से बर्बाद होता है। लिहाजा, उन्होंने 'लव एंड फ्लावर' को पूरी तरह से 'प्री-ऑर्डर' मॉडल पर बेस्ड रखा। 'जीरो वेस्टेज' उनके ब्रांड की सबसे बड़ी खूबी है।

डेल ने गुपचुप तरीके से 11000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

नईदिल्ली, एजेंसी। डेल टेक्नोलॉजीज ने वित्त वर्ष 2026 के दौरान गुपचुप तरीके से अपने ग्लोबल कर्मचारियों की संख्या में लगभग 11,000 की कटौती की है। यह इस बात का संकेत है कि एआई सर्वर निर्माता कंपनी लागत कम करने के लिए बाहरी भर्तियों को सीमित कर रही है। हालांकि डेल ने छंटनी के बारे में कोई बड़ी सार्वजनिक घोषणा नहीं की लेकिन कंपनी ने वार्षिक रिपोर्ट में जो आंकड़े दिए हैं उससे छंटनी की तस्वीर साफ हो जाती है।

वार्षिक रिपोर्ट में डेल ने बताया कि वर्कफोर्स कटौती उसके कुल कर्मचारियों का लगभग 10 प्रतिशत है, जिससे कर्मचारियों की संख्या जनवरी 2025 में लगभग 1,08,000 से घटकर 31 जनवरी 2026 तक लगभग 97,000 हो गई है। कंपनी ने छंटनी मुआवजे पर 569 मिलियन डॉलर खर्च किए जबकि एक साल पहले यह आंकड़ा 693 मिलियन डॉलर था। टेक्नोलॉजी क्षेत्र की इस दिग्गज कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 के दौरान लागत नियंत्रण और बिजनेस मॉडर्नाइजेशन पर अपना फोकस बनाए रखने की बात कही है। कंपनी के अनुसार, खर्चों को नियंत्रित करने के लिए कर्मचारी पुनर्गठन, बाहरी भर्तियों में कमी और निवेश को रणनीतिक प्राथमिकताओं के अनुरूप ढालने जैसे उपाय किए गए हैं। ये कदम कंपनी के लॉन्ग टर्म डेवलपमेंट और ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप सेवाएं बेहतर बनाने के उद्देश्य से उठाए गए हैं।

बता दें कि बीते कुछ समय से टेक कंपनियां एआई के कारण बड़े पैमाने पर छंटनी कर रही हैं। इस साल 60 टेक कंपनियों ने

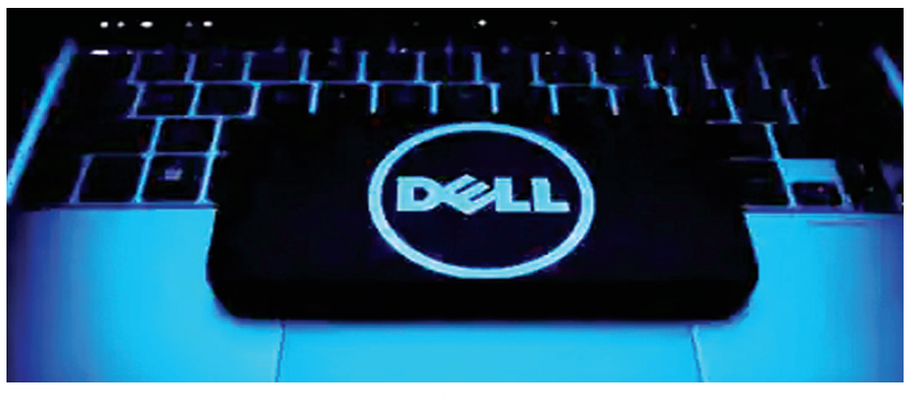

38,000 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। यह जानकारी वेबसाइट से मिली है। यह अलग-अलग क्षेत्रों में छंटनी पर नजर रखती है। रॉयटर्स की एक खबर के मुताबिक सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी मेटा बड़े पैमाने पर छंटनी की योजना बना रही है, जिससे उसके 20 प्रतिशत या उससे अधिक कर्मचारी प्रभावित हो सकते हैं।

डेल का राजस्व: बीते दिनों कंपनी ने कहा कि उसे अपने प्रमुख एआई-अनुकूलित सर्वर व्यवसाय से होने वाले राजस्व में वित्त वर्ष 2027 में दोगुनी वृद्धि की उम्मीद है और उसने शेयरधारकों को अधिक नकदी वापस करने का वादा किया है। कंपनी ने अपने कैश डिविडेंड में 20 प्रतिशत की वृद्धि और अपने शेयर बायबैक प्रोग्राम के लिए अतिरिक्त 10 अरब डॉलर की घोषणा की। डेल को प्रति शेयर 12.90 की वार्षिक आय की उम्मीद है, जो 11.59 के अनुमान से अधिक है। पहली तिमाही में डेल को 34.7 बिलियन और 35.7 बिलियन के बीच राजस्व की उम्मीद है, जो 29.13 बिलियन के अनुमान से अधिक है। पहली तिमाही के लिए प्रति शेयर आय का पूर्वानुमान 2.90 था, जो 2.37 के अनुमान से अधिक था। इस कंपनी ने चौथी तिमाही में 33.4 बिलियन का रिकॉर्ड राजस्व दर्ज किया, जो 31.73 बिलियन के अनुमान से अधिक था।

पेट्रोल-डीजल और एलपीजी सिलेंडर के भाव नहीं बढ़े, कच्चा तेल 111 डॉलर के पार

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के पेट्रोल-डीजल के उपभोक्ताओं के लिए राहत है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के रेट नहीं बढ़ाए हैं। वह भी तब जब कच्चे तेल की कीमतों में आग लगी है। ब्रेंट क्रूड 4.45 डॉलर प्रति बैरल उछलकर 111.83 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। जबकि,डब्ल्यूटीआई में 3.40 डॉलर की तेजी है। यह 99.72 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। बता दें क्रूड में हर 1 डॉलर की बढ़ोतरी से सालाना भारत के आयात बिल में लगभग 2 अरब डॉलर का इजाफा होता है। ज 19 मार्च की सुबह छह बजे जारी रेट के मुताबिक दिल्ली में इंडियन ऑयल के पंपों पर पेट्रोल की रिटेल कीमत 94.77 और डीजल 87.67 रुपये लीटर है। पोर्ट ब्लेयर में पेट्रोल 82.46 प्रति लीटर है तो डीजल 78.05 प्रति लीटर। ईटानगर में पेट्रोल 90.87 प्रति लीटर है जबकि, डीजल 80.38 प्रति लीटर। सिलवासा, दादरा और नगर हवेली में पेट्रोल 92.37 प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल 104.99, कृष्णानगर में 106.07, मेदिनीपुर में 105.37, पुरुलिया में 106.05, रायगंज में 105.36, सूरी में 105.43 और तामलुक में 104.61 प्रति लीटर है। अलीपुर में पेट्रोल 104.99 प्रति लीटर, बहरामपुर में 106.12, बांकुड़ा में 105.19, बारासात में 105.24, वर्धमान में 105.33, कूचबिहार में 106.14, हुगली में 105.52, हावड़ा में 104.99 लीटर है। सभी शहरों में कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)